RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 84
नई दिल्ली, रविवार, 26 जनवरी, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

26 जनवरी
गणतन्त्र दिवस की शुभकामना

www.dailypioneer.com

समाज है जिम्मेदार
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

कोचिंग सेंटर की छत ढही चार छात्रों समेत पांच मरे

- खजूरी खास में डाली जा रही थी मकान की चौथी मंजिल की छत
- एलजी बैजल और सीएम केजरीवाल ने जताया हादसे पर गहरा दुख

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्माणाधीन कोचिंग सेंटर की छत ढहने के बाद राहत और बचाव कार्य में जुटे कर्मचारी

भजनपुरा थाना क्षेत्र के खजूरी में शनिवार को निर्माणाधीन कोचिंग सेंटर की छत ढहने से चार छात्रों समेत पांच लोगों की मौत हो गई और दस से अधिक घायल हो गए। तीन छात्र लापता बताए जा रहे हैं। घायलों को जीबीटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें कई की हालत गंभीर है। घटना के वक्त कोचिंग सेंटर में लगभग 30 छात्र पढ़ाई कर रहे थे। उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

जानकारी के अनुसार खजूरी खास के गली नंबर छह के ई ब्लॉक स्थित सुभाष मोहल्ला में उमेश का मकान है। इसमें उमेश का बड़ा भाई शंकर पिछले आठ-दस साल से एजुकेशन कोचिंग सेंटर चला रहा था। शंकर की पत्नी और भाई उमेश भी यहीं पढ़ाते थे। जिस समय हादसा हुआ, मकान की पहली और दूसरी मंजिल पर करीब 30 छात्र थे। तीसरी मंजिल पर मजदूर फर्श बना रहे थे, जबकि चौथी मंजिल की छत डाली जा रही थी। उसी दौरान टी-आयरन और पत्थर की पटिया की छत भरभरा कर ढह गई और सभी छात्र व अन्य लोग मलबे की चपेट में आ गए।

हादसे की खबर दमकल विभाग को साढ़े चार बजे मिली। अग्निशमन विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद फौरन सात दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल और पुलिस कर्मियों के साथ स्थानीय लोगों ने मिलकर दो दर्जन से अधिक बच्चों को मलबे से निकाला। सभी को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से 30 वर्षीय उमेश (मकान मालिक), दीशु (14), कृष्णा (12) और फरहान (6) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में एक के नाम की अभी पुष्टि नहीं हो पाई।

मारे गए एक छात्र फरहान के पिता आरिफ सुल्तान ने रोते हुए बताया कि उनका बेटा करीब 15 अन्य बच्चों के साथ दूसरी मंजिल पर ट्यूशन पढ़ रहा था। आठवीं में पढ़ने वाली उनकी बेटी ने उन्हें हादसे की खबर दी। फौरन ही घटना स्थल पर पहुंचे और दूसरी मंजिल पर फैले मलबे से बेटे को निकाला। उस समय उसकी सांसें नहीं चल रही थीं। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पड़ोसी हरीश ने बताया कि बचाव दल के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने मलबा हटाकर कई बच्चों और अन्य लोगों को निकाल लिया था।

कश्मीर में जैश प्रमुख समेत तीन आतंकी ढेर

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के स्वयंभू प्रमुख कारी यासिर सहित तीन आतंकवादियों को मार गिराया। यह भारतीय सेना के लिए एक बड़ी सफलता है। पुलिस और सेना के अधिकारियों ने बताया कि यासिर पिछले साल पुलवामा हमले में शामिल था जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए थे। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, श्रीनगर स्थित चिनार कोर के जनरल-ऑफिसर-कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों और पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि आतंकवादी समूह गणतंत्र दिवस पर एक बड़े हमले की योजना बना रहा था लेकिन अब वह खतरा टल गया है। कुमार ने कहा, त्राल मुठभेड़ में हमने तीन आतंकवादियों को मार दिया जिसमें जैश ए मोहम्मद के कश्मीर क्षेत्र के स्वयंभू प्रमुख कारी यासिर शामिल था। वह पिछले साल फरवरी (आईईडी) विस्फोट और लेथपोरा (आईईडी) विस्फोट में शामिल थे। वह एक आईईडी विशेषज्ञ है और उग्रवादियों की भर्ती के साथ-साथ पाकिस्तान से उन्हें लाने ले जाने में भी शामिल था। गोलीबारी में सेना के तीन जवान घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आईजीपी ने कहा कि पुलिस को श्रीनगर या उसके आसपास आईईडी हमले के बारे में लगातार जानकारी मिल रहे थे। उन्होंने कहाकि हमें बुरहान और यासिर के नाम पता थे। उनका (शेष पेज 9 पर)

जेटली, सुषमा, जार्ज को मरणोपरांत पद्म विभूषण

- इस बार सात प्रमुख हस्तियों को पद्म विभूषण, 16 को पद्मभूषण और 118 को मिला पद्मश्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्रियों-- अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और जार्ज फर्नांडीस, ओलंपिक मुक्केबाज मैरी कॉम, मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरुद्ध जगन्नाथ को इस साल गणतंत्र दिवस पर पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर, उद्योगपति आनंद महिंद्रा और वेणु श्रीनिवासन, ओलंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, नगालैंड के पूर्व मुख्यमंत्री एस सी जमीर और जम्मू कश्मीर के नेता मुजफ्फर हुसैन बेग को पद्म भूषण से नवाजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि जेटली, स्वराज और जार्ज को पद्मविभूषण मरोणोपरांत दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इस साल 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सात प्रमुख हस्तियों को पद्म विभूषण के लिए चुना गया है जबकि पद्मभूषण के लिए 16 और पद्मश्री के लिए 118 लोग चुने गए हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधू को पद्म भूषण सम्मान के लिए चुना गया। पद्म श्री पुरस्कार के लिए जिन छह खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की गई है उनमें क्रिकेटर जहीर खान, भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, पूर्व हाकी खिलाड़ी एम.पी. गणेश, (शेष पेज 9 पर)

कई गुमनाम नायकों को भी मिला पद्म सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चंडीगढ़ स्थित पीजीआई अस्पताल के बाहर मरीजों एवं उनके साथ आए लोगों को नि:शुल्क भोजन कराने वाले जगदीश लाल आहूजा, 25,000 से अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने वाले फैजाबाद के मोहम्मद शरीफ, मुस्लिम भजन गायक मुन्ना मास्टर और असम में हाथियों के चिकित्सक कुशल कंवर सरमा उन गुमनाम नायकों में शामिल हैं जिन्हें इस साल पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। जम्मू-कश्मीर के दिव्यांग सामाजिक कार्यकर्ता जावेद अहमद टक भी शामिल हैं जो दो दशक से दिव्यांग बच्चों के लिए काम कर रहे हैं, अनंतनाग एवं पुलवामा के 40 गांवों में 100 से अधिक बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा एवं अन्य सहायता मुहैया करा रहे हैं। औपचारिक शिक्षा नहीं लेने के बावजूद पौधों की विविध किस्मों के विशाल ज्ञान के कारण वन की विश्वकोष उपाधि से जानी जाने वाली कर्नाटक की 72 वर्षीय तुलसी गौडा को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया है। पिछले चार दशकों से पूर्वोत्तर राज्यों के दूरदराज के इलाकों में शिक्षा एवं पाठन संस्कृति को प्रोत्साहित कर रहे और अंकल मूसा के नाम से विख्यात अरुणाचल प्रदेश के सत्यनारायण मुंदायूर, 1984 भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों की खातिर लड़ाई लड़ने वाले अब्दुल जब्बर उर्फ भोपाल की आवाज (मरणोपरांत) और राजस्थान में स्वच्छता के क्षेत्र में काम करने वाली दलित सामाजिक कार्यकर्ता उषा चौमार को पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। सूखाग्रस्त हिवरे (शेष पेज 9 पर)

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में **पायनियर** प्रेस एवं कार्यालय में 26 जनवरी 2020 को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 28 जनवरी 2020 को प्रकाशित होगा।

बाजार

सेंसेक्स	41,945	
निफ्टी	12,352	
सोना	40,590	/10g
चांदी	47,756	/kg

क्विक न्यूज

कपिल मिश्रा को चुनाव आयोग ने 48 घंटे तक प्रचार से प्रतिबंधित किया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी कपिल मिश्रा को विवादित ट्वीट करने के कारण शनिवार को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार मॉडल टाउन से भाजपा प्रत्याशी मिश्रा पर प्रतिबंध की समयसीमा शनिवार को शाम पांच बजे से शुरू होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्तों के हस्ताक्षर वाला प्रतिबंध आदेश संबद्ध जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से मिश्रा को भेज दिया गया है। इस बीच, ट्विटर इंडिया ने निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मिश्रा के विवादित ट्वीट पर संज्ञान लेते हुए शुक्रवार रात को इसे हटा दिया। साथ ही जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 125 के तहत मिश्रा के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ विभिन्न समुदायों के बीच कटुता पैदा करने का मामला दर्ज किया गया है।

कश्मीर में छह महीने बाद टूजी इंटरनेट सेवा बहाल

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में शनिवार को करीब छह महीने के बाद पहली बार कम गति की इंटनेट सेवा (टूजी) बहाल हो गई लेकिन उपयोक्ता प्रशासन द्वारा मंजूर 301 वेबसाइटों का ही इस्तेमाल कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को निरस्त करने और राज्य का विभाजन कर दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांटने की घोषणा के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि केवल टूजी सेवा बहाल की गई है और सोशल मीडिया वेबसाइट रहित वेबसाइटों का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा।

चीन से लौटे सात लोग चिकित्सा निगरानी में

- भारत में अबतक कोरोना विषाणु से पीड़ित का कोई सत्यापित मामला नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चीन के वुहान में एक अस्पताल में भर्ती मरीज का इलाज करता चिकित्सक

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को कहा कि चीन से लौटे सात और लोगों को कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका के मद्देनजर परीक्षण के बाद चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है और अबतक इस बीमारी का कोई सत्यापित मामला सामने नहीं आया है। इन सातों लोगों के नमूने पुणे की आईसीएमआर-एनआईवी प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

इससे पहले चार अन्य यात्रियों के नमूनों के परीक्षण में भी यह विषाणु नहीं पाया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि हर्षवर्धन के निर्देश पर इस बीमारी के संबंध में चौबीस घंटे सातों दिन चलने वाला कॉल सेंटर (91-11-23978046) शुरू किया गया है। मंत्रालय ने कहा, कॉल सेंटर विदेश से आने वाले उन व्यक्तियों की सूची पर नजर रखेगा जो उसे विदेश मंत्रालय उपलब्ध कराएगा। वह उन जिला एवं राज्य सतर्कता अधिकारियों का ब्योरा उन लोगों को प्रदान करेगा जो इसकी मांग करेंगे। कोई चिकित्सकीय परामर्श मांगे जाने पर संबंधित व्यक्ति को समेकित रोग सतर्कता कार्यक्रम अधिकारी से संपर्क करने को कहा जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उन सात राज्यों में बहुविषयक केंद्रीय दलों को भेजने का निर्देश दिया है जहां सात निर्धारित हवाईअड्डों- नई दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोच्चि में थर्मल स्क्रीनिंग (शेष पेज 9 पर)

आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाएंगे भारत और ब्राजील

- पीएम नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर मेसियस बोलसोनारो के बीच अहम बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

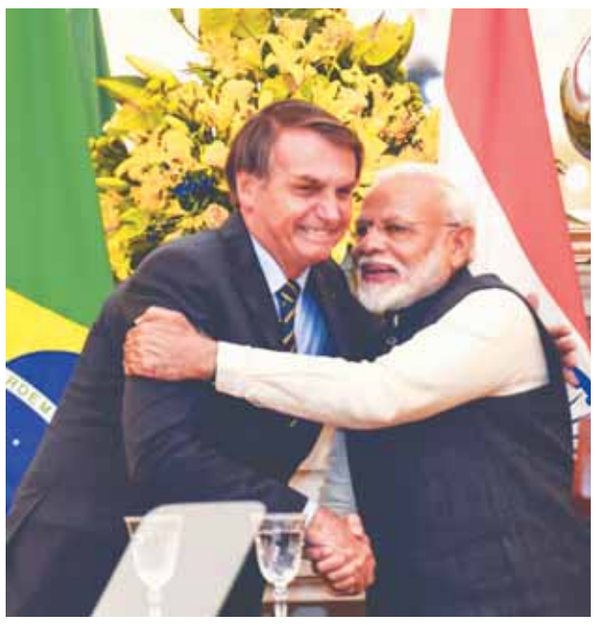
नई दिल्ली में ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर मेसियस बोलसोनारो से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारत और ब्राजील ने आतंक वित्तपोषण एवं राज्य प्रायोजित आतंकवाद की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए एफएटीएफ में साथ मिलकर काम करने का शनिवार को निश्चय किया। व्यापक वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर मेसियस बोलसोनारो ने सभी देशों से आतंकवाद के शरणस्थली को खत्म करने, उनके नेटवर्क एवं वित्तपोषण के मार्गों को अवरुद्ध कर देने तथा आतंकवादियों को सीमा के आर-पार आने जाने पर रोक देने की दिशा में मिलकर काम करने की अपील की। मोदी-बोलसोनारो की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि सीमापार आतंकवाद समेत सभी प्रकार के आतंकवाद का सफाया करने के अंतिम लक्ष्य के लिए वैश्विक कार्रवाई शुरू की (शेष पेज 9 पर)

चोट खाकर भी लड़ते रहे छह जवानों को शौर्य चक्र

- जाट रेजिमेंट के नायब सूबेदार सोमबीर को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाएगा
- साथ ही लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति लामा, मेजर केबी सिंह, नायब सूबेदार एन सिंह, नायक एस कुमार और सिपाही के ओरांव को मिलेगा यही सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस के मौके पर सैन्यकर्मियों को दिए जाने वाले वीरता पुरस्कारों की घोषणा शनिवार को हो गई है। उपसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी सहित 19 उच्च अधिकारियों को परम विशिष्ट सेवा मेडल से नवाजा जाएगा। सैनी ने शनिवार को ही पद ग्रहण किया है। इनके अलावा इस साल छह सैनिकों को उनके अदम्य साहस के लिए शौर्य चक्र प्रदान किया जाएगा।

आधिकारिक बयान के मुताबिक 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुल 151 सेना पदक और आठ युद्ध सेवा पदक दिए जाएंगे। जाट रेजिमेंट के नायब सुबेदार सोमबीर को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाएगा। उनके अतिरिक्त लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति लामा, मेजर केबी सिंह, नायब सूबेदार एन सिंह, नायक एस कुमार और सिपाही के ओरांव को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जा रहा है। इनके अलावा, सेना के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट एसके सैनी, उत्तरी कमान के लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह और एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद दत्ता को विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। जिन सैनिकों को शौर्य चक्र दिया जा रहा है, उनकी बहादुरी की अलग कहानी है। नायब सुबेदार सोमबीर ने जम्मू-कश्मीर में (शेष पेज 9 पर)

एक दोषी ने कोर्ट से की दया याचिका की समीक्षा की मांग

निर्भया मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वर्ष 2012 में हुए निर्भया सामूहिक बलात्कार एवं हत्या मामले में मौत की सजा पाए दोषियों में से एक ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय में अर्जी दायर कर राष्ट्रपति द्वारा दया याचिका खारिज किए जाने की न्यायिक समीक्षा का अनुरोध किया है।

अर्जी दोषी मुकेश कुमार सिंह (32) की ओर से दायर की गई है जिसकी दया याचिका राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गत 17 जनवरी को खारिज कर दी थी। मुकेश कुमार की ओर से अर्जी अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने दायर की। ग्रोवर ने एजेंसी से कहा कि जिस तरह दया याचिका खारिज की गई है, उसकी न्यायिक समीक्षा के लिए अर्जी अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई है। उन्होंने कहा कि मानकों के अनुसार (शेष पेज 9 पर)

दोषियों को सभी दस्तावेज सौंप दिए: तिहाड़ प्रशासन

दिल्ली की एक अदालत ने निर्भया सामूहिक बलात्कार और हत्या के मामले के दोषियों के वकील की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि अर्जी पर आगे किसी दिशा-निर्देश की आवश्यकता नहीं है। वकील ने याचिका में आरोप लगाया था कि जेल के अधिकारी वे दस्तवेज मुहैया नहीं करा रहे हैं, जो दया तथा सुधारात्मक याचिकाएं दायर करने के लिए जरूरी हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय कुमार जैन ने कहा कि दोषियों के वकील तिहाड़ जेल के अधिकारियों से संबंधित दस्तावेज, पेंटिंग और डायरी की तस्वीरें ले सकते हैं। तिहाड़ जेल की ओर पेश हुए लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि जेल के अधिकारियों ने दोषियों के वकील द्वारा मांगे गए सभी संबंधित दस्तावेज मुहैया करा दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि दोषी केवल विलंब करने की तरकीब अपना रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा में सीएए के खिलाफ संकल्प प्रस्ताव पारित

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर

राजस्थान विधानसभा ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ एक संकल्प प्रस्ताव शनिवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने प्रस्ताव पेश करते हुए इस कानून को धर्म के आधार पर भेदभाव करने वाला बताया और कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को धक्का लगा है। वहीं विपक्षी भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपने राजनीतिक एजेंडे और तुष्टिकरण की नीति के तहत यह प्रस्ताव लेकर आई है। इस संकल्प प्रस्ताव में विधानसभा ने सीएए को संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन बताते हुए कहा गया है कि इससे (शेष पेज 9 पर)

पाकिस्तान ने दी अजीब घुड़की

एशिया कप में आओ, वरना हम विश्वकप में भारत नहीं जाएंगे

भाषा। कराची

विराट कोहली

बाबर आजम

पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वसीम खान ने शनिवार को यहां कहा कि अगर भारतीय टीम इस साल सितंबर में होने वाले एशिया कप टी20 के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी तो पाकिस्तान भी 2021 विश्व कप के लिए अपनी टीम को भारत नहीं भेजेगा।

खान ने लाहौर में पत्रकारों से कहा, भारतीय टीम एशिया कप के लिए अगर पाकिस्तान नहीं आएगी तो हम भी उनकी मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप (2021 में) में भाग लेने से मना कर देंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के इस वरिष्ठ अधिकारी ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि बोर्ड ने बांग्लादेश को पाकिस्तान के दौरे के लिए मनाने के एवज में एशिया कप की मेजबानी उन्हें सौप दी थी।

उन्होंने कहा, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने मेजबानी का अधिकार हमें सौपा है और हम इसे किसे और को नहीं दे सकते। हमारे पास इसका अधिकार नहीं है। खान ने हालांकि (शेष पेज 9 पर)

यीडा में खुलेंगे रोजगार के नए दरवाजे

प्राधिकरण औद्योगिक कलस्टर की तीन योजनाएं आज करेगा लांच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण यीडा आज औद्योगिक कलस्टर की तीन योजनाएं लॉन्च करेगा। अपैरल, एमएसएमई व हैंडीक्राफ्ट कलस्टर की इस योजना में करीब एक हजार भूखंड होंगे। इसमें 250 मीटर से लेकर 40 हजार वर्ग मीटर तक के भूखंड शामिल होंगे। प्रदेश में इस तरह की पहली योजना है जिसमें 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसमें 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

यमुना प्राधिकरण अपैरल, एमएसएमई माइक्रो, स्माल एंड मीडियम इंडस्ट्री व हैंडीक्राफ्ट कलस्टर की औद्योगिक योजना लॉन्च करेगा। यह योजना 26 जनवरी को आएगी जबकि आवेदन पहली फरवरी से स्वीकार किए जाएंगे। इस योजना में 31 मार्च तक आवेदन किए जा सकते हैं। इसके लिए सेक्टर-29 को आरक्षित किया गया है। इसमें 250 मीटर से लेकर 40 हजार वर्ग मीटर तक के भूखंड शामिल होंगे। एमएसएमई के लिए 514, हैंडीक्राफ्ट के लिए 203 और अपैरल पार्क के लिए 213 भूखंड इस योजना में रहेंगे। चार हजार मीटर से कम आकार के भूखंडों का ड्रॉ निकाला जाएगा जबकि इससे बड़े भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार के जरिये किया जाएगा।

● 10 लाख से अधिक को मिलेगा रोजगार

इस योजना का ड्रॉ 24 जून को निकाला जाएगा। प्रदेश में इस तरह की पहली योजना लॉन्च की जा रही है। इस योजना में देश के किसी प्रदेश का निवासी आवेदन कर सकता है, इसमें ऑनलाइन आवेदन निवेश मित्र एप के जरिये होंगे। प्राधिकरण का दावा है कि तय समय पर ड्रॉ निकालकर आवंटियों को कब्जा दे दिया जाएगा।

प्राधिकरण सेक्टर-29 में तीनों कलस्टर की योजना बनाई है। इसके लिए करीब 380 हेक्टेयर जमीन आरक्षित की गई है। अधिकतर जमीन पर प्राधिकरण का कब्जा है। अफसरों का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो जमीन और बढ़ा दी जाएगी। इन कलस्टर में से दो एक जिला एक उत्पाद के तहत आते हैं। इसमें अपैरल व हैंडीक्राफ्ट कलस्टर शामिल है।

कई बड़ी कंपनियों को मिल चुके हैं भूखंड

निवेश समिट से यमुना प्राधिकरण की ओर उद्यमियों का रुझान बढ़ा है। यहां वीवी जैसी बड़ी कंपनियों ने जमीन आवंटन कराया है। अब तक करीब 188 इकाइयों के लिए आवंटन किया जा चुका है। इसके अलावा बॉडी केयर, बीकानेर, रैमसंस समेत दर्जनों चीन की कंपनियां भी शामिल हैं। इन कंपनियों को जमीन आवंटित कर दी गई है। इन सभी कंपनियों से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। इन बड़ी कंपनियों में स्थानीय युवाओं को भी रोजगार मिले, इसके भी इंतजाम यमुना प्राधिकरण ने किए हैं।

स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार : तीनों कलस्टर में 50 हजार करोड़ का निवेश होगा। प्राधिकरण के नियमों के मुताबिक इसमें स्थानीय युवाओं के लिए कोटा तय किया जाएगा ताकि यहां के लोगों को भी इसका लाभ मिल सके। औद्योगिक के तीन कलस्टर की योजना 26 जनवरी को लांच की जाएगी। *-डॉ अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण*

ट्रांस हिंडन को मिले दो नए थाने, मंगलवार से होगा काम शुरू

गाजियाबाद। जनपद के हिंडन पार क्षेत्र में दो नए थाने 28 जनवरी से काम करना शुरू कर देंगे। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने दोनों थानों में प्रभारी निरीक्षकों की तैनाती के निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इसमें टीला मोड़ थाना का प्रभारी रण सिंह और कौशांबी थाने का प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ के प्रभारी अजय कुमार को बनाया गया है।

बता दें कि यहां थाना बनाने की मांग सालों से हो रही थी। एसएसपी ने बताया कि टीला मोड़ और कौशाम्बी में दो नए थाने साहिबाबाद और इंदिरापुरम थाना क्षेत्रों से अलग कर बनाए जाएंगे। नैथानी के अनुसार पुलिस अधीक्षक (शहर) मनीष मिश्रा को इन थानों की स्थापना के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। ये थाने मंगलवार से काम करना शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि ये थाने लोगों की सुविधा और अपराध पर काबू पाने के लिए बनाए गए हैं।

गणतंत्र दिवस के मौके पर तिरंगे की रोशनी से जगमग नोएडा का प्रवेश द्वार। फोटो : दीपक यादव

मतदाता दिवस के अवसर पर निकाली जागरूकता रैली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिला प्रशासन एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीपीएस के साथ ही विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भी हिस्सा लिया। छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी बीएन सिंह थे। विभिन्न स्कूल व कॉलेजों में भी राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के भावी कर्णधारों को वोट के अधिकार से परिचित कराना था। इस अवसर पर छात्रों के लिए उद्घोष लेखन, पोस्टर निर्माण, रंगोली निर्माण सहित अन्य प्रतियोगिता भी हुई।

● कई विषयों पर प्रतियोगिता भी हुई

पोस्टर के माध्यम से छात्रों ने लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। बताया कि अपने अधिकार का प्रयोग करें और मतदान वाले दिन वोट अवश्य करें। रैली में शामिल छात्रों ने लोकतंत्र में गूंजे गान, जय मतदाता जय मतदान का नारा भी लगाया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते भाजपा पार्षद राजेंद्र त्यागी और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के बोर्ड सदस्य हिमांशु मित्तल।

जीडीए के 70 करोड़ के टेंडर पर उठाए सवाल

पार्षद ने कहा-जनता के पैसे का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भाजपा के वरिष्ठ पार्षद ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के लिए निकाले गए 70 करोड़ के टेंडर को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

पार्षद ने इस पत्र को एक प्रेसवार्ता के दौरान मीडिया को भी जारी किया। उनके साथ जीडीए बोर्ड सदस्य हिमांशु मित्तल भी मौजूद थे। पार्षद का आरोप है कि जीडीए ने जिन 112 चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए टेंडर निकाला है उनमें से 31 चौराहे तो अस्तित्व में ही नहीं हैं जबकि 53 अन्य चौराहों पर निगम एक निजी कंपनी से ट्रैफिक सिग्नलों का संचालन निशुल्क करा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि टेंडर जारी करने से पहले जीडीए और निगम के बीच इस मुद्दे पर कोई वार्ता तक नहीं हुई।

पार्षद ने कहा कि जब नगर निगम चौराहों का संचालन निशुल्क करा रहा है तो इस पर 70 करोड़ की मोटी रकम बर्बाद करने का क्या औचित्य है। नगर निगम के साथ अनुबंध करने के बाद चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल का संचालन कर रही कंपनी और चौराहों पर भी निशुल्क संचालन कर सकती है। उन्होंने कहा कि शासन में बैठे अधिकारियों के इशारे पर जनता के पैसे का दुरूपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लखनऊ से कंपनियां भेजकर उनके लिए मैनुपुलेशन की जा रही है। अगर सब कुछ शासन में बैठे अधिकारियों को ही करना है तो नगर निगम के चुने हुए बोर्ड को भंग कर दिया जाए।

हालांकि जीडीए से मिली जानकारी के मुताबिक जिन 31 चौराहों के अस्तित्व में न होने की बात पार्षद ने कही है वह चौराहे पहले ही सूची से बाहर कर दिए गए हैं। दूसरी ओर से जीडीए बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडलायुक्त अनीता सी. मेश्राम ने आईटीएमएस को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पहले एक कॉरीडोर पर काम करने के निर्देश दिए हैं।

छात्र के घर आ रहे धमकी भरे पत्र

नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित चिपियाना खुर्द गांव में रहने वाले नौवीं के छात्र को धमकी भरे पत्र मिल रहे हैं जिसमें उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। छात्र के पिता का आरोप है कि कभी घर के गेट पर अज्ञात व्यक्ति पत्र छोड़कर चला जाता है तो कभी धमकी वाला पत्र घर की छत पर मिलता है। इससे घर में भय का माहौल पैदा हो गया है।

वहीं पीड़ित छात्र ने डर की वजह से स्कूल जाना भी छोड़ दिया है। छात्र के पिता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चिपियाना खुर्द गांव में रहने वाले पिता राकेश प्रजापति का आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति बेटे को जान से मारने की धमकी भी दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा इलाके से रोहिंग्या महिला गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर 39 थाना पुलिस ने बीती रात को एक रोहिंग्या मुस्लिम महिला को भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक ने बताया कि बीती रात को गश्त पर निकले पुलिस को सूचना मिली थी कि सेक्टर 125 स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के पास एक महिला संदिग्ध अवस्था में घूम रही है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला से पूछताछ किया तो पुलिस को पता चला कि उसका नाम समीन आरा है और वह मूल रूप से म्यामांर की रहने वाली है। उन्होंने बताया कि भारत में बिना पासपोर्ट और वीजा के अवैध रूप से रहने के आरोप में महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

सार्वजनिक जगह पर शराब पीने वाले गिरफ्तार

नोएडा। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले व्यक्तियों के खिलाफ बीती रात पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया और इसके तहत 120 लोगों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि हमें सूचना मिल रही थी कि नोएडा में लोग सार्वजनिक स्थान एवं कार में बैठकर शराब पीने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि बीती रात को पुलिस ने सार्वजनिक रूप से शराब पीने वाले लोगों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया और इसके तहत अलग अलग क्षेत्रों से पुलिस ने कुल 120 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

जरूरतमंदों को कपड़े वितरित करते संयुक्त व्यापार मण्डल के पदाधिकारी।

गणतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बांटे कपड़े

गाजियाबाद। नासिरपुर फाटक स्थित झुग्गी झोपड़ियों में गरीब बच्चों और बुजुर्गों को कपड़े बांटकर संयुक्त व्यापार मंडल गाजियाबाद के पदाधिकारियों ने 71वां गणतंत्र दिवस पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर सैकड़ों जरूरतमंद ने भीषण ठंड में कपड़े पाकर खुशी जाहिर की। गाजियाबाद को स्वच्छता में नंबर वन लाने के लिए संयुक्त व्यापार मंडल ने वोट के लिए भी लोगों से अपील की। इस अवसर पर पंडित अशोक भारतीय, प्रवीण बत्रा, राकेश शर्मा, नरेंद्र गुप्ता नंदी, श्रीपाल कुशवाहा, राघव गोयल, संजय गोयल, संदीप त्यागी, अमित वर्मा, राजेश वर्मा, चौधरी संजीव कुमार, संदीप त्यागी, वेद प्रकाश शर्मा, अजेंदेर चौधरी, राजेंद्र चौधरी, कुलदीप सिंगल, राजीव त्यागी, राज, आलोक त्यागी, वीरेंद्र कंडेरे आदि उपस्थित थे।

लूट मामले में वांछित लुटेरा गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना साहिबाबाद पुलिस ने लूट के एक मामले में वांछित चल रहे बदमाश को गिरफ्तार किया है तथा उससे एक नाजायज तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं । जानकारी के अनुसार सुमित शर्मा पुत्र राजवीर शर्मा निवासी 152 नवीन कुंज लोनी जिला गाजियाबाद थाना साहिबाबाद के एक लूट और गैंगस्टर अधिनियम के मामले में वांछित चल रहा था। इसे थाना साहिबाबाद की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर लाल गेट वाली पुलिया भौपुरा के सामने बीती रात करीब एक बजे गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी चौकी तुलसी निकेतन प्रभारी सलाउद्दीन के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल रविंद्र कुमार और कांस्टेबल ललित कुमार ने की है।

निठारी गांव में कूड़े के ढेर से बरामद हुआ बच्चे का भ्रूण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के निठारी गांव के पास शनिवार सुबह को एक बच्चे का भ्रूण मिला है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने इसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें इस बात की आशंका है कि यह बच्चा अवैध संबंधों की वजह से जन्मा है, जिसकी मां ने उसे कूड़े के ढ़ेर में फेंक दिया है।

थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि शनिवार सुबह प्राधिकरण के सफाई सुपरवाइजर रोहित शर्मा ने पुलिस को सूचना दी कि निठारी गांव के पास कूड़ेदान पर एक नवजात बच्चे का भ्रूण पड़ा है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि भ्रूण लड़के का है। थाना प्रभारी ने बताया कि सुबह को जब सफाई कर्मचारी झाड़ू लगा रहे थे, तब उन्हें बच्चे का भ्रूण मिला।

नोएडा में नगर निगम व्यवस्था पर हो रहा विचार : मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में कमिश्नरी प्रणाली लागू हो चुकी है अब यहां नगर निगम व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही जिले को नगर निगम बनाया जा सकता है। ये बातें उत्तर प्रदेश के नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन राज्य मंत्री महेश चंद्र गुप्ता ने राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स में अमृत फार्मेसी के उद्घाटन के दौरान कही।

राज्य मंत्री ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में कमिश्नरी सिस्टम लागू होने के बाद जिले में नगर निगम बनाने पर विचार किया जा रहा है। लखनऊ और यहां कमिश्नरी सिस्टम लागू कर प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। ऐसे ही कुछ मुद्दों पर सरकार जल्द ठोस निर्णय लेने वाली है। मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक बड़ी समस्या थी। मोदी सरकार ने इसे समाप्त कर दिया। कोई नहीं सोच सकता था कि अनुच्छेद 370 और 35ए कभी भी खत्म हो सकता है। इसे भी समाप्त कर दिया गया। नागरिकता संशोधन कानून सीएए देश हित में है। जब कोई अच्छा काम करता है तो उसके विरोधी भी पैदा हो जाते हैं। भारत में अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा हुई, लेकिन पाकिस्तान में उनका उत्पीड़न हुआ।

शनिवार को नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अमृत फार्मेसी का उद्घाटन करते राज्य मंत्री महेश चंद्र गुप्ता।

उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों में रह रहे अल्पसंख्यकों को शरण देना हमारा कर्तव्य है। संशोधित नागरिकता कानून और एनआरसी पर उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण धरना ठीक है, लेकिन जो उपद्रव करेगा उससे सख्ती से निपटा जाएगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बीएलओ हुए सम्मानित

गाजियाबाद। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर हिंदी भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व यशवर्धन श्रीवास्तव, सहायक निर्वाचन अधिकारी हरिकिशन शर्मा समेत कई प्रशासनिरक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आयोग की मंशा के अनुरूप स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिनके द्वारा अच्छा कार्य किया गया है उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वृद्ध मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं एवं जो नए लोग मतदाता सूची में सम्मिलित हुए हैं उन्हें पहचान पत्र भी बांटे गए।

पार्षद अपहरण मामले में तीन बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तराखंड के रुद्रपुर से अपहृत किए गए कांग्रेसी पार्षद अमित मिश्रा के मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। गाजियाबाद और उत्तराखंड पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में तीनों को पुलिस ने पकड़ा है जिन्हें उत्तराखंड पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से अपहरण में इस्तेमाल कार और बंदूक भी बरामद की है।

कांग्रेसी पार्षद अमित मिश्रा को गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन से सकुशल बरामद किया गया था। उत्तराखंड के रुद्रपुर से पार्षद मिश्रा को 17 जनवरी को अपहरण कर लिया गया था। अपहरणकर्ताओं ने परिजनों को फोन करके 40 लाख की फिरौती मांगी थी। परिजनों ने इसकी सूचना उत्तराखंड पुलिस को दी। उत्तराखंड पुलिस ने जांच की तो पता चला अपहरणकर्ता ईस्टर्न पेरिफेरल-वे एक्सप्रेस पर हैं। उत्तराखंड पुलिस ने गाजियाबाद पुलिस से मदद मांगी।

पुलिस ने वारदात में शामिल तीन बदमाशों अबरार, रिंकू और गौतम को गिरफ्तार कर लिया है।

गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम

नोएडा। वर्तान्तु फाउंडेशन सामाजिक संस्था ने शनिवार को सेक्टर 19 सामुदायिक केंद्र में झुग्गी के बच्चों के साथ 71वें गणतंत्रता दिवस के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बच्चों एवं महिला सदस्यों द्वारा देश भक्ति गीतों के साथ अपनी शानदार प्रस्तुतियां देकर मन मोह लिया।

इसमें सदस्यों ने संस्था के लिए फण्ड एकत्रित को कई स्टाल भी लगाए थे। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा एवं कांग्रेस प्रवक्ता पवन शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अंत में गरीब बच्चों को गर्म कपड़े और स्वेटर वितरित किये गए।

974 दुकान व प्लेटफार्म पर 150 करोड़ बकाया

● 10 फरवरी से निरस्त हो जाएगा आवंटन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

किराए पर आवंटित दुकान व प्लेटफार्म का आवंटन हर हाल में 10 फरवरी से निरस्त हो जाएगा। इसका नोटिस नोएडा प्राधिकरण के सामान्य प्रशासन की ओर से जारी कर दिया गया है। वर्क सर्किल को आदेश दिया है कि आवंटन रद होने के बाद कब्जा लेने की तैयारी शुरू की जाए। दस फरवरी तक यदि आवंटी की ओर से बकाया भुगतान नहीं किया जाता है, तो उसकी आरसी जारी कर बकाया वसूली की कार्रवाई शुरू की जाए।

बता दें कि 974 दुकान व प्लेटफार्म पर नोएडा प्राधिकरण का 150 करोड़ का राजस्व बकाया है। पिछले दिनों प्राधिकरण की ओर से बकाया वसूली के लिए आग्रह किया गया, लेकिन बकाया जमा कराना तो दूर आवंटियों ने नोटिस का जवाब तक प्राधिकरण को नहीं दिया। अब उनके खिलाफ आवंटन रद की कार्रवाई शुरू कर दी। इससे पहले भौतिक परीक्षण कराया गया। जिसमें अधिकांश प्लेटफार्म खाली व खस्ताहाल मिले। अब सामान्य प्रशासन की ओर से सभी प्लेटफार्म पर कब्जा लेने के लिए उन सभी वर्क सर्किल अधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है जिनके क्षेत्र में यह आवंटन हुआ है।

निरीक्षण में 90 फीसद प्लेटफार्म मिले खाली

प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक जिन लोगों को यह प्लेटफार्म आवंटित किए गए थे वहां वह अपना व्यवसाय चलाते हुए पाए जाने चाहिए थे लेकिन, ऐसा होता नहीं दिखा। भौतिक निरीक्षण में यहां 90 फीसद प्लेटफार्म खाली मिले और अधिकांश प्लेटफार्म टूटे फूटे मिले। ऐसे में इनकी मरम्मत कराने के लिए वर्क सर्किल अधिकारियों को निर्देश दिया गया। प्लेटफार्म योजना की नई स्कीम निकाली जाएगी। इसके लिए खस्ताहाल प्लेटफार्म को दोबारा से तैयार किया जाएगा। सभी वर्क सर्किल को प्लेटफार्म को कब्जे में लेकर उसे फिर से विकसित करने को कहा गया है। इसके साथ ही यहां पर शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त करने को गया है।

लावारिस हालत में मिली 6 माह की अबोध बच्ची

गाजियाबाद। मोदीनगर रेलवे स्टेशन से मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। मोदीनगर रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर के पास 6 महीने की नवजात बच्ची को कोई लावारिस हालत में छोड़ गया। बच्ची ठंड में तड़प रही थी जिसके बाद लोगों ने रेलवे पुलिस को इसकी सूचना दी। रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद चाइल्ड केयर की टीम को सूचना दी गई। फिलहाल बच्ची को चाइल्ड केयर सेंटर को सौंप दिया गया है। बच्ची के परिवार वालों की तलाश की जा रही है।

लोगों में चर्चा है कि मासूम को बेटी होने की सजा मिली है और शायद इसीलिए कोई उसे लावारिस स्टेशन के पास छोड़ गया।

रेहड़ी पटरी वालों से पैसे मांगने वाला चौकी प्रभारी निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● वायरल ऑडियो जांच में पाया गया सही

मेट्रो स्टेशन पर रेहड़ी पटरी लगाने वालों से पैसे मांगने के आरोप में बॉटेनिकल गार्डन के चौकी प्रभारी विनय बहादुर को निलंबित कर दिया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त की जांच के बाद पुलिस कमिश्नर ने चौकी प्रभारी को निलंबित करने का आदेश दिया। नोएडा पुलिस ने ट्विटर पर इसकी सूचना दी है।

कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र स्थित बॉटेनिकल गार्डन पुलिस चौकी के प्रभारी विनय बहादुर का एक ऑडियो बुधवार रात को वायरल हुआ था। ऑडियो में चौकी प्रभारी मेट्रो स्टेशन के पास रेहड़ी पटरी लगवाने के लिए पैसे मांग रहे हैं। इसमें दुकानदार व चौकी प्रभारी के बीच बातचीत हो रही है। रेहड़ी लगवाने के लिए 3 हजार रुपये की मांग की जा रही है। इस मामले की जांच अपर पुलिस उपायुक्त अंकुर अग्रवाल को दी गई थी। अपर पुलिस उपायुक्त की जांच रिपोर्ट के बाद चौकी प्रभारी विनय बहादुर को निलंबित कर दिया गया। नोएडा जोन के डीसीपी संकल्प शर्मा ने बताया कि ऑडियो की जांच और उसमें शामिल सभी लोगों से पूछताछ की गई थी। इसमें चौकी प्रभारी की भूमिका संदिग्ध मिली।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

विधानसभा चुनाव 2020

राजनीतिक दलों में तेज हुई जुबानी जंग

16 लाख स्कूली बच्चों से माफी मांगें अमित शाह : केजरीवाल

● भाजपा शासित किसी एक राज्य में बेहतर स्कूल दिखाने की दी चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था खराब बताने पर निशाना साधा है। उन्होंने शाह को चुनौती दी है कि वह किसी भी स्कूल में चलें। वह उन्हें दिखाएंगे कि स्कूलों में कितना बदलाव आया है। गृहमंत्री उन्हें व आप को खूब गाली दें लेकिन शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर 16 लाख छात्रों। उनके अभिभावकों और शिक्षकों का अपमान न करें। दिल्ली सरकार के स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था की तारीफ आज देश विदेश में हो रही है। कोई राज्य अच्छा काम कर रही है तो केंद्र सरकार को उसकी सराहना करनी चाहिए। सिर्फ चुनावी फायदा लेने के लिए इस तरह की गंदी राजनीति करने से परहेज करना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने शानिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हमेशा से इस पक्ष में रहे हैं कि शिक्षा राजनीति का हिस्सा बननी चाहिए। मतदान इस बात पर होना चाहिए कि आपने स्कूल अच्छे कराए या नहीं।

बच्चों की पढ़ाई सुधार किया या नहीं। इससे देश आगे बढ़ेगा। साथ ही उनका यह भी मानना है कि स्कूलों के मुद्दे पर गंदी राजनीति नहीं होनी चाहिए। गृह मंत्री अमित शाह ने शिक्षा व्यवस्था पर जो झूठा और गलत बयान दिया है कि स्कूल ठीक नहीं है। पढ़ाई अच्छी नहीं है। आज देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में शिक्षा व्यवस्था की तारीफ हो रही है। बावजूद वह यह नहीं कहते कि सब कुछ बदल गया है। लेकिन गत 5 सालों में शिक्षा व्यवस्था में बहुत बड़ा सुधार आया है। पिछले 70 सालों में शिक्षा व्यवस्था की जो दुर्दशा हुई थी उसमें काफी सुधार हुआ है। यह सुधार सिर्फ हमारे कामों की वजह से नहीं बल्कि स्कूलों में पढ़ने वाले 16 लाख बच्चों की मेहनत से आया है। इन बच्चों के माता- पिता व स्कूलों में पढ़ाने वाले लगभग 65000 टीचरों और प्रधानाचार्यों की मेहनत का नतीजा है।

चुनौती देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के कई राज्यों में भाजपा की सरकार है। केंद्र में भी उसकी सरकार है। किसी एक राज्य में कोई एक सरकारी स्कूल शाह दिखा दें जिसमें उनकी पार्टी ने सुधार किया हो।

शिक्षा व्यवस्था पर सकारात्मक राजनीति होनी चाहिए

केजरीवाल के अनुसार गृहमंत्री को शिक्षा पर साकारात्मक राजनीति करने की सलाह दी। हम दिल्ली सरकार के स्कूलों में सुधार कर रहे हैं। आप यूपी, हरियाणा के स्कूलों में सुधार कीजिए। एमसीडी के स्कूलों में सुधार कीजिए और फिर दोनों मिलकर इस मुद्दे पर बहस करते हैं। वह शाह पूछना चाहते है कि एमसीडी में 15 साल से भाजपा की सरकार है। आज तक निगम के किसी एक स्कूल की भी खबर ली।

आप केजरीवाल को गाली दे दीजिए मनीष सिसोदिया को गाली दीजिएए आम आदमी पार्टी को गाली दीजिएए परंतु दिल्ली सरकार के स्कूल में पढ़ने वाले 16 लाख बच्चों और उनके माता-पिता की मेहनत को गाली मत दीजिए।

यह हमारे सरकारी स्कूल के बच्चों कीए उन्हें पढ़ाने वाले अध्यापकों की और उनके माता.पिता की मेहनत का ही नतीजा हैए कि 12वीं में दिल्ली सरकार के स्कूल का नतीजा 96 प्रतिशत आया।` सरकारी स्कूल के 300 से अधिक बच्चों ने जेईई प्रवेश परीक्षा पास की। 400 से अधिक बच्चों ने आईआईटी का परीक्षा पास की।

फोटो: रंजन डिमरी

प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया।

फोटो: रंजन डिमरी

अमित शाह ने विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का दावा करते हुए जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में जीत की गूंज वॉलेंटियर्स मीट को संबोधित करते हुए।

पीएम ने देश बदला, अब दिल्ली बदलेंगे : शाह

● केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बवाना और बादली विधानसभा में की नुक्कड़ सभाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बदला है। अब दिल्ली को बदलेंगे। दिल्ली वाले 8 फरवरी को कमल का बटन दबाकर मोदी के साथ खड़ी हो जाएं तो विश्व के सारे देशों की राजधानियों में सबसे सुंदर राजधानी हमारी दिल्ली होगी। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को बवाना विधानसभा से प्रत्याशी रवींद्र कुमार इंद्राज और बादली से विजय भगत के समर्थन में नुक्कड़ सभा में कही।

अमित शाह के अनुसार उन्होंने कई स्पर्धाएं देखी हैं। सरकारों के बीच ये प्रतिस्पर्धा होती है कि कौन हर घर में बिजली, पानी, रसोई गैस पहुंचा लेकिन उन्होंने ऐसी सरकार नहीं देखी जो झूठ बोलने में प्रतिस्पर्धा करे। अगर कहीं झूठ बोलने की प्रतियोगिता होगी, तो आम आदमी पार्टी पहले स्थान पर रहेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि केजरीवाल ने जिक्र किया वह सबको साफ पीने का पानी देंगे लेकिन पिछले दिनों 21 राज्यों के बीच पानी की गुणवत्ता पर हुए एक सर्वे में सबसे नीचे दिल्ल रहा क्योंकि यहां जहर जैसी हवा और दूषित पानी देने का काम केजरीवाल सरकार ने किया है।

पंद्रह लाख सीसीटीवी कैमरा, 5000 बसें, पूरी दिल्ली में मुफ्त वाई-फाई, जन लोकपाल के वादे किए और लोगों को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं किया।

शिक्षा का सत्यानाश करने का काम आम आदमी पार्टी ने किया है, ना तो बस्ती में ना ही मोहल्ले में कोई नया स्कूल खुला है। दो साल पहले जेएनयू के अंदर देश विरोधी नारे लगे। भारत तेरे टुकड़े हों एक हजार। ऐसे लोगों को जब भाजपा सरकार ने जेल में डाला तो राहुल गांधी और केजरीवाल ने कहा कि ये बोली स्वतंत्रता का अधिकार है।

विपक्ष ने ये साबित किया है कि वो देश में अराजकता फैलाने वाले लोगों का समर्थन करते हैं। ऐसे में देश विरोधी ताकतों को कोई कंट्रोल कर सकता हैए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही कर सकते हैं। शाह ने वोट के अपील करते हुए कहा कि इस चुनाव में कमल का बटन जरूर दबाना और इतने गुस्से से बटन दबाना कि इसका असर शाहीन बाग तक हो।

सांसद हंसराज हंस के मुताबिक पीएम मोदी की अगुवाई में 70 साल से लटके मामलों का समाधान किया है। लोगों को उनका अधिकार मिला। तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को आजादी दी। राम मंदिर बनाने का रास्ता बनाया।

शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए कानून लाया गया। इतना ही नहीं पीएम ने दिल्ली के लिए वो सारे काम किए जिससे यहां रहनेवाले लोग केंद्र की जनकल्याणकारी सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं। लेकिन आप सरकार ने इन सुविधाओं से लोगों को वंचित रखा हुआ था। लेकिन भाजपा सबका विकास करेगी।

अब खास लोगों को बढ़ावा दे रही है आप : सुभाष चोपड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभाष चोपडा ने आम आदमी पर तंज कसते हुए कहा कि केजरीवाल की पार्टी अब आम नहीं खास हो गई है। चोपडा ने कहा कि केजरीवाल बात आम आदमी की करते हैं, लेकिन बढ़ावा खास आदमी को देते हैं।

दिल्ली राज्यसभा से चुनाव में केजरीवाल भूमिका पर सवाल उठाने हुए उन्होंने कहा कि धनपतियों को उम्मीदवार बनाकर, कंधे से कंधे मिलाकर अन्ना आंदोलन में और उसके बाद अपने साथियों को भी अंगूठा दिखा दिया था। विधानसभा चुनाव में भी आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा अमीर और करोड़पतियों को अपना उम्मीदवार बनाकर अपनी असली पंसद को जाहिर कर दिया है। वे गरीब के हित का नारा केवल सत्ता पाने के लिए दे रहे है। उन्होंने पिछले चुनाव प्रचार में सत्ता की सादगी के जो मनलुभावन नारे दिए थे, उन्हें बेहरमी से केजरीवाल और उसके साथियों ने ही तोड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि हर देश में और विशेष रुप से भारत में क्रांति और बदलाव के वाहक युवा और छात्र रहे हैं। भारत को आजादी दिलाने में और देश की प्रगति में युवाओं और छात्रों की भूमिका को भुलाया नही जाया सकता। उन्होंने अपनी प्रतिभा, शिक्षा और जोश का उपयोग देश और समाज निर्माण में किया है। साथ ही सुभाष चोपडा ने त्रिनगर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशीकमलकांत शर्मा, शालीमार बाग विधानसभा से काग्रेस प्रत्याशी जे.एस. नयोल, और पटेल नगर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती कृष्णा तीरथ के चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन किया।

गणतंत्र दिवस समारोह

'संविधान की रक्षा सब की जिम्मेदारी'

● मुख्यमंत्री ने गाया गाना-हम होंगे कामयाब एक दिन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छात्रसाल स्टेडियम में 70वें गणतंत्र दिवस के मौके पर झंडा फहराया। इस मौके पर उन्होंन कहा कि संविधान की प्रस्तावना उसकी मूल आत्मा है। संविधान को बचाए रखना हम सब 130 करोड़ देश वासियों की जिम्मेदारी है। देश जब भी कठिन परिस्थितियों से गुजरेगा। यह संविधान हमारी रक्षा करेगा। केजरीवाल ने हम होंगे कामयाब, एक दिन गीत गाकर दिल्ली और देश वासियों को दुनिया का नेतृत्व करने वाला देश बनाने के लिए एकजुट होने का अनुरोध किया।

अरविंद केजरीवाल के अनुसार, आज से 70 साल पहले 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू हुआ था। इसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने बनाया था। करोड़ों लोगों ने देश को आजाद कराने के लिए कुर्बानियां दी थी। ऐसे लोगों ने आजाद भारत का एक सपना देखा था कि भारत कैसा होगा। उस भारत को उन्होंने संविधान में संजोया था। इस संविधान की एक प्रस्तावना है। इस प्रस्तावना को संविधान की आत्मा माना गया है।

यह प्रस्तावना एक तरह से संविधान का निचोड़ है। हम सब को मिल कर भारत को एक महान देश बनाना है। भारत को दुनिया का नेतृत्व करना है। आप सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य में कायाकल्प किया। बिजली दो सौ यूनिट, महिलाओं को मुफ्त सफर की सुविधा दी। इससे हर आदमी की जेब में बचत होती है और विकास का पहिया घुमता है। इसी तरीके से राज्य और फिर देश आगे बढ़ता है। आगामी 8 फरवरी को विधानसभा चुनाव है। आचार संहिता लागू होने के कारण साल गणतंत्र दिवस पर आप लोगों से बहुत सारी बातें किया करते थे। आपके सवालों का जवाब देत थे। लेकिन आचार संहिता की वजह से आज बहुत सारी बातें नहीं हो सकेंगी।

भारत को एक महान देश बनाना है। देश को हर क्षेत्र में नेतृत्व करना है। इन सब को करने के लिए हम सब को संकल्प लेना है कि हम होंगे कामयाब, एक दिन। मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते दिल्ली के स्कूली बच्चे।

भाजपा को झटका, चार बार के विधायक हरशरण बल्ली आप में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। पार्टी से चार बार विधायक रहे हरशरण सिंह बल्ली शनिवार को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद थे। बल्ली 1993 से 2013 तक हरिनगर से विधायक रहे हैं और भाजपा की मदन लाल खुराना की सरकार में मंत्री भी रहे थे। आप में शामिल होने के बाद हरशरण सिंह बल्ली ने कहा कि वह प्रभु से प्रार्थना करते है कि अरविंद केजरीवाल को चुनाव में सफलता मिले। वह इनकी विकास, ईमानदारी और काम के आधार पर वोट मांगने की राजनीति का हिस्सा बनने जा रहे है। कई लोग हरि नगर विधानसभा से आए है और सारे के सारे आप शामिल हुए। सीएम केजरीवाल ने शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करके दिखाया और हमारे बच्चों का परीक्षा परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर करके दिखाया।

मृतक के परिवार को मिलें एक करोड़ : तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी भजनपुरा स्थित कोचिंग सेंटर में हुई दुर्घटना में मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि भाजपा पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। दुख की इस घड़ी में उनकी हर संभव मदद करेगी।

उन्होंने दिल्ली सरकार से प्रत्येक मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की मांग की। तिवारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कार्ययोजना बनाए। पीड़ित परिवारों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

भजनपुरा में हुए हादसे में हुए मृतकों के परिजनों से जानकारी लेते तिवारी।

चुनाव प्रचार गीत जारी करने पर चुनाव आयोग का बग्गा को नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव अधिकारियों ने हरि नगर से भाजपा उम्मीदवार तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को उनके चुनाव प्रचार वीडियो गीत के लिए नोटिस जारी किया है और पूछा है कि इस खर्च को उनके चुनावी खर्च में क्यों नहीं शामिल किया जाए।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नोटिस शुक्रवार को हरि नगर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव अधिकारी ने जारी किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पश्चिमी दिल्ली जिले की मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) ने बग्गा के चुनाव प्रचार वीडियो गीत बग्गा बग्गा हर जगह में पेड न्यूज का संदेह जताते हुए एक ईमेल किया था जिसके बाद उन्हें यह नोटिस भेजा गया।

नोटिस में यह पूछा गया है कि गीत पर हुए खर्च को उनके चुनावी खर्च में क्यों नहीं जोड़ा जाना चाहिए। नोटिस के अनुसार बग्गा को 48 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा गया है और ऐसा नहीं करने पर एमसीएम का फैसला आखिरी होगा। ज्ञात हो आयोग कपिल मिश्रा पर भी 48 घंटे का बैन लगा चुका है।

पांच सितारा होटल में युवक ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में एक पांच सितारा होटल में 24 वर्षीय एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान करन चंद्रा के रूप में हुई है।

वह मालवीय नगर का रहने वाला था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्हें शुक्रवार शाम चार बजकर 10 मिनट पर खबर मिली कि होटल में ठहरे एक व्यक्ति के कमरे से दुर्गंध आ रही है। पुलिसकर्मियों ने होटल के कर्मचारियों के साथ मिलकर कमरे का दरवाजा खोला और चंद्रा को मृत पाया। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि वह 19 जनवरी से होटल में रुका हुआ था और 20 जनवरी से उसने कमरे के बाहर परेशान न करें का टैग लगा रखा था।

उन्होंने बताया कि उसके कमरा खाली करने के निर्धारित दिन ड्यूटी प्रबंधक ने मोबाइल और इंटरकॉम पर व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उधर से उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि शव को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया है। पोस्टमार्ट के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। वहीं कई लोगों के बयान लिए गए है।

ईवीएम पर गलत सूचना देने वाले की जांच करेगी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को पुलिस को उस व्यक्ति के खिलाफ जांच शुरू करने की अनुमति दे दी जिसने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर गलत सूचना साझा की जिसमें दावा किया गया था कि उसके इलाके में विधानसभा चुनाव से पहले ईवीएमावीवीपैट डेमो के लिए लाया गया था लेकिन उसमें मतगणना के परिणाम में अंतर पाया गया।

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अभिलाष मल्होत्रा ने सब्जी मंडी थाने के प्रभारी को दिल्ली निवासी इस व्यक्ति के खिलाफ जांच शुरू करने की अनुमति दी जिसने ईवीएम में गड़बड़ी का दावा किया था। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने जांच की अनुमति के लिए अदालत का रुख किया था क्योंकि उसके खिलाफ गैर संज्ञेय धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अपराध दंड प्रक्रिया संहित के मुताबिक कोई भी पुलिस अधिकारी गैर संज्ञेय अपराध में दंडाधिकारी, जिसके पास ऐसे मामलों की सुनवाई का अधिकार है, की अनुमति के बिना जांच नहीं कर सकता है। यह मामला दिल्ली के तिमारपुर मतदान केंद्र के कनिष्ठ सहायक शम्मी कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। अपनी शिकायत में कुमार ने कहा कि वह चुनाव ड्यूटी पर थे और विधानसभा चुनाव से पहले ईवीएमावीवीपैट के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए डेमो देने गए थे। उन्होंने कहा कि आरोपी ने तीन मत डाले और गिनती में पांच मत आए। दो लोगों ने पहले मतदान किया था।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर, बॉर्डर सील

पुलिस रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य जगह पर सघन चेकिंग अभियान

● संवेदनशील इमारतों पर दिल्ली पुलिस के ब्लैककैट कमांडो तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

71वां गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। देर शाम लाल किले के आसपास पर बेरिकेट लगाकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया वहीं दिल्ली से सटे सभी बॉर्डर को सील कर दिया गया है। सड़क से लेकर आसमान तक चप्पे-चप्पे पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। साथ ही दिल्ली को आने वाले सभी रास्तों सुरक्षा जवानों की अतिरिक्त टुकड़िया लगाई गई है। पुलिस सुरक्षा के मामले में कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है इस लिए मेट्रो की पार्किंग शनिवार सुबह से रविवार दोपहर 2 बजे तक के लिए बंद कर दी गई ह। पुलिस रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अन्य जगहों पर सुरक्षा की सख्त जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय के मुताबिक, इस बार 48 कंपनी केंद्रीय अर्धसैनिक बल गणतंत्र दिवस के मौके पर राजधानी दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। वहीं दिल्ली पुलिस के 22 हजार जवान गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राजधानी की सुरक्षा में लगे रहेंगे। शनिवार को दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली, मध्य दिल्ली और उत्तरी दिल्ली में सघन अभियान चलाया। कई निजी और राजकीय इमारतों को खालीक कराकर उसे सील कर दिया गया। साथ ही खुफिया एजेंसी की सलाह पर जो भी इमारतें संवेदनशील बनी गई है उस पर दिल्ली पुलिस के ब्लैककैट कमांडो तैनात किए गए है।

आपात स्थिति में संचार की मदद के लिए चलते-फिरते मोबाइल-कंट्रोल-रूम भी बनाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल सड़कों पर तैनात रहेगा।

जेएनयू के कुलपति के पास अब भी आईआईटी में आधिकारिक आवास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार चार साल पहले संभालने के बाद भी एम जगदीश कुमार के नाम पर आईआईटी दिल्ली में आधिकारिक आवास है।

इसके अलावा जेएनयू परिसर में भी उनके पास आधिकारिक आवास है। कुमार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में पढ़ाया करते थे और अब भी वहां कक्षाएं लेते हैं। अगले साल कार्यकाल खत्म होने के बाद वह संभवत: प्रतिष्ठित संस्थान लौट सकते हैं। आईआईटी आवास पर उनका अधिकार हालांकि आईआईटी के नए बदले हुए नियम पर आधारित है। अधिकारियों के अनुसार 2017 से पहले संस्थान प्राध्यापक के किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति या अन्य आईआईटी के निदेशक नियुक्त होने पर उन्हें पांच साल के लिए उनके आवास का अधिकार देता था।

2017 में संस्थान ने इस नीति में सुधार किया और इसे घटाकर एक साल कर दिया। आईआईटी के एक अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, तकनीकी रूप से यह नियमों का उल्लंघन नहीं है। लेकिन उन्हें खुद ही अपना आवास छोड़ देना चाहिए। जेएनयू टीचर्स एसोसिएशन ने कुमार की अनियमितताओं के बारे में मंत्रालय को दी गई अपनी शिकायत में जेएनयू कुलपति द्वारा दो आधिकारिक आवास रखने का मुद्दा उठाया था।

केरल की तर्ज पर हरियाणा में मिलेगी शिक्षा एवं स्वास्थ्य को रफ्तार

मलिक असगर हाशमी। चंडीगढ़

केरल सरकार से सीख लेकर हरियाणा सरकार स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करने जा रही है। इसके तहत न केवल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं सुधारी जाएंगी, बल्कि केंद्र के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को सूबे में रफ्तार देने में भी मदद मिलेगी।

योजना को आगे बढ़ाने के लिए फरीदाबाद के बड़खल विधानसभा क्षेत्र से विधायक सीमा त्रिखा की अध्यक्षता में विधायकों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य कमेटी हाल में केरल की राजधानी त्रिरूनंतपुरम से लौटी हैं। इस कमेटी में नरेंद्र गुप्ता, रामकुमार गौतम, राजेंद्र जून, विनोद भयाना और बलबीर वाल्मीकि शामिल थे। कमेटी के सदस्य पांच दिनों तक केरल सरकार के मेहमान रहे। लौटने के बाद वहां सीखे गए गुर अधिकारियों से साझा किए जाएंगे, ताकि खट्टर सरकार को ठोस योजना सौंपी जा सके। कमेटी की चेयरमैन सीमा त्रिखा ने पायनियर से विशेष बातचीत में कहा कि इस दिशा में कदम बढ़ाने को कमेटी के सदस्यों एवं अधिकारियों के बीच अगले दो-चार दिनों में बैठक होने वाली है। उसमें तय बिंदुओं के आधार पर आगे के कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

सीमा त्रिखा, विधायक बड़खल

केके शैलजा, स्वास्थ्य मंत्री केरल

एक जानकारी के अनुसार, प्रदेश में चालू वित्त वर्ष में स्वास्थ्य बजट पांच हजार करोड़ रुपये का है, जबकि केरल में स्वास्थ्य बजट, कुल बजट का चार प्रतिशत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए हरियाणा में अगले महीने विधानसभा में पेश होने वाले बजट में इसे पांच हजार से बढ़ाकर दस हजार करोड़ रुपये करने का सरकार का इरादा है। मगर इस पैसे को कैसे और कहां खर्च किया जाए ताकि आमजन तक स्वास्थ्य सेवाएं बखूबी पहुंच सकें। इसे टटोलने के लिए ही विधायकों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य कमेटी केरल भ्रमण पर गई थी।

केरल में भाजपा की धुरविरोधी वाम दल की सरकार है। इसके बावजूद हरियाणा सरकार वहां की स्वास्थ्य सेवाएं, लिंगानुपात और शिक्षा के स्तर से बेहद प्रभावित है। सीमा त्रिखा बताती हैं कि केरल का अभी लिंगानुपात एक हजार लड़कों पर 1084 महिलाएं हैं। इस हिसाब से हरियाणा काफी पीछे है। पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल में मनोहरलाल खट्टर सरकार के अथक प्रयासों के बावजूद अभी लिंगानुपात सुधारने को बहुत कुछ करना है। मौजूदा लिंगानुपात 952 के आसपास है। 2011 की जनगणना के समय यह अनुपात प्रति एक हजार लड़कों पर लड़कियों की संख्या 877 थी। हरियाणा में ऑनर क्लिंग और भ्रूण हत्या की समस्या भी गंभीर है। सरकार के कड़े अंकुश के बाद इसमें कमी जरूर आई है, लेकिन समस्या पूरी तरह सिमटी नहीं है। हरियाणा के लोग लड़कियों को शिक्षा में आगे बढ़ाने में भी खास दिलचस्पी नहीं लेते। इन तमाम समस्याओं से पार पाने और प्रदेश में महिला शिक्षा को बढ़वा देने, स्वास्थ्य सेवाएं सुधारने की योजना बनी है, जिसमें केरल सरकार की मदद ली जा रही। केरल भ्रमण के दौरान वहां की स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने कमेटी की काफी सहायता की।

सीमा त्रिखा की मानें तो केरल में 40 प्रतिशत लोगों को मुफ्त हेल्थ की सुविधा मिली हुई है। वहां साक्षरता दर भी सौ प्रतिशत है। इसके अलावा केरल में एक बड़े लैंड रिफार्म के चलते लड़कियों को संपत्ति में बराबरी का अधिकार भी दिया गया है। इन तमाम प्रयासों का नतीजा है कि केरल में लड़कियों को आगे बढ़ने से कोई रास्ता नहीं रोकता। हरियाणा सरकार की मंशा वैसा ही माहौल अपने सूबे में बनाने का है।

कुछ और दिख सकते हैं बदलाव

विधायकों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य कमेटी के सुझाव मान लिए गए तो केरल की तर्ज पर आने वाले समय में हरियाणा में कुछ और बदलाव दिख सकते हैं। केरल में विधायकों की एक जल संसाधन कमेटी है। इसकी मदद से सरकार पानी को लेकर काफी काम कर रही है। इसका परिणाम है कि वहां जल संकट जैसी समस्या नहीं है। केंद्र सरकार ने भी जल के महत्व को समझते हुए पानी का अलग से मंत्रालय बनाया है। त्रिखा ने केरल से लौटने के बाद ऐसा ही सुझाव विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष रखा है, ताकि वे सरकार तक उनके सुझाव पहुंचा सकें। सुझाव में कहा गया है कि अपने प्रदेश में अभी विधायकों की करीब आठ कमेटियां हैं। यहां भी एक पर्यावरण एवं जल संसाधन कमेटी का गठन किया जाए। इसके अलावा त्रिखा ने नगर विकास मंत्री अनिल विज से मिलकर कुछ और सुझाव दिए हैं। मसलन सड़कों पर प्लास्टिक के बोतल क्रश करने की मशीनें लगाई जाएं। प्लास्टिक को डी-कंपोस्ट कर दाना तैयार करने की व्यवस्था की जाए। ताकि उन दानों को सड़कों के निर्माण में उपयोग में लाया जा सके। सरकार यह व्यवस्था पीपीपी स्तर पर भी कर सकती है या कुछ लोगों को डीसी रेट पर रखकर भी कराया जा सकता है।

पानी को लेकर खट्टर सरकार गंभीर

जल संरक्षण को लेकर खट्टर सरकार बेहद गंभीर है। पानी को बचाने के लिए ही प्रदेश के सात जिलों में धान की खेती पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके अलावा बावड़ियों, तालाबों के रख-रखाव और जल संरक्षण पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है। सीमा त्रिखा कहती हैं कि विधायकों की पर्यावरण एवं जल संरक्षण कमेटी के गठन से पानी के साथ पेड़-पौधों को बचाने में मदद मिलेगी। इसकी मदद से खेतों की उर्वरा क्षमता भी बढ़ाई जा सकती है, जो वक्त की महत्वपूर्ण मांग है।

सरकारी स्कूलों को गोद लेकर वहां शैक्षिक स्तर सुधारें निजी स्कूल : सीएम

मुख्यमंत्री ने गांव धनकोट के पास एक प्राइवेट स्कूल के नए भवन की रखी आधारशिला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में प्राइवेट स्कूलों का आह्वान किया कि वे सरकारी स्कूलों को गोद लेकर (अडोप्ट करके) उनमें शैक्षिक स्तर सुधारने में मदद करें। जब सरकारी संस्थान और प्राइवेट संस्थायें मिलकर काम करेंगे तो अवश्य ही शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां खेड़की माजरा-धनकोट गांव में एक प्राइवेट स्कूल के नये भवन की आधारशिला रखते हुये कही।

राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के स्तर को उंचा उठाने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। प्राइवेट संस्थाएं भी शिक्षा के प्रसार में योगदान दे रही हैं, इसलिए सरकार और प्राइवेट संस्थाएं इस कार्य में दोनों पार्टनर हैं, दोनों का उद्देश्य एक ही है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थान और प्राइवेट संस्थाएं मिलकर प्रदेश में शिक्षा के स्तर में सुधार लाएं। उन्होंने यह भी कहा कि राजकीय स्कूलों में साधन सरकारी होंगे और शिक्षा पद्धति प्राइवेट संस्थाओं जैसी होगी। इसके लिए उन्होंने सरकारी अधिकारियों को निर्देश दे रखे हैं कि वे प्राइवेट स्कूलों की मैनेजमेंट के साथ एमओयू साइन करें। सीएम मनोहर लाल ने कहा कि कल का भारत आज के विद्यार्थियों पर निर्भर है। साथ ही उन्होंने अध्यापकों का आह्वान किया कि उनका लक्ष्य होना चाहिए कि जैसा भी विद्यार्थी उसके पास आए, वह उसको अव्वल बनाने के लिए लग्न के साथ काम करें। करनाल के कुछ प्राइवेट स्कूलों ने 50 राजकीय विद्यालयों को अडॉप्ट भी कर लिया है। अन्य संस्थाओं को भी इस प्रकार दूसरे जिलों में राजकीय स्कूल गोद लेने के लिए आगे आना चाहिए।

गुरुग्राम के गांव खेड़की माजरा-धनकोट में एक निजी स्कूल के कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

लर्निंग लेवल सुधारने में लगे हैं विशेषज्ञ

उन्होंने पूर्व के परिणामों का जिक्र करते हुये कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए विशेषज्ञ लगे हुए हैं। खेल-खेल में शिक्षा, प्रोजेक्ट तैयार कर लर्निंग के स्तर में सुधार लाने आदि के प्रयोग किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद करने के लिए शिक्षा लोन की सुविधा सरलता से उपलब्ध हो, इस दिशा में सरकार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को बिना कालेटरल के शिक्षा लोन सुविधा जल्द उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार अमित आर्य, गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, हरियाणा विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद गहलोत, कुरुक्षेत्र के विधायक सुभाष सुधा की पत्नी उमा सुधा, भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र चौहान, मंडलायुक्त अशोक सांगवान, पुलिस आयुक्त मोहम्मद अकिल, उपायुक्त अमित खत्री, लायंस क्लब के वाइस प्रेजीडेंट एचएल डांग, लायन केएस ढाका, अनुराग बक्शी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंधरोला गांव में कई दिनों से प्यासे हैं ग्रामीण

गांव अंधरोला के वाटर टैंक से पीने का पानी भरती ग्रामीण महिलाएं।

अवैध कनेक्शन और बिजली मोटर खराब होने से बढ़ी समस्या

हथीन। अंधरोला गांव के लोग सर्दी के मौसम में कई दिनों से प्यासे हैं। इसका कारण है गांव के वाटर टैंक की बिजली मोटर का खराब होना और गांव में अवैध कनेक्शनों को बताया गया है। मामले को लेकर ग्रामीण विभाग से कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। जिससे ग्रामीणों में रोष बना हुआ है।

गांव की आबादी छह हजार से भी ज्यादा है। बताया गया है कि गांव के पीने के पानी की सप्लाई कोंडल गांव से आती है। आरोप है कि मुख्य पाइप लाइनों में अवैध कनेक्शन किए हुए हैं। लोगों द्वारा अवैध कनेक्शनों के माध्यम से बरसीम की अवैध रूप से भराई कर रहे हैं। इसलिए पूरा पानी वाटर टैंक तक नहीं पहुंच पा रहा है। वहीं टूपिया मोहल्ले में बने वाटर टैंक की बिजली की मोटर एक सप्ताह से खराब पड़ी है। नतीजतन, वाटर टैंक से पानी की सप्लाई ग्रामीणों को नहीं पहुंच पा रही है। मजबूरी में गांव की महिलाओं को वाटर टैंक से पानी लाना पड़ रहा है। वाटर टैंक पर ज्यादा भीड़ होने के कारण महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के वाजिद अली, यूसफ, खालिद का कहना है कि पेयजल समस्या बाबत अनेक बाद स्थानीय अधिकारियों को कहा गया है, लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ नहीं किया जाता। ग्रामीणों का आरोप है के सर्दी के मौसम में यह हालत हैं तो गर्मियों में पानी कैसे मिल पाएगा। ग्रामीणों ने विभाग से अवैध कनेक्शन भी हटाने की मांग की है। वहीं इस बारे में विभाग के एसडीओ असर खां का कहना था कि अगर गांव में कोई पेयजल समस्या है तो उस पर संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त-समाचार

निरंकारी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जीते आठ पदक

सोहना। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय युवा उत्सव 2020 में एनबीजीएसएम कॉलेज के विद्यार्थियों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में आठ पदक जीते। डेक्लामिशन में मनीषा ने पहला स्थान प्राप्त किया। उर्दू कविता पाठ एवं भजन में आदर्श ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गुरुग्राम महाविद्यालय में 22, 23, 24 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में 22 कॉलेजों ने विभिन्न प्रतियोगिता वर्ग में भाग लिया। लगभग 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया। एनबीजीएसएम कॉलेज को कुल 8 पदक मिले। मिमिक्री में रमाकांत, पंजाबी कविता पाठ में आदर्श एवं संस्कृत डेक्लामिशन में मनीषा ने पहला स्थान प्राप्त किया। उर्दू कविता पाठ एवं भजन में आदर्श ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज को स्लोगन राइटिंग में भी द्वितीय स्थान मिला। संस्कृत श्लोक उच्चारण में नेहा एवं हरियाणवी कविता पाठ में आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण समारोह में कॉलेज के प्राचार्य डॉ एमएस खत्री को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्मृति चिह्न और कंटिजेंट इंचार्जेस डॉ. डीपी सिंह एवं लिपिका को प्रशस्ति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. एमएस खत्री ने सभी विद्यार्थियों एवं टीम इंचार्ज लिपिका, नीलम एवं स्वाति शर्मा को बधाई दी।

टेरी पब्लिक स्कूल में 71 वां गणतंत्र दिवस मनाया

कुरुक्षेत्र। टेरी पब्लिक स्कूल में 71वां गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग और देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम पेश कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों के जोश, देश-भक्ति के गीतों एवं तिरंगे परिधानों से स्कूल परिसर राष्ट्र भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। छोटे-छोटे बच्चों ने स्लोगन लिख कर एवं पोस्टर्स बना कर शहीदों को याद किया, जबकि सीनियर विंग के छात्रों ने अच्छा नागरिक होने के दायित्वों को समझने का आह्वान किया। संस्थान के मुख्य सलाहकार डा. एमपी गुप्ता ने घोषणा की कि गणतंत्र दिवस के तोहफे के रूप में वे टेरी पब्लिक स्कूल के छात्रों के लिए एक विशेष और अनूठी पहल करने जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत स्कूल के छात्र इनफार्मेशन एवं कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी की सहायता से आईआईटी बॉम्बे से भी कोर्सेज कर पाएंगे। इस मौके पर संस्थान की अध्यक्षा गरिमा गुप्ता सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

दिव्यांगों-विधवाओं को बिना गारंटी कर्ज देगी सरकार

भाजपा-जजपा कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का ड्राफ्ट तैयार

चंडीगढ़। हरियाणा की सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा सरकार ने युवाओं, विधवाओं और दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उनके लिए कई कर्ज योजनाएं शुरू करने की तैयारी की है। भारतीय जनता पार्टी व जननायक जनता पार्टी कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत इन योजनाओं को लागू किया जाएगा।

विज कमेटी की बैठक में 33 बिंदुओं पर सहमति बनी है,जबकि 200 के करीब वादों पर अभी मंथन होना शेष है। दोनों ही दलों की ओर से चुनावों के दौरान भी दिव्यांगों व विधवाओं के लिए योजना शुरू करने की घोषणा की गई थी। दिव्यांगों व विधवा महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़े रखा जा सके और उनके जीवन में किसी तरह की मुसीबत न आए, इसके लिए यह योजना बनी है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से इस मुहिम को सिरे चढ़ाया जाएगा। हालांकि अभी तक इस पर कैबिनेट में कोई फैसला नहीं हुई है, लेकिन दोनों दलों के नेता सैद्धांतिक तौर पर इस मुद्दे पर अपनी मुहर लगा चुके हैं। स्वरोजगार से जुड़ी कई योजनाएं वर्तमान में भी हैं, लेकिन उनमें काफी अड़चनें हैं। दिव्यांगों व विधवा महिलाओं के लिए 3 लाख रुपये तक के ब्याज और गारंटी रहित लोन उपलब्ध करवाने पर सहमति बनी है।

28 राज्यों की वेशभूषा में नजर आए विद्यार्थी

विद्यालय प्रांगण में आयोजित भव्य कार्यक्रम में किया शहीदों को नमन

कैथल। शनिवार को शैमरॉक पब्लिक स्कूल में अलग ही नजारा था। बच्चे 28 राज्यों की वेषभूषा में सज-धजकर स्कूल में पहुंचे और सभी प्रदेशों के खाद्य पदार्थों को जाना और उनका सवाद चखा।

मौका था स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का। जिसमें विद्यालय के हर कक्षा के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। विद्यालय प्रिंसिपल नीलम मौदगिल की अगुवाई में अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा कड़ी मेहनत से दस दिन की तैयारी में बच्चों को इस आयोजन के लिए तैयार किया। जिसकी झलक शनिवार को देखने को मिली। विद्यालय प्रांगण में हर राज्य की पट्टिका लिए विद्यार्थी उसी राज्य की वेशभूषा और उसी राज्य खाद्य सामग्री के साथ एक विशाल ग्रुप में बैठे नजर आए। जहां सभी बच्चों ने उस राज्य की जनसंख्या, उसके सीएम, भाषा, लोक नृत्य, नदियों व अन्य प्रकार की जानकारियां अतिथिगणों को दी, जिस राज्य का वे प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में संबंधित राज्य का लोकनृत्य भी प्रस्तुत किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा देशभक्ति प्रस्तुति के माध्यम से गणतंत्र दिवस पर देश के शहीदों को नमन किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में तमिलनाडू से भारतनाट्यम, यूपी से कत्थक, केरला से कथकली, मणिपुरी से मणिपुरी नृत्य, आंध्र प्रदेश से कुच्चीपुड़ी, ओड़िसा से ओड़िसी नृत्य, पंजाब से भांगड़ा व गिद्दा, गुजराज से गरबा व डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया गया।

गणतंत्र दिवस पर आपकी रसोई का होगा भव्य आयोजन

करनाल। जेबीडी समाज कल्याण समिति द्वारा आपकी रसोई का आयोजन आज 26 जनवरी, रविवार को हांसी चौक पर किया जाएगा। समिति के सचिव नवीन दत्ता ने बताया कि इस बार गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आपकी रसोई का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा। इस मौके पर समाजसेवी एवं जेबीडी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष भारत भूषण कपूर द्वारा सुबह 9:30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जाएगी। देशभक्ति के गीतों से परिपूर्ण माहौल में लोग मात्र 10 रुपये में शुद्ध एवं स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने एक व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना 'इनफिनिटी' लॉन्च की

रिलायंस इनफिनिटी में अधिक समय अधिक कवर एवं अधिक ग्लोबल की सुविधा प्रदान करने के बिल्ट-इन फीचर्स हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रिलायंस कैपिटल के एक भाग, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने एक व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना रिलायंस हेल्थ इनफिनिटी लॉन्च की है। यह उत्पाद रिटेल ग्राहकों की स्वास्थ्यरक्षा सम्बंधी जरूरतों को अनूठे लाभों से सहयोग देने के लिये विशेष रूप से तैयार किया गया है।

अधिक कवर, जिसमें खरीदार को अतिरिक्त बीमा राशि मिलेगी, अधिक समय, जिसमें खरीदार अतिरिक्त अवधि के लिये कवर होगा और अधिक ग्लोबल, जिसमें खरीदार न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक रूप से भी आपातकालीन अस्पताल सेवा के लिये बीमित होगा।

इस बारे में टिप्पणी करते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के ईडी एवं एमडी राकेश जैन ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य बीमा की कम पहुंच के प्रमुख कारणों में से एक है अपारदर्शी योजनाएं, जो असीमित नियमों और शर्तों के साथ आती हैं। हम अपने देश के लिये व्यापक कवरेज सुनिश्चित करना चाहते हैं, जिससे हमारे मौजूदा और संभावित ग्राहकों को लाभ हो और हम मानते हैं कि रिलायंस हेल्थ इनफिनिटी इंश्योरेंस जैसा मजबूत और पारदर्शी उत्पाद इस पहल की शुरुआत कर सकता है। ग्राहक केन्द्रित होना हमारे प्रमुख मूल्यों में से एक है और हम ऐसे उत्पाद से अपने ग्राहक आधार के लिये अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना चाहते हैं, जो ग्राहक के लिये निर्णय लेना सरल बनाए, जब उसे स्वास्थ्यरक्षा की जरूरत हो। अपने असीमित लाभों के साथ नई और खोजपरक रिलायंस हेल्थ इनफिनिटी स्वास्थ्य बीमा को बिलकुल नये स्तर पर ले जाएगी। इस उत्पाद को 35,100 से अधिक एजेंसियों के मजबूत नेटवर्क के जरिये बेचा जाएगा, जिसे सुदृढ टेलीसेल्स और ऑनलाइन डिजिटल चैनलों का सहयोग मिलेगा।

निजी क्षेत्र की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक के तौर पर हमारे खोजपरक उत्पाद और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एक बेहतर कल का मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। उद्योग में स्थायी रूप से सकारात्मक बदलाव लाकर हम सर्वश्रेष्ठ ग्राहक सेवा और बहुगुणित लाभों वाले उत्पादों की आपूर्ति की उम्मीद करते हैं।

ट्रैफिक प्वायंट पर तैनात एसपीओ को कार चालक ने मारी टक्कर

गुरुग्राम। सिग्नेचर टॉवर ट्रैफिक प्वाइंट पर ड्यूटी दे रहे एसपीओ को कार की टक्कर मारकर चालक फरार हो गया। एसपीओ फ्लाईओवर के नीचे वाहनों को निकलवा रहा था। हादसे के बाद घायल एसपीओ को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत होने पर मेदांता में रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अशोक कुमार पुत्र जगदीश चंद निवासी बादशापुर हरियाणा पुलिस में एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) के पद पर तैनात है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि 24 जनवरी को वह सिग्नेचर टॉवर ट्रैफिक प्वाइंट पर तैनात था। सुबह 10 बजे फ्लाईओवर के नीचे से यातायात सुचारू करा रहा था। इसी समय सेक्टर-14 की ओर से आई एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद कुछ देर कार चालक रुका, लेकिन मौके पर लोगों को एकत्र होता देख बाद में कार लेकर फरार हो गया।

गुरुग्राम में मील का पत्थर साबित हो रही ई-गवर्नेंस सेवा

ई-गवर्नेंस यानी न लाइन में लगने का झंझट और न लेट होने की चिंता

ई-गवर्नेंस के तहत शुरू किए गए सरल केंद्र बन रहे सहायक

अब तक 16 लाख से अधिक आवेदन मिले

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

आम जनमानस को समयबद्ध तरीके से नागरिक केन्द्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए जिला में ई-गवर्नेंस के तहत शुरू किए गए सरल केन्द्र लोगों में लोकप्रिय होते जा रहे हैं। इनमें प्रतिदिन एक हजार से अधिक लोग सरकारी सेवाएं प्राप्त करने के लिए पहुंच रहे हैं। जिला में सरल केन्द्र शुरू होने से अब तक 16 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

सबसे अधिक ट्रांसपोर्ट विभाग में आए हैं आवेदन

ऑनलाइन आवेदनों में सबसे ज्यादा 9 लाख 59 हजार 242 आवेदन ट्रांसपोर्ट विभाग की 22 सेवाओं के लिए प्राप्त हुए। इसी प्रकार, राजस्व विभाग की 25 सेवाओं के लिए 196955 आवेदन, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की 11 सेवाओं के लिए 173111 आवेदन, हेल्थ सर्विसिज की 8 सेवाओं के लिए 47799, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की 11 सेवाओं के लिए 88028, शहरी स्थानीय निकाय की 20 सेवाओं के लिए 22227 आवेदन, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की 52 सेवाओं के लिए 30997 आवेदन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की 13 सेवाओं के लिए 27707 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ज्यादातर आवेदनों का निपटारा राइट टू सर्विस एक्ट में दी गई अवधि के अंदर ही किया जा रहा है। हर महीने सरल पोर्टल पर मिलने वाले आवेदनों पर विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी परियोजना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. राकेश गुप्ता द्वारा की जाती है और मुख्यालय पर प्रत्येक विभाग और जिला की प्रगति के आधार पर रैंकिंग की जाती है।

हरियाणा प्रदेश ही नहीं बल्कि देश और विदेशों में आईटी हब के रूप में गुरुग्राम की पहचान है। ई-गवर्नेंस में आईटी का अहम योगदान है। गुरुग्राम की बात करें तो यहां पर लोग ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने में ज्यादा विश्वास रखते हैं। साथ ही इस भागदौड़ भरी जिंदगी में उनके पास इतना समय भी नहीं कि वे सरकारी कार्यालयों आकर लाइनों में लगें। इसलिए वे घर बैठे ही सरकार के ई-गवर्नेंस इनीशिएटिव का लाभ उठा रहे हैं।

अपने घर से सरकारी सेवाओं का लाभ लेने वालों के अलावा काफी संख्या में लोग अंत्योदय सरल केन्द्रों में आकर नागरिक केन्द्रित सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं। जिला में बने सरल केन्द्रों में प्रतिदिन एक हजार से ज्यादा लोग पहुंचकर सरकारी सेवाओं का ऑनलाइन लाभ ले रहे हैं।

अंत्योदय सरल से 15 फीसदी आवेदन बढ़े

गुरुग्राम के डीसी अमित खत्री के मुताबिक अंत्योदय सरल के लागू होने के बाद प्राप्त आवेदनों में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 2018 के मध्य से 2019 के मध्य तक प्रक्रियाओं या कार्यवाहियों के समय में 16 प्रतिशत की कमी आई है। आने वाले महीनों में और सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष हरियाणा में लगभग एक करोड़ आवेदन ऑनलाइन प्राप्त होते हैं और अंत्योदय सरल मंच के माध्यम से 70 लाख से अधिक प्राप्त होते हैं।

भ्रष्टाचार पर लग रहा है अंकुश

अंत्योदय सरल परियोजना ने न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, दक्षता में सुधार और सेवाओं की परेशानी से मुक्त वितरण सुनिश्चित करने में मदद की है, बल्कि हरियाणा को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में एक नई पहचान भी दिलाई है।

गड्ढों के लिए दोषी अफसरों पर बुलंद हो रही कार्रवाई की आवाज

राजेश दास। फरीदाबाद

शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित सड़कों पर बने गड्ढों की वजह से आए दिन लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इस तरह के ज्यादातर मामलों में पुलिस इत्फाकन मौत की कार्रवाई कर अपना कर्तव्य पूरा कर देती है, लेकिन इन गड्ढों के लिए दोषी नगर निगम और अन्य संबंधित विभाग अथवा एजेंसियों के खिलाफ पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जाती। इसके कारण अधिकारी भी इस तरफ गंभीरता के साथ ध्यान नहीं देते। पिछले करीब छह साल से इस मुद्दे को लेकर सेक्टर 16 निवासी मनोज बधवा लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने गड्ढों की वजह से उनके तीन साल के मासूम बेटे पवित्र की मौत हो गई थी। गड्ढों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करवाने का कानून बनाने की मांग को लेकर एक्शन ग्रुप की तरफ से रविवार को एक बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है।

अदालत से मिली आंशिक जीत

इस घटना से मनोज बधवा चाहते थे कि गड्ढों की वजह से उनके बेटे की तो जान चली ही गई है, लेकिन अन्य किसी व्यक्ति की जान न जाए। पुलिस की तरफ से सुनवाई न किए जाने पर उन्होंने अदालत की शरण लेने का फैसला किया है। उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता डेनसन जोसफ के माध्यम से अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए याचिका दायर कर दी। लंबी अदालती लड़ाई के बाद पिछले दिनों उन्हें सफलता भी हासिल हुई है। हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गड्ढों के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय राजमार्ग का रख-रखाव करने वाली एलएंडटी के अधिकारियों के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया। दस मई, 2019 को पुलिस ने जेएमआईसी विवेक चौधरी की अदालत में अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए चालान पेश कर दिया था। अधिवक्ता डेनसन जोसफ की मांग पर अदालत ने कंपनी चेयरमैन और अन्य 15 निदेशकों को नोटिस जारी कर अदालत में पेश होने के आदेश दिए थे। जिस पर कंपनी के इन अधिकारियों ने हाईकोर्ट में अर्जी लगाकर उन्हें आरोपी ने बनाए जाने की मांग की थी। अधिवक्ता डेनसन जोसफ ने बताया कि इस अर्जी पर 26 फरवरी, 2020 को सुनवाई होनी है।

फोटो : राजेश पुंजानी

छह साल पहले हुई थी मासूम की मौत

अपने स्वर्गीय बेटे पवित्र को न्याय दिलवाने की लड़ाई लड़ रहे मनोज बधवा सेक्टर 16 में अपने परिवार के साथ रहते हैं। गत 10 फरवरी 2014 को मनोज बधवा अपनी पत्नी और तीन साल के मासूम बेटे पवित्र के साथ स्कूटर पर सवार होकर कहीं गए थे। देर शाम को लौटते समय राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाटा मोड़ के निकट सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों की वजह से उनके स्कूटर का संतुलन बिगड़ गया और तीनों बीच सड़क पर गिर गए। इस घटना में उनके बेटे पवित्र को गंभीर चोट आई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान पवित्र ने दम तोड़ दिया था। इस घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटना का मामला तो दर्ज कर लिया था, लेकिन गड्ढों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को आरोपी नहीं बनाया था। जबकि मनोज बधवा इन गड्ढों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं।

ताकि भविष्य में न खोना पड़े कोई पवित्र

वरिष्ठ अधिवक्ता डेनसन जॉसफ ने बताया कि वे इस तरह के मामले में गड्ढों के लिए जिम्मेदार संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग काफी समय से कर रहे हैं, क्योंकि शहर में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां सड़क पर गड्ढे न हों। इस नियम के बन जाने पर अधिकारी लापरवाही करने से पहले एक बार जरूर सोचेंगे। लोगों को इस मुहिम के साथ जोड़ने के लिए एक्शन ग्रुप की तरफ से गणतंत्र दिवस पर जन जागृति बाइक रैली सुबह नौ बजे सेक्टर 15 की मार्केट से निकाली जाएगी।

धूमधाम से मना स्लेजहैमर परिवार के सदस्यों का जन्मदिन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 24 स्थित स्लेजहैमर ऑयल टूल्स की तरफ से स्लेजहैमर परिवार के सदस्यों का जन्मदिन शनिवार को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। गत दिसंबर और जनवरी माह में जन्मे सभी सदस्यों ने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम में स्लेजहैमर ऑयल टूल्स और पायनियर समाचार पत्र के सदस्यों का जन्मदिन भी सेलिब्रेट किया गया।

कंपनी के डायरेक्टर प्रवीण मोहंती ने स्टाफ से कहा कि स्लेजहैमर एक परिवार है। हमारी तरककी भी साझी है और हमारे सुख-दुख भी साझे हैं। इस टीम स्पिरिट के कारण स्लेजहैमर समूह लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने सभी के साथ बर्थडे केक काटकर सभी को शुभकामनाएं दीं। बर्थडे केक काटने वालों में दिसंबर माह में जन्मे बलदेव, दीपेन्द्र कुमार, उदयभान, गौरव नागपाल, पवन कुमार, मनीश कुमार, प्रणव और पायनियर के स्थानीय संपादक मलिक असगर हाशमी, ब्यूरो चीफ राकेश चौरासिया, ओनिक माहेश्वरी, जनवरी माह जन्मे प्रेम कुमार, विजय प्रकाश, अनिल कुलश्रेष्ठा, पृथ्वी राज, सुमित शर्मा, धर्मेन्द्र मिश्रा, युगल किशोर, सुनील कुमार, प्रमोद कुमार के अलावा पायनियर से संदीप गोयल शामिल रहे। बर्थ डे केक काटने वाले सभी सदस्यों को अंत में कंपनी प्रबंधन की तरफ से बर्थडे गिफ्ट्स दिए।

स्लम बस्ती के बच्चों के साथ मनाई पिकनिक

फरीदाबाद। सेक्टर 12 स्थित टाउन पार्क में नया सवेरा वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी द्वारा स्लम बस्तियों में रह रहे बच्चों को पिकनिक पर ले जाया गया। जहां बच्चों को झूले पर बैठाया, गेम्स खिलाई गई तथा साथ ही सभी को स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराए गए।

स्लम बस्तियों के बच्चों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचे युवा कांग्रेसी नेता गौरव चौधरी ने कहा कि आप बच्चे ही इस देश का आने वाले भविष्य हैं। आप सभी मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने माता-पिता व देश की सेवा करने का प्रण लें। इस व्यस्त जीवनशैली के बावजूद आप इन गरीब एवं स्लम बस्तियों के बच्चों के लिए इतना कुछ कर रहे हैं, यह समाज के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का द्योतक है। इस अवसर पर मुख्य रूप से मोनिका तंवर, कुसुम, ज्योति शर्मा, पूजा राठौर, सरिता, अनीता, चांदनी आदि उपस्थित रहे। नया सवेरा वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी संस्था शहर में निरंतर गरीब एवं स्लम बस्तियों के बच्चों को नि:शुल्क पढ़ाने एवं उन्हें भविष्य में एक अच्छा इंसान बनने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करने में लंबे समय से कार्यरत हैं।

साईं बाबा स्कूल में मना गणतंत्र दिवस

फरीदाबाद। तिगांव स्थित शिरडी साईं बाबा स्कूल में 71वां गणतंत्र दिवस प्रधानाचार्य बीनू शर्मा की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाया। बच्चों ने देशभक्ति गीत गाये और जमकर थिरके। इसमें बेटी बचाओ अभियान के राष्ट्रीय संयोजक हरीश चन्द्र आजाद व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा शर्मा मुख्य अतिथि थे।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mr. Parmeet Singh S/o Late Mr. Dharmender Singh & Mrs. Harjinder Kaur W/o Mr. Jagjeet Singh is absolute owner of Property Bearing No. A-42 (Old No. WZ-33) Khasra No.1402 residential colony Known as Sharda Puri Delhi where Mr. Parmeet Singh by virtue of registered relinquishment deed dated 08.01.2020, having registration no.198 & Mrs. Harjinder kaur by virtue of registered sale deed dated 25.08.2011 having registration no. 21557, All persons are hereby informed that above mentioned owner want to take a loan from our client (Fullerton India Credit Company Limited), if anybody has any objection/s over the said property, & its ownership/title. Kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23 Shivaji Marg, Moti Nagar, N.Delhi-15
Ph. 011-41112527-28 Kumarassociates.advocate@gmail.com

शुद्धिपत्र

विक्रय उद्घोषणा आईसीआईसीआई बैंक लि. विरुद्ध श्री अम्बा मर्चेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड आर.सी. नं. 252/2018 के मामले में दिनांक 10 जनवरी, 2020 को जारी की गई थी। इस सूचना में कृपया नीलामी स्थल को ऋण वसूली अधिकरण, जीवन तारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 के रूप में पढ़ें। शेष समस्त नियम तथा शर्तें यथावत रहेंगी।

दिनांकित: 25.01.2020
स्थान : दिल्ली/रा.रा.क्षे.

अविनाश चन्द्र
वसूली अधिकरी ।।
ऋ.व.अ. ।।, दिल्ली

शुद्धिपत्र

विक्रय उद्घोषणा आईसीआईसीआई बैंक लि. विरुद्ध श्री राकेश बिल्ला आर.सी. नं. 192/2019 के मामले में दिनांक 17 जनवरी, 2020 को जारी की गई थी। इस सूचना में कृपया नीलामी स्थल को ऋण वसूली अधिकरण, जीवन तारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 के रूप में पढ़ें। शेष समस्त नियम तथा शर्तें यथावत रहेंगी।

दिनांकित : 25.01.2020
स्थान : दिल्ली/रा.रा.क्षे.

अविनाश चन्द्र
वसूली अधिकरी ।।
ऋ.व.अ. ।।, दिल्ली

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Amit Kumar Rathi S/o Sh. Mange Ram R/o Alipur (180), Ghamroj, Sohna, Gurgaon Haryana-122102, declare that I have changed my name from Amit Kumar Rathi to Amit Rathi for all future purposes.

PD(8781)C

I, Narender Kumar Rathi S/o Sh. Mange Ram R/o Alipur (180), Ghamroj, Sohna, Gurgaon Haryana-122102, declare that I have changed my name from Narender Kumar Rathi to Narender for all future purposes.

PD(8782)C

3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर कार्यशाला संपन्न

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) अकादमी के सहयोग से 3डी प्रिंटिंग एंड डिजाइन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न हो गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन सत्र में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर से प्रो. अमित कुमार आमंत्रित वक्ता रहे तथा उन्होंने 3डी प्रिंटिंग तकनीक और मशीनों और विनिर्माण, चिकित्सा और निर्माण के क्षेत्र में 3डी अनुप्रयोगों की उपयोगिता के बारे में बताया।

पूर्व सैन्य अधिकारी के घर से लाखों की चोरी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 28 के जलवायु विहार में स्थित एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी के मकान को चोरों ने अपना निशाना बना लिया। चोर उनके मकान का पिछला दरवाजा तोड़कर लाखों रुपये का माल सेमट कर फरार हो गए।

थाना सेक्टर 31 में दर्ज मामले के मुताबिक जलवायु विहार में रहने वाले पंकज कोहली ने अपनी शिकायत में कहा है कि इसी कॉलोनी में सेना से सेवानिवृत्त राजकुमार डुडेजा अपने परिवार के साथ रहते हैं। गत 18 जनवरी को राजकुमार डुडेजा अपने मकान को ताला लगाकर परिवार के साथ घूमने के लिए पूना गए थे। जाते समय वे मकान की देखभाल के लिए चाबी उन्हें दे गए थे। 22 जनवरी को वे राजकुमार के मकान को देखने के लिए पहुंचे, तो पिछले हिस्से में बना दरवाजा टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा, तो अलमारियां खुली हुई थीं और सारा सामान अस्त-व्यस्त हालत में था। उन्होंने राजकुमार डुडेजा को फोन पर सूचना देने के साथ पुलिस को मौके पर बुला लिया। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद मामला दर्ज कर लिया है। चोरी हुए सामान की लिस्ट राजकुमार डुडेजा लौटने के बाद पुलिस को सौंपेंगे।

डेयरी का शटर तोड़ नकदी चोरी

फरीदाबाद। जवाहर कॉलोनी के गुरुद्वारा रोड पर स्थित एक डेयरी का शटर तोड़कर चोर 35 हजार रुपये और जरूरी कागजात चुराकर फरार हो गए। सुबह घटना का पता चलते ही पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दे दी। थाना सारन में दर्ज मामले के मुताबिक गांव पाली में रहने वाले जयप्रकाश ने अपनी शिकायत में कहा है कि वे जवाहर कॉलोनी के गुरुद्वारा रोड पर लक्ष्मी डेयरी के नाम से अपनी दुकान चलाते हैं। अन्य दिनों की तरह बृहस्पतिवार की रात को भी वे दुकान बंद करने के बाद अपने घर लौट गए थे। अगले दिन सुबह जब वे वापस आए, तो शटर उखड़ा हुआ था। उन्होंने अंदर जाकर देखा, तो सारा सामान अस्त-व्यस्त हालत में था। जांच करने पर पता चला कि चोर उनकी दुकान के गल्ले से 35 हजार रुपये और अन्य जरूरी कागजात चुराकर फरार हो गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

बड़खल में पहली बार दिखेगी स्वास्थ्य विभाग की झांकी

गणतंत्र दिवस पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देगा विभाग

कविता। फरीदाबाद

गणतंत्र दिवस को लेकर जहां एक ओर सभी तैयारियां जिला प्रशासन पूरी कर चुका है। वहीं जिला सिविल सर्जन कार्यालय के सामने गणतंत्र दिवस को लेकर बड़खल और सेक्टर 12 में निकाली जाने वाली झांकियों की तैयारियां शनिवार को शुरू कर दी गईं हैं। अस्पताल की तरफ से एम्बुलैंस और चिकित्सकों की टीमें बनाकर तुरंत व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की तरफ से इस मौके पर 50 से अधिक दिव्यांगों को ट्राई साईकिलें वितरित की जाएंगी और दिव्यांगों की एक्सरसाईज को दर्शाती हुई झांकी दिखाई जाएगी।

पूरे जिले में पांच एम्बुलैंस

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पूरे जिले के लिए पांच जीवन रक्षक एम्बुलैंस तैयार की गई हैं, जिसमें एक एम्बुलैंस वीआईपी के लिए, दो एम्बुलैंस सेक्टर 12 स्थित खेल परिसर, चौथी एम्बुलैंस बल्लभगढ़ स्थित दशहरा ग्राउंड और पांचवीं एम्बुलैंस बड़खल यानी एनआईटी स्थित दशहरा ग्राउंड में उपलब्ध करवाने की योजना बनाई है। इनमें डॉक्टर भी होंगे।

तीन झांकियां होंगी

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मौके पर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से तीन झांकियां बनाई जा रही हैं, जिसमें बड़खल विधानसभा में पहली बार उनकी झांकी दिखेगी। पिछले दिनों बड़खल के एसडीएम ने एक बैठक में स्वास्थ्य विभाग से झांकी की मांग की थी। बड़खल तहसील में पीएनडीटी और सेक्टर-12 में हेल्थ वेलनेस की झांकी रहेगी। बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. मान सिंह ने बताया कि इस बार उनकी झांकी आयुष्मान भारत को लेकर निकाली जाएगी।

रविन्द्र फागना अकादमी 193 रन से जीती

फरीदाबाद। भूपानी स्थित रावल क्रिकेट अकादमी में प्रैक्टिस मैच खेला गया, जिसमें रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने द क्रिकेट गुरुकुल को 193 रन से हराया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि रविंदर फागना अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवर में 8 विकेट पर 270 रन बनाए। बल्लेबाज प्रबल शर्मा ने 131 रन, रोहित रावत ने 39 रन बनाए। द क्रिकेट गुरुकुल के देवांश वर्मा ने दो विकेट, वर्षा, अलोक यादव, अंचल नागर और भारती भड़ाना ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए द क्रिकेट गुरुकुल की टीम को 25.3 ओवर में 10 विकेट पर 77 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। टीम के वर्षा ने 16 रन, दीपिका ने 13 रन बनाए। रविन्द्र फागना अकादमी के अन्नू भड़ाना ने 5 विकेट, आशीष, वैभव सिंह और मोहित वशिष्ठ ने 1-1 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच प्रबल शर्मा को दिया गया।

ऋण वसूली अधिकरण-।।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
विक्रय सूचना की उद्घोषणा

अधोवर्णित सम्पत्ति का विक्रय बकाया देयराशियों की वसूली करने के उद्देश्य से "जैसी है जहां है आधार" और "जैसी है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से किया जाएगा, जो कि निम्नलिखित के मामले है – आईसीआईसीआई बैंक लि. विरुद्ध गौतम गंभीर ओ.ए. सं. 779/2018 तथा आई.ए. सं.: 416/19

1. सम्पत्ति का विवरण :
   मेक : जगुआर एक्सएफ 5.0 एल
   पंजीकरण सं.: डीएल3सीबीएम7468
   विनिर्माण वर्ष : 2010
   आरक्षित मूल्य : रु. 8,00,000
   धराज : रु. 80,000
2. नीलामी की तिथि तथा समय :
   05 फरवरी, 2020
3. नीलामी स्थल : रिद्धी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर -17 सुखराली गांव, वायु सेना केन्द्र के पीछे, गुड़गांव
4. प्रबन्धक : कल्याणी प्रीति
   मोबाइल नं.: 9599281817

विक्रय की नियम –
यहां इसमें ऊपर विनिर्दिष्ट उक्त परिसम्पत्ति के विवरणों को अधोहस्ताक्षरकर्ता के सर्वोत्तम ज्ञान तथा जानकारी के अनुसार उल्लिखित किया गया है, जो हालांकि उक्त विवरणों में हुई किसी गलती, गलत-विवरण अथवा चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतः इच्छुक प्रतिभागीगणों से, उनके स्वयं के हित में, अनुरोध है कि वे बोलियां जमा करने से पूर्व उक्त परिसम्पत्ति तथा इससे जुड़े हुए अन्य सुसंगत विवरणों के संबंध में अपने आप/स्वयं को संतुष्ट कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओं से अपेक्षा होगी कि वे संबंधित वाहन के समक्ष ऊपर वर्णित एक घरोहर राशि, आईसीआईसीआई बैंक लि., दिल्ली के पक्ष में आहरित तथा दिल्ली में भुग्तेय भुगतान आदेश/डिमांड ड्राट के माध्यम से जमा करें। सफल सर्वोच्च बोलीदाता को शेष राशि को उन्हें प्राप्त अनुमोदन से 5 दिनों के अंदर जमा करना होगा।
ऊपर वर्णितानुसार निर्धारित राशि जमा करने में विफल होने की स्थिति में, घरोहर राशि जमा की रकम जब्त कर ली जाएगी।
इच्छुक प्रतिभागीगणों से अनुरोध है कि वे 05 फरवरी, 2020 को आयोजित होनेवाली ऑनलाइन नीलामी में प्रतिभागिता करें अथवा बैंक प्रबंधक कल्याणी प्रीति से फोन पर बात करें।

ऋण वसूली अधिकरण-।।, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
विक्रय सूचना की उद्घोषणा

अधोवर्णित सम्पत्ति का विक्रय बकाया देयराशियों की वसूली करने के उद्देश्य से "जैसी है जहां है आधार" और "जैसी है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से किया जाएगा, जो कि निम्नलिखित के मामले है – आईसीआईसीआई बैंक लि. विरुद्ध हरदीप यादव ओ.ए. सं. 1183/2018 तथा आई.ए. सं.: 1768/19

1. सम्पत्ति का विवरण :
   मेक : औडी क्यू5 3.0 टीडीआई
   पंजीकरण सं.: एचआर26बीजी2565
   विनिर्माण वर्ष : 2010
   आरक्षित मूल्य : रु. 4,21,000
   धराज : रु. 42,100
2. नीलामी की तिथि तथा समय :
   05 फरवरी, 2020
3. नीलामी स्थल : रिद्धी गोदरा यार्ड, कटारिया चौक, सेक्टर -17 सुखराली गांव, वायु सेना केन्द्र के पीछे, गुड़गांव
4. प्रबन्धक : कल्याणी प्रीति
   मोबाइल नं.: 9599281817

विक्रय की नियम –
यहां इसमें ऊपर विनिर्दिष्ट उक्त परिसम्पत्ति के विवरणों को अधोहस्ताक्षरकर्ता के सर्वोत्तम ज्ञान तथा जानकारी के अनुसार उल्लिखित किया गया है, जो हालांकि उक्त विवरणों में हुई किसी गलती, गलत-विवरण अथवा चूक के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतः इच्छुक प्रतिभागीगणों से, उनके स्वयं के हित में, अनुरोध है कि वे बोलियां जमा करने से पूर्व उक्त परिसम्पत्ति तथा इससे जुड़े हुए अन्य सुसंगत विवरणों के संबंध में अपने आप/स्वयं को संतुष्ट कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओं से अपेक्षा होगी कि वे संबंधित वाहन के समक्ष ऊपर वर्णित एक घरोहर राशि, आईसीआईसीआई बैंक लि., दिल्ली के पक्ष में आहरित तथा दिल्ली में भुग्तेय भुगतान आदेश/डिमांड ड्राट के माध्यम से जमा करें। सफल सर्वोच्च बोलीदाता को शेष राशि को उन्हें प्राप्त अनुमोदन से 5 दिनों के अंदर जमा करना होगा।
ऊपर वर्णितानुसार निर्धारित राशि जमा करने में विफल होने की स्थिति में, घरोहर राशि जमा की रकम जब्त कर ली जाएगी।
इच्छुक प्रतिभागीगणों से अनुरोध है कि वे 05 फरवरी, 2020 को आयोजित होनेवाली वास्तविक नीलामी में प्रतिभागिता करें अथवा बैंक प्रबंधक कल्याणी प्रीति से फोन पर बात करें।

INDO COTSPIN LIMITED

REGD. OFFICE : 78 K.M. DELHI MILE STONE, G.T. ROAD, NH-1, VILLAGE JATTIPUR, POST BOX NO. 3, POST OFFICE SAMALKHA, PANIPAT -132103
CIN:- L111HR1995PLC032541 Website:www.indocotspin.com
Email ID:rajpalaggarwal2000@yahoo.com, info@indocotspin.com
Statement of Standalone Un-audited Financial Results for the Quarter Ended December 31, 2019

(Amount Rs. In Lacs)

PARTICULARS	3 MONTHS ENDED 31/12/2019	YEAR TO DATE FIGURES FOR FOR CURRENT PERIOD ENDED 31/03/2019	CORRESSPONDING 3 MONTHS ENDED IN THE PREVIOUS YEAR 31/12/2018
	UN-AUDITED	AUDITED	UN-AUDITED
Total Income from operations (net)	391.61	1077.08	392.49
Net Profit/(Loss) from Ordinary activities after Tax	3.34	14.05	5.75
Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Extraordinary Items)	3.34	14.05	5.75
Paid Up Equity Share Capital	420.05	420.05	420.05
Reserves (excluding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of Previous Year)	3.34	14.05	5.75
Earnings Per Share (before Extraordinary Items) (of Rs. 10/-each) Basic and Diluted (in Rupees)	0.05	0.34	0.13
Earnings Per Share (after Extraordinary Items) (of Rs. 10/-each) Basic and Diluted (in Rupees)	0.05	0.34	0.13

NOTE: (i) There is no qualification on the Un-audited report for the quarter ended 31st December, 2019 (ii) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The Full format of the Quarterly Financial Results is available on the Stock Exchange **websites: www.bseindia.com and Telephone:+91-9896 034879**

For Indo Cotspin Limited
Sd/-
Bal Krishan Aggarwal
Managing Director

Place: Panipat
Date: 25/01/2020

FORM G - INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST

[Under regulation 36A (1) of the Insolvency and Bankruptcy (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016]

RELEVANT PARTICULARS

1	Name of the corporate debtor	V.A.M. Resorts And Hotels Private Limited
2	Date of incorporation of corporate debtor	18-12-1998
3	Authority under which corporate debtor is incorporated/ registered	Registrar of Companies, Kanpur , India, under the Companies Act, 1956
4	Corporate identity number/ limited liability identification number of corporate debtor	U55101UP1998PTC024082
5	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	Opp. Appex College Ved Vyas Puri, Meerut- Dehradun By Pass Road Meerut 250103 (UP)
6	Insolvency commencement date of the corporate debtor	24-10-2019
7	Date of invitation of expression of interest	26-01-2020
8	Eligibility for resolution applicants under section 25(2)(h) of the Code is available at:	It will be provided on request to email: vamresorts.ip@gmail.com
9	Norms of ineligibility applicable under section 29A are available at:	Same as stated in (8) above
10	Last date for receipt of expression of interest	10-02-2020
11	Date of issue of provisional list of prospective resolution applicants	20-02-2020
12	Last date for submission of objections to provisional list	25-02-2020
13	Date of issue of final list of prospective resolution applicants	06-03-2020
14	Date of issue of information memorandum, evaluation matrix and request for resolution plans to prospective resolution applicants	25-02-2020
15	Manner of obtaining request for resolution plan, evaluation matrix, information memorandum and further information	All the eligible prospective resolution applicants will be sent the documents to their email id. For further information the applicants shall request the resolution professional to his email id.
16	Last date for submission of resolution plans	26-03-2020
17	Manner of submitting resolution plans to resolution professional	In Electronic form, supported by speed post or by hand delivery in sealed covers followed by an email confirmation
18	Estimated date for submission of resolution plan to the Adjudicating Authority for approval	07-04-2020
19	Name and registration number of the resolution professional	Ashish Singh IBBI/IPA-002/IP-N00416/2017-18/11230
20	Name, Address and e-mail of the resolution professional, as registered with the Board	Ashish Singh Reg Add: Flat No. 515, Baghban Apartment, Pocket Gh-2 Sector-28 , Rohini, New Delhi, National Capital Territory Of Delhi ,110042 Email. ID: ashishsinghcs@gmail.com
21	Address and email to be used for correspondence with the resolution professional	811, 8th Floor, Aggarwal Mellinium Tower-1 Near BTW, Netaji Subash Place, Pitampura New Delhi-110034. Email id: vamresorts.ip@gmail.com
22	Further Details are available at or with	Ashish Singh ashishsinghcs@gmail.com
23	Date of publication of Form G	26-01-2020

Sd/-
Ashish Singh
Resolution Professional
Reg No- IBBI/IPA-002/IP-N00416/2017-2018/11230

Date: 25-01-2020
Place: New Delhi

चलो अब जाति, भाषा, धर्म के सब तोड़कर बंधन
मिटे जो देश की ख़ातिर करो दिल से उन्हें वंदन
वतन सर्वोपरि ये भावना मन मे रहे हरदम
नवल उल्लास, नव संकल्प से गणतंत्र अभिनंदन

हुडा के आदेशों की कर्मचारियों ने की भर्त्सना

फरीदाबाद। हुडा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन की सर्कल कमेटी ने हुडा के मुख्य प्रशासक के उन आदेशों की कड़े शब्दों में भर्त्सना की गई, जिसके तहत डिवीजन लेवल के सभी कार्य अब मुख्यालय से करवाए जाएंगे। यूनियन की एक आवश्यक मीटिंग सेक्टर 12 में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता खुर्शीद अहमद ने की। जिला सेक्रेटरी धर्मवीर वैष्णव ने ने बताया कि पहले कर्मचारियों की वार्षिक वेतन, वेतन, एलटीसी, एसीपी, एवं चाइल्ड केयर लीव की मंजूरी करने का अधिकार डिवीजन लेवल के अधिकारियों के पास था।

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतरर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	विनोद कुमार गुप्ता/ सुमन गुप्ता/ ट्विंकल लैंप इंडस्ट्रीज (पी) लिमिटेड/ LBDEL00001920807	यूनिट नंबर - बी -50, किंग्सवुड ओरिएंटल, जेपी ग्रीन्स, नोएडा, 24 जनवरी, 2020	जुलाई 27, 2016 रु. 2,14,11,103/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 25, 2020
स्थान: दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

जीएसटी प्रणाली में दोष निवारण की अनिवार्यता

वस्तु एवं सेवा कर में अनावशोषित आगत कर क्रेडिट दुविधा ऐसी चीज है जिसको जीएसटी परिषद द्वारा तत्काल संबोधित किया जाना आवश्यक हो गया है। जीएसटी परिषद वर्तमान दर संरचना एवं क्रियान्वयन व्यवस्था का समग्र पुनरावलोकन कर रही है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक एवं स्तम्भकार हैं)

वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली के अंतर्गत संग्रह के उम्मीद से कम होने एवं परिणामत: जीएसटी क्षतिपूर्ति अधिनियम 2017 के अंतर्गत राज्यों को क्षतिपूर्ति के अपने वादे पूरे करने में केंद्र सरकार की असमर्थता की पृष्ठभूमि में (इसके अंतर्गत पांच वर्ष के लिए मुआवजा दिया जाना है अर्थात 2021-22 तक जिसकी गणना वास्तविक संग्रहण एवं 2015-16 के स्तर पर चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ मिले राजस्व के अंतर के तौर पर की जानी है), जीएसटी परिषद वर्तमान दर संरचना एवं क्रियान्वयन व्यवस्था का समग्र पुनरावलोकन कर रही है।

इस बीच, जीएसटी परिषद में जो विवादास्पद मुद्दा आया है जिस पर तात्कालिक रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होगी वह एकत्रिक आगत कर क्रेडिट के उपचार से संबंधित है जो निर्गत कर देयता के विरुद्ध स्वत: समाप्त नहीं होगा। जीएसटी ढांचे के मूल में है वह लक्षण जो किसी उत्पादक-आपूर्तिकर्ता को मूल्य श्रंखला के समक्ष आगत पर चुकाए गए गर के लिए क्रेडिट का दावा करने की अनुमति देता है। यह कर पर कर के हानिकारक प्रभाव को नष्ट करने में मददगार होता है, और इस तरह उपभोक्ता के लिए उत्पाद की कीमत घटा देता है, जबकि पूर्ववर्ती मूल्य वर्धित कर, केंद्रीय वस्तु कर एवं कई अन्य स्थानीय शुल्क उस भीषण प्रभाव के पर्याय हुआ करते थे।

समस्याजनक स्थिति पैदा हो सकती है यदि उत्पादक/आपूर्तिकर्ता पर आगत खरीद पर संग्रहीत क्रेडिट को निस्तारित करने के लिए संबंधित निर्गत कर देयता नहीं होती। निश्चित रूप से वर्तमान समय में दूरसंचार कम्पनियों को उसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अवसंरचना को संवर्धित करने के लिए भारी निवेश किए हैं जबकि उनके राजस्व में तीव्र गिरावट आई है, टैरिफ के रिकार्ड निम्न स्तर पर जाने की बदौलत और ऐसा 2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश के बाद हुआ है।

इसने उनके आगत खरीदों पर एकत्र क्रेडिट को बढ़ा दिया और, प्राथमिक रूप से निम्न टैरिफ/बिक्री कीमत के कारण, सरकार को होने वाले उनके जीएसटी भुगतान घटा दिए, इस तरह देयताओं के स्वत: निस्तारण की संभावना को शून्य कर दिया। वे आगतों पर किए गए कर भुगतान के रिफंड का दावा करने में असमर्थ हैं क्योंकि जीएसटी कानून में संबंधित निर्गत कर देयता अनिवार्य है जो कि अपर्याप्त है। अनावशोषित आगत कर क्रेडिट भीषण रूप से बढ़कर 36,000 करोड़ पहुंच गया है। उर्वरकों में भी स्थिति लगभग समान है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में उर्वरकों की अहम भूमिका के चलते, सरकार निम्न स्तर पर उनके अधिकतम खुदरा मूल्य पर नियंत्रण रखती है, उत्पादन व वितरण की लागत से असंबंधित एवं अतिरिक्त का विनिर्माताओं को सब्सिडी के तौर पर वापस पुन: भुगतान करती है। यूरिया के मामले में, अधिकतम खुदरा मूल्य लागत के 50 प्रतिशत का 25 प्रतिशत है जबकि गैर यूरिया उर्वरकों के मामले में, कीमत 75 प्रतिशत की 70 प्रतिशत है। शेष राशि सब्सिडी के तौर पर किसानों को दी जाती है।

कर ढांचे की बात करें, तो उर्वरक पर 5 प्रतिशत जीसटी लगता है, जबकि कच्चे माल एवं बीच में प्रयुक्त वस्तुओं पर उनके विनिर्माण में कर कहीं ज्यादा होता है। प्राकृतिक गैस (यूरिया उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत) वर्तमान में जीएसटी के अधीन जीरो रेटेड है जिका अर्थ है कि यह अतीत की तरह वस्तु कर एवं वैट को आकर्षित करती है। जबकि गैस पर वस्तु कर शून्य है, वैट राज्य दर राज्य भिन्न होता है जो राजस्थान में 5 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 21 प्रतिशत है। इसके साथ ही, कुछ राज्य स्थानीय शुल्क लगाते हैं। उदाहरण के लिए, गुजरात में खरीद टैक्स यूरिया निर्माण में प्रयुक्त आगतों पर लगाया जाता है जो राज्य के बाहर बेचा जाता है। उर्वरक संयंत्रों द्वारा गैर उपभोग का लगभग एक तिहाई एलएनजी के तौर पर आयातित होता है, जो 2.5 प्रतिशत पर तटकर का विषय बनता है। अमोनिया, फास्फोरिक एसिड एवं सल्फर का आयात- गैर यूरिया अथवा फास्फेट के विनिर्माण में प्रयुक्त बीच वाली चीजें एवं पोटाश उर्वरक 5 प्रतिशत तटकर के अंतर्गत आते हैं। दूसरी ओर, अमोनिया एवं फास्फोरिक एसिड क्रमश: 18 प्रतिशत और 12 प्रतिशत जीएसटी को आकर्षित करते हैं, जबकि शुरुआत में फास्फोरिक एसिड पर जीएसटी 18 प्रतिशत था लेकिन जनवरी 2018 में उसे घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया।

उर्वरक विनिर्माण की प्रक्रिया में बिजली खर्च होती है। बिजली उत्पादन एवं वितरण को भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। हालांकि, इसे केंद्रीय वैट तथा वैट से भी छूट दी गई है। संविधान के अंतर्गत, सातवीं अनुसूची की राज्य सूची की प्रविष्टि 53 राज्यों को बिजली की बिक्री तथा उपभोग पर कर आरोपित करने का अधिकार प्रदान करती है, केवल केंद्र सरकार अथवा रेलवे द्वारा उपभोग को छोड़कर।

चलिए उपरोक्त कर ढांचे के आगत टैक्स क्रेडिट पर होने वाले प्रभाव पर दृष्टि डालते हैं। सर्वप्रथम, गैस के जीएसटी दायरे से बाहर होने के चलते, गैस कम्पनियां यथा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, आयल इंडिया लिमिटेड, आदि, उनके आगतों, उपभोग योग्य एवं उपकरणों की खरीद पर अदा किए गए कर के लिए क्रेडिट का दावा नहीं कर सकतीं। उर्वरक उत्पादकों के लिए गैस की कीमत वैट के कारण आगे और बढ़ जाती है जिसे यूपी जैसे कुछ राज्य 21 प्रतिशत की दर से लगाते हैं साथ ही साथ प्रयुक्त होने योग्य अन्य लेवियां भी होती हैं।

बिजली के मामले में, जो जीएसटी के दायरे से बाहर है और सेनवैट तथा वैट की लेवी से छूट प्राप्त हैं, इसका परिणाम ऐसी स्थिति के रूप में सामने आता है जहां बिजली कम्पनियों को उपकरणों, भडारों आदि के आगतों पर अदा किए गए कर के लिए कोई क्रेडिट नहीं मिलता, जो उत्पादन एवं वितरण में प्रयुक्त होते हैं। इसका परिणाम बिजली की ऊंची कीमत के रूप में सामने आता है, जो राज्यों द्वारा आरोपित विद्युत शुल्क के कारण और बढ़ जाती है जिसके लिए कोई निस्तारण की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

इस प्रकार एक अनुचित स्थिति है, जहां एक तरफ तो आगतों यथा गैस एवं बिजली, पर कर अदा किया जाता है जो यूरिया के विनिर्माण में प्रयुक्त होते हैं जिसका अंतरनिहित नकारात्मक असर होता है। दूसरी ओर, निर्गत यूरिया पर कर दी जिम्मेदारी कम है तो ऐसा 5 प्रतिशत की निम्न जीएसटी दर के कारण ही नहीं है बल्कि निम्न एमआरपी के कारण भी है। इस तरह कच्चे माल एवं मध्यावधि में प्रयुक्त वस्तुएं यथा अमोनिया और फास्फोरिक एसिड, जिनका प्रयोग गैर यूरिया उर्वरकों के निर्माण में होता है, उन पर टैक्स ज्यादा अदा किया जाता है जबकि निर्गत पर टैक्स कुछ कारण से कम है। इसका परिणाम अवश्यंभावी रूप से अनावशोषित आगत कर क्रेडिट के रूप में सामने आता है क्योंकि निर्गत कर आगत कर की कमी के कारण कम हो जाता है। कर संग्रहण पर अनावशोषित आगत कर की क्षतिपूर्ति के नकारात्मक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए, खासकर वर्तमान समय में जब राजकोष भारी गिरावट का सामना कर रहा है, सरकार संभवत: उसकी अनुशस्ति हेतु इच्छुक न हो अथवा उर्वरक विनिर्माताओं की तरह उसमें विलंब करे। लेकिन, इनकार अथवा विलंब का बुरा प्रभाव सेवा प्रदाताओं व विनिर्माताओं पर पड़ने के सच को दरकिनार नहीं किया जा सकता। फिर आगे रास्ता क्या रह जाता है? आदर्श रूप में, सरकार को कच्चे माल/बीच में प्रयुक्त वस्तुओं पर आरोपित दर के बजाए अंतिम उत्पाद पर समान दर से टैक्स बनाए रखना चाहिए, जिससे कि सरकार पर पर्याप्त कर देयता बनी रहे जिससे कच्चे माल/बीच में प्रयुक्त वस्तुओं पर चुकाया गया कर स्वत: क्षीण हो जाए।

इसके अनुसार, सरकार को वर्तमान शून्य दर्जा हटाकर गैस पर जीएसटी लगाना चाहिए और बिजली को भी जीएसटी के दायरे में लाना चाहिए और दोनों पर दर 5 प्रतिशत की रखनी चाहिए, अर्थात जिस तरह उर्वरकों पर लगता है। अमोनिया व फास्फोरिक अम्ल पर जीएसटी वर्तमान क्रमश: 18 प्रतिशत व 12 प्रतिशत से घटाकर प्रत्येक पर 5 प्रतिशत लगाना चाहिए। ऐसे बदलाव करने में समय लग सकता है (खासकर राज्यों से प्रतिरोध के आलोक में), इस बीच, सरकार को उर्वरक विनिर्माताओं को लंबित अप्राप्त आगत कर क्रेडिट जारी करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हालांकि, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के मामले में स्थिति भिन्न है।

यहां पर, निर्गत कर देयता आगत कर निस्तारित करने के लिए अपर्याप्त है जो रॉक बाटम टैरिफ के कारण है जो अस्वस्थ एवं विध्वंसक प्रतिस्पर्धा का परिणाम है, उर्वरकों के विपरीत जहां सजब नीति के मामले के तौर पर, बिक्री मूल्य किसानों के लिए वहनीस बनाने हेतु निम्न स्तर पर नियंत्रित किया जाता है। इसके बावजूद, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि सेवा प्रदाताओं ने अतिशय आगत कर क्रेडिट उठाया है और उसे पुन: भुगतान न करना जीएसटी की भावना के विपरीत होगा।

36,000 करोड़ का लंबित अतिशय आगत कर क्रेडिट दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को पुनर्भुगतान किया जा सकता है। सभी सेवा प्रदाताओं द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने के साथ और विनियामक दूरसंचार वियिमक प्राधिकरण-ट्राई द्वारा फ्लोर टैरिफ पर विचार किए जाने को देखते हुए, उम्मीद है कि भविष्य में ऐसी स्थिति न आए। उर्वरकों में कर ढांचे मे बदलाव के साथ, जैसा कि प्रस्तावित है, एवं उर्वरक सब्सिडी के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की ओर बढ़ते कदमों के चलते, जिससे एमआरपी बढ़ेगा, निर्गत कर देयता आगतों पर चुकाए गए कर के अनुकूल होगी।

उपरोक्त के बावजूद, बेमेल की स्थिति से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। इनको संबोधित करने के लिए, सरकार को अतिशय आगत कर क्रेडिट के रिफंड की अनुमति देने के लिए और अंतत: निर्गत कर देयता से तालमेल के लिए जीएसटी काननू में संशोधन पर विचार करना चाहिए। इस बीच, सरकार को राजस्व बढ़ाने के लिए आगत कर क्रेडिट पर फर्जी दावों की पहचान करने व उन पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास तेज कर देने चाहिए।

बोइंग विमान निर्माताओं पर संकट के बादल

बोइंग 737 मैक्स के बारे में विस्तृत विवरण आने से स्पष्ट होता जा रहा है कि अमेरिकी विमान-निर्माता कंपनी बोइंग घमंड का शिकार हो गई है। कंपनी के आंतरिक दस्तावेजों के खुलासे से स्पष्ट है कि उसके कार्यकारियों ने दुनिया भर में उड्डयन नियामकों तथा एयरलाइनों का मजाक उड़ाया है।

कुषाण मित्रा
लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं।

बोइंग विमान कंपनी के आंतरिक दस्तावेजों के खुलासे से स्पष्ट है कि उसके कार्यकारियों ने दुनिया भर में उड्डयन नियामकों तथा एयरलाइनों का मजाक उड़ाया जिनमें भारत का नागरिक उड्डयन महानिदेशालय-डीजीसीए भी शामिल है। इससे अमेरिकी विमान-निर्माता को भारी नुकसान हुआ और 2019 में भारी झटके के बाद 2020 की शुरुआत भी उसके लिए अच्छी नहीं है। इस वर्ष की शुरुआत इंडोनेशिया में लायन एयर 737 मैक्स की दुर्घटना से हुई। 'मैत्रीपूर्ण' मीडिया स्रोतों का लाभ उठा कर बोइंग कार्यकारियों ने कहा कि दुर्घटना का प्रमुख कारण पाइलेट का खराब प्रशिक्षण था। हो सकता है कि इस दावे में कुछ सच्चाई हो, पर इथियोपियन एयरलाइन के दूसरे 737 मैक्स की अदीसअबाबा से उड़ान भरते ही हुई दुर्घटना ने विमान-निर्माता कंपनी को बड़ा धक्का दिया।

इसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में बोइंग 737 मैक्स विमानों की उड़ान रोक दी गई। कुछ नियामकों ने दूसरों की तुलना में यह कदम जल्दी उठाया, पर विमान-निर्माता लगातार यह विमान बनाते रहे, भले ही वे उड़ नहीं रहे थे। हर महीने 20 से अधिक विमानों का निर्माण जारी रहा जिसके कारण अब वाशिंगटन के रेंटन में बोइंग के प्लांट में 200 से अधिक विमान खड़े हैं। इतने विमानों को खड़ा करने का स्थान न होने के कारण उनको कर्मचारियों की कार पार्किंग में खड़ा किया गया जिसके चलते अमेरिकी निर्माता ने कुछ साल पहले अंतत: विमान निर्माण स्थगित करने का फैसला किया।

यह अत्यधिक सौभाग्य की बात है कि बोइंग 737 मैक्स विमानों की उड़ान पर प्रतिबंध के कारण वैश्विक उड्डयन उद्योग ध्वस्त नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि मैक्स एक नया विमान था और दुनिया भर के बेड़ों में पूरी तरह समाहित नहीं हुआ था। इसके उड़ान पर प्रतिबंध से एयरलाइनों के विकास अवसरों के प्रभावित होने की शुरुआत हुई है। मैक्स के सबसे बड़े प्रयोगकर्ता अमेरिकन एयरलाइन्स व साउथवेस्ट एयरलाइन्स हैं। अब वे इस वर्ष के मध्य तक नए विमान खरीदने से बच रही हैं, ऐसे में यह संकट जल्दी हल होता नहीं दिखता है। इन परिघटनाओं से बोइंग की इज्जत मिट्टी में मिल गई है।

अधिकांश अन्य उद्योगों में ऐसा संकट घातक हो सकता था, पर वैश्विक एयरलाइन निर्माता कंपनियां अमेरिकन बोइंग व यूरोपियन एयरबस के बीच प्रतियोगिता का ध्यान रखती हैं। जहां यूरोपियन एयरबस ने सावधानी बरतते हुए एक शब्द नहीं कहा है तथा बोइंग की कठिनाइयों से खुशी भी नहीं प्रदर्शित की है, जबकि इसकी तुलना में कोक-पेप्सी के बीच आक्रामक युद्ध चलता रहता है। चीन और रूस सिविलियन एयरलाइन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं और कुछ लोगों के विचार से बोइंग के कमजोर होने के कारण उनको एक अवसर मिल गया है, लेकिन वे प्रभावी प्रतियोगी नहीं हैं। नए विमान को विकसित करने में कई अरब डालर तथा इंजीनियरों की एक फौज की जरूरत होती है। ऐसे में फिलहाल कोई अन्य इन संकटग्रस्त प्रतियोगियों का स्थान लेने के बारे में नहीं सोच सकता है।

लेकिन कुल मिला कर देखें तो मैक्स और बोइंग का पूरा संकट इस बात का उदाहरण है कि निर्माता नया विमान विकसित करने पर भारी धनराशि नहीं खर्च करना चाहते हैं। बोइंग 737 की डिजाइन 1960 के दशकारंभ की है और इसका उड़ान योग्य प्रमाणपत्र लगभग सात दशक पहले जारी हुआ था। बोइंग 737 एक अत्यधिक सफल विमान सिद्ध हुआ। 2018 में बोइंग ने 10,000 737 विमान बेचे तथा उसके पास लगभग 5,000 विमानों के खरीद आदेश लंबित थे। सालों तक उसका कोई प्रतियोगी भी नहीं था। मैक्डोनल डगलस डीसी-9 तथा डगलस एमडी 80 बोइंग की प्रतियोगिता में सफल नहीं हुए और अंतत: बोइंग ने मैक्डोनल डगलस का अधिग्रहण कर लिया।

लेकिन यूरोपीय विमान-निर्माता द्वारा विकसित एयरबस ए320 परिवार की गाथा एकदम अलग थी। अत्यधिक परिष्कृत विंग तथा कंप्यूटरीकृत फ्लाई-बाई-वायर तकनीक के प्रयोग के बाद बोइंग को 737 को प्रतियोगी बनाए रखने के लिए नई तकनीक विकसित करनी पड़ी। इसलिए जब एयरबस ने ए320 को आधुनिक नए हाई-बाईपास रेशियो इंजनों से अद्यतन बनाया तो इसमें काफी एयरलाइनों की दिलचस्पी पैदा हुई क्योंकि इससे ईंधन उपभोग में कमी आती थी। हालांकि, बाद के वर्षों में एयरबस को भी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा जो खासकर ए380 सुपरजंबो को लेकर थीं, लेकिन ए320 ने बड़ी मात्रा में पैसा कमाया। नए इंजनों में परिवर्तन तथा नया इंजन विकल्प-नियो देने के बाद यह और ज्यादा आकर्षक बन गया। भारत की सस्ती एयरलाइन इंडिगो को भले ही नियो विमान के कारण कुछ कठिनाइयां उठानी पड़ी हों, पर वर्तमान समय में ऐसे लगभग 1,000 विमान अपनी सेवायें दे रहे हैं। ऐसे में बोइंग को बढ़ती प्रतियोगिता में बने रहने के लिए कुछ करना था। नियो की क्षमता से वर्तमान पीढ़ी के 737 पर भारी प्रभाव पड़ा।

लेकिन बोइंग के साथ एक समस्या थी। जब उसने 1960 के दशक में 737 का विकास शुरू किया तो उसे ग्राउंड क्लियरेंस की समस्या थी जिससे इंजन नीचे रखे गए। लेकिन इससे विमानों को छोटे व कम आधुनिक हवाईअड्डों पर उतरना सरल बना दिया। 1960 व 1970 के दशक में यही स्थिति बनी रही। वास्तव में नीचे इंजन होने के कारण ये विमान एयरलाइनों के आकर्षण का कारण थे। 737 में सुधार के बावजूद इस दृष्टिकोण से ज्यादा परिवर्तन नहीं किए गए। वर्तमान समय में हाई-बाईपास रेशियो टर्बोफैन इंजनों के साथ समस्या यह है कि संतुलन बनाए रखने के लिए सामने का पंखा बहुत बड़ा होता है। 737 की मूल संरचना ने ऐसे इंजन लगाना लगभग असंभव बना दिया। ऐसे में बोइंग को आदर्श रूप से एक बिल्कुल नया विमान विकसित करना चाहिए था, लेकिन बाजार की स्थितियों ने इसे असंभव कर दिया। 787 ड्रीमलाइनर विकसित करने में एक दशक से अधिक समय लगा और यही उसके लिए आशा की एक किरण था। लेकिन इसके बाद निर्माण में विलम्ब से कंपनी को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

787 आज एक अत्यधिक सफल विमान है और इसके सैकड़ों विमान आज दुनिया भर की एयरलाइनों की रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। लेकिन प्रतियोगिता के कारण बोइंग के पास ज्यादा समय नहीं था और उसके प्रबंधन ने नया विमान विकसित करने का फैसला किया। संरचना चाहे जो होती, पर एक बेहतर विकल्प वर्तमान ढांचे में थोड़े परिवर्तन के साथ नए इंजन लगाना था।

लेकिन यह परिवर्तन सरल नहीं था। बड़े पंखे को फिट करने के लिए बोइंग इंजीनियरों को इंजन को और आगे ले जाकर विंग के ऊपर लगाना था। इससे 737 की एयरोडाइनेमिक्स में कुछ बड़ी समस्यायें आईं जिनका समाधान नहीं हो सका। हालांकि, पाइलटों को इन परिवर्तनों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता था। इसके बाद एक और समस्या आई। एयरलाइनों को अतिरिक्त प्रशिक्षित पाइलेटों की संख्या निर्धारित करनी थी ताकि व नए विमान उड़ा सकें। एयरबस ए320 पर नियमित उड़ान भरने वाले पाइलेटों को केवल कुछ घंटों के उन्मुखीकरण के बाद नए ए320 नियो उड़ाने के लिए तैयार किया जा सकता था। बोइंग ने बहुत वादे किए थे, लेकिन उसके आंतरिक ई-मेलों से खुलासा हुआ कि अनेक पाइलटों को मैक्स उड़ाने के लिए समुचित प्रशिक्षण नहीं मिला था और उन्होंने साइम्यूलेटरों पर भी समुचित समय नहीं बिताया था।

बहुत से लोग जानते हैं कि बोइंग ने बहुत अधिक साफ्टवेयरों को मैक्स में समाहित किया ताकि उसके उड़ान का चरित्र बदला जा सके। इन साफ्टवेयरों में मैन्यूरिंग कैरेक्टरस्टिक आगुमेंटेशन सिस्टम-एमसीएएस भी शामिल था। यह कम गति वाली स्थितियों में आमतौर से टेकआफ के समय विमान को संतुलित रखता था। 737 मैक्स के इंजनों को बहुत आगे ले जाने से विमान का गुरुत्व केन्द्र भी आगे खिसक गया था और केवल साफ्टवेयर से इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता था। एमसीएएस व्यवस्था विमान के बाहर लगे सेंसरों से प्राप्त होने वाले डेटा पर निर्भर था। सेंसर विफल हो सकते थे और कारों की तरह इनकी विफलताओं की जानकारी मिल सकती थी। लेकिन बोइंग ने ऐसी सतर्कता व्यवस्था बनाई जिसमें सेंसर के डेटा मेल नहीं खाते थे। एमसीएएस व्यवस्था विमान के उड़ान पथ में अचानक परिवर्तन कर देती थी और साफ्वेयर के इस हस्तक्षेप के बारे में प्रशिक्षण न होने के कारण विमान उड़ाने वाले पाइलेट समस्या से निपटने में विफल होते थे। इसी कारण लायन एयर व इथियोपियन एयरलाइन विमानों की दुर्घटना हुई थी।

कुल मिला कर देखें तो एक समय इंजीनियरिंग मोर्चे पर अग्रणी समझी जाने वाली कंपनी ने मूर्खतापूर्ण गलती की। बोइंग 707 विकसित करने के समय लगभग दिवालिया हो चुकी कंपनी ने बोइंग 747 के मामले में फिर यही गलती दुहराई। इससे शार्टकट अपनाने के कारण उसकी इज्जत मिट्टी में मिल गई, जबकि वह समकालीन दुनिया में बोइंग 777 व बोइंग 787 का बाजार पुन: परिभाषित कर सकती थी। जनता के सामने आए ई-मेल से स्पष्ट है कि कंपनी के कार्यकारियों के घमंड ने मामला और खराब कर दिया।

संभवत: बोइंग 737 मैक्स इस साल के मध्य तक सेवा में वापस नहीं आ सकेगा। अमेरिका में नागरिक उड्डयन नियामक फेडरल एवियेशन एडमिनिस्ट्रेशन-एफएए पहले की तरह बोइंग के दबाव में नहीं आएगा। हालांकि, अमेरिका के व्यापारिक हितों व रक्षा उद्योग के लिए इतनी महत्वपूर्ण कंपनी को किसी भी स्थिति में बरबाद नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन कंपनी का घमंड उन बैंकरों के घमंड से कम नहीं है जिन्होंने 2008 में कंपनी की वित्तीय स्थिति का अनुमान नहीं लगाया था। बोइंग को अपनी तथा बोइंग 737 की खोई प्रतिष्ठा वापस पाने के लिए बहुत कुछ करना होगा। शुरुआत में विनम्रता प्रदर्शित करना उसके लिए उचित होगा।

सेल्फी की कसक

बीते दिनों मोटा भाई का एक कार्यक्रम राजधानी में आयोजित हुआ। एयरपोर्ट से लेकर राम कथा पार्क तक जहां केंद्रीय मंत्री का कार्यक्रम होना था फोटो खिंचवाने की होड़ थी। इसमें मंत्री से लेकर पदाधिकारियों तक सबमें बेचैनी थी मगर संगठन ने एयरपोर्ट पर कुछ ही लोगों को अनुमन्य किया कि वह स्वागत करने जाएंगे। इसमें सत्ताधारी दल के मीडिया विभाग के भी एक महोदय सबको चकमा देते हुए पहुंच गए और स्वागत कर आए। अब उनकी फोटो जब वायरल हुई तो लोगों में बेचैनी हो बढ़ गई कि संपर्क विभाग के लोग तो गए लेकिन और साथी रह गए। यही नहीं सरकार के मंत्रिमंडल के कैबिनेट मंत्रियों को भी मंच तक जाने की अनुमति नहीं मिली। मंच पर मोटा भाई और सीएम के साथ सिर्फ दोनों डिप्टी सीएम और संगठन से प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महासचिव और उपाध्यक्ष को ही अनुमति थी। मंच के सामने सभी मंत्रिगण बैठे लेकिन हर किसी को आस थी किसी तरह मंच पर जाने का मौका मिल जाए ताकि फोटो सेशन हो जाए। संगठन के अनुशासन के आगे सबके हाथ बंधे थे लेकिन जो एयरपोर्ट तक पहुंच गए उनको लेकर संगठन में अब चर्चा जोरों पर है।

घंटाघर का साया

अच्छे खासे खाकी महकमे की स्पेशल फोर्स में जलवे से नौकरी कर रहे एक डिप्टी साहब बुरे फंस गए हैं। तेजतर्रार छवि और बेदाग नौकरी की वजह से आला अधिकारियों के काफी चहेते हैं। यही वजह है कि जब दो शहरों में कमिश्नरी घोषित हुई तो तुरंत सहायक पुलिस आयुक्त के लिए उनके नाम का प्रस्ताव कर दिया गया। तत्काल प्रभाव से स्पेशल फोर्स से तबादला अवध की नगरी में कर दिया गया। एक नई सर्किल का गठन कर उन्हें वहां का सहायक पुलिस आयुक्त बना दिया गया। पद तो मिल गया लेकिन जब वह अपनी रवानगी और आमद कराने के बाद पदभार ग्रहण करने के लिए चले तो पता चला कि उनके लिए तो अभी कोई कार्यालय तय ही नहीं हुआ आखिर उनकी सर्किल नई जो बनी है। बेचारे बिना कार्यालय ही एक-दो दिन टहलते रहे फिर रही सही कसर घंटाघर ने पूरी कर दी। घंटाघर ने तो उनका घंटा ही बजा रखा है। बेचारे पुराने लखनऊ में बहुत दिनों सेवाएं दे चुके हैं और वहां के लोग उनके व्यहार के मुरीद थे। लिहाजा हुक्मरानों ने आदेश कर दिया कि घंटाघर में चल रहे महिलाओं के प्रदर्शन के दौरान शांति व कानून व्यवस्था का जिम्मा वही संभाले। अब बगैर आफिस वाले सहायक आयुक्त सिर्फ घर सोने जाते हैं, उनका बाकी समय घंटाघर में ही कटता है। इधर उनकी नई नवेली सर्किल के ही एक थाने की पुरानी बिल्डिंग में फिलहाल उनके मातहतों ने उनके बैठने का इंताजम तो कर दिया है लेकिन स्थिति यह है कि ज्वाइनिंग के कई दिन गुजर जाने के बावजूद बैठना तो दूर की बात वह अभी तक अपने नए कार्यालय के दर्शन करने तक नहीं पहुंच पाए हैं।

फिजूलखर्ची पर पहरा

मराठा राज के दौरान संस्थान में शिवाजी की मूर्ति स्थापित की गयी थी। उस समय मुखिया भी मराठा जगत से थे और मुखिया के भी मुखिया भी मराठा। इसलिए मूर्ति की स्थापना में कोई दिक्कत नहीं आई। मूर्ति स्थापना के बाद हिंदवी समारोह के जरिए मूर्ति का अनावरण किया गया। मूर्ति की शान में कई लाइटें लगाई गयी थी जो शाम होते ही अपना फोकस मूर्ति पर कर देती थीं। एक सप्ताह यह प्रक्रिया चली कि लाइट चोरी हो गई। लाइट चोरी की खबर जैसे ही मुलाजिमों को मिली तो उनकी घिग्घी बंध गई। अब क्या करें। किसी तरह से बात मुखिया के संज्ञान में लाई गई तो उन्होंने राजकोषीय घाटे की परवाह न करते हुए शिफ्ट के अनुसार लाइट के लिए तीन अंगरक्षक बिठा दिये। कुछ दिनों के अंतराल पर संस्थान में मराठा राज तो खत्म हो गया पर अप्रत्यक्ष रूप से राज कायम रहा। लिहाजा, कमॉन संभालने वाले मुखिया ने उसे बरकरार रखा। तीन साल का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही सूबे में भी मराठा राज की धमक खत्म हो गयी। लिहाजा नये मुखिया के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था संभालने वाले गुरुजी की नजर जब इस खर्च पर पड़ी तो वह चकरा गये कि केवल लाइट के लिए तीन सुरक्षाकर्मी। उन्होंने आव न देखा ताव फिजूलखर्जी पर रोक लगाते हुए गार्डों को हटाते हुए अन्य को जिम्मेदारी दे दी। साथ ही उन्होंने ताकीद भी की कि लाइट चोरी हुई तो तनख्वाह से पैसे कटेंगे। गुरुजी का इतना फरमान कि लाइटें अपनी जगह बरकरार है।

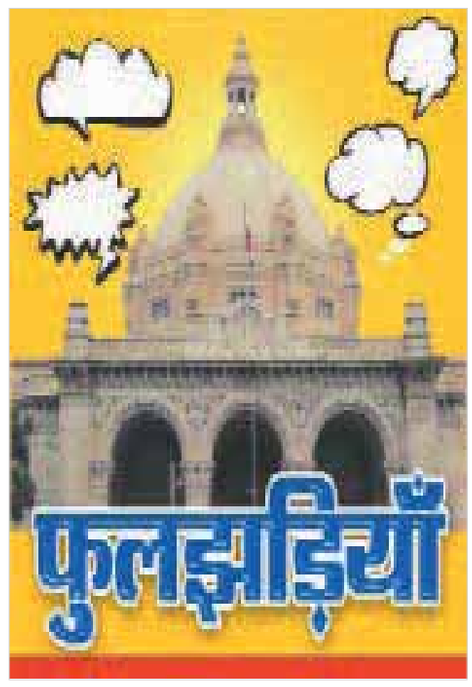

विचित्र खेल चित्र का

सत्ता के गलियारों में योगी सरकार का एक अहम विभाग चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। इस विभाग के बॉस के दफ्तर में गांधी बनाम अम्बेडकर का मुकाबला जो चल रहा है। अफसरों की तैनाती के साथ यहां कभी गांधी जी का रुतबा बढ़ जाता तो कभी अम्बेडकर जी का। फिलहाल ताजा खबर यह है कि इस दफ्तर में गांधी जी की फिर से वापसी होने जा रही है और अम्बेडकर जी की विदाई। दरअसल यह विभाग आपदा पीड़ित परिवारों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम करता आया है। इस मुखिया की कुर्सी पर जब जैसा अफसर बैठा, उसी के हिसाब से दफ्तर के अन्दर फोटो लगते-हटते रहे। पिछले काफी दिनों से विभाग के मुखिया की कुर्सी पर दलित चिंतक विराजमान थे सो गांधी जी की चुपके से बिदाई करके अम्बेडकर जी का चित्र स्थापित कर दिया गया था। नये अफसर के आने पर फिर गांधी जी के चित्र की तलाश हो रही है ताकि नये बॉस के कमरे में इसे लगाया जाये। इससे पहले भी इस दफ्तर में दोनों महापुरूषों के चित्रों के साथ ऐसा होता रहा है। एक समय तो ऐसा आया था जब इस विभाग के बॉस ने दोनों महापुरूषों के चित्रों को हटाकर अपना ही चित्र लगावा दिया था। वैसे पीएम मोदी तथा सीएम योगी के चित्र फिलहाल स्थायी रूप से स्थापित हैं।

यह वो तो नहीं

राजनीति की रणभूमि पर अपने पैंतरों से कई सूरमाओं को चारों खाने चित करने वाले और लोहे सा इरादा रखने वाले सियासी पहलवान अब काफी बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। उनके पहनावे में तो फिलहाल कोई अंतर नही आया है। वही सफेद धोती, कुर्ता और सिर पर लाल टोपी। लेकिन वक्तव्य में जो तीव्रता थी वह मंद पड़ती दिख रही है। उनके आस-पास के लोगों का तर्क है कि सियासी पहलवान की उम्र हो गई है लेकिन राजनीतिक गलियारों में अभी भी यह चर्चा है कि पहलवान पर उम्र का असर कम पारिवारिक बंदिश जादा है। आज भी जब वह मंच पर आते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि वह कुछ बोलना तो चाहते हैं लेकिन उन पर कोई ऐसी बंदिश है जो उनको मौन किए हुए है। अभी हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में जिस प्रकार से वह बोल रहे थे उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह उनकी भाषा नहीं किसी और की है क्योंकि जब यह सियासी पहलवान अपना वक्तव्य शुरू करता था तो बगैर चीन का जिक्र किए शांत नही होता था। इस बार उनके भाषण में न तो चीन था और न ही देश की सीमाएं। उनके भाषण का दायरा एक सीमा में बंधा दिखाई दे रहा था और इससे लग गया कि सियासी पहलवान मौजूदा समय में बंदिशों में जी रहा है।

मतदान प्रतिशत बढ़ना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत: राज्यपाल

- डीजीपी समेत पुलिस व प्रशासनिक अफसरों को किया गया सम्मानित
- राज्यपाल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर दिलाई शपथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी काफी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र के पर्व में महिलाएं और सजग हो इसके लिए जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम निर्वाचन आयोग को आयोजित कराने होंगे। उन्होंने कहा कि मतदान में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ाना होगा।

आनंदीबेन पटेल ने 2019 के लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने पर पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पुलिस और प्रशासन के अफसरों को राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डीजीपी ओपी सिंह, डीजी जेल आनन्द कुमार, आइजी रेंज मेरठ प्रवीण कुमार, आईजी, डीआइजी लॉ एंड ऑर्डर विजय भूषण सहित कई जिलों के डीएम व अफ सरों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मतदान करना हमारा नैतिक कर्त्तव्य है। इसका प्रयोग सोच समझकर करना चाहिए क्योंकि गलत मतदान करने से राज्य व क्षेत्र का विकास नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पहले की अपेक्षा अब हो रहे चुनाव में काफी बदलाव आया है। पहले जहां 33 से 40 प्रतिशत मतदान होता था वहीं अब 80 प्रतिशत तक होने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है कि मतदान में महिलाओं का भी प्रतिशत बढता जा रहा है। पहले की अपेक्षा अब महिलाएं बढ-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रही हैं। महिलाएं न केवल मतदान कर रही हैं बल्कि वह चुनाव-प्रचार में भी सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं जो इस बात का संकेत है कि उनमें मतदान एवं इसके महत्व के बारे में जागरूकता आयी है। उन्होंने कहा कि मतदान जागरूकता के सम्बन्ध में बच्चों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी और उनके बातचीत से यह परिलक्षित होता है कि युवा वर्ग चुनाव में मतदान के प्रति वे कितने जागरूक हैं। राज्यपाल ने कहा कि मतदाता जागरूकता सम्बन्धी निरन्तर चलते रहने वाले कार्यक्रमों के परिणाम स्वरूप आम मतदाताओं में जागरूकता बढ़ी है। हमें शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रयास करना होगा और इसके लिए यह आवश्यक है कि शहर से लेकर गांव स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये और उन्हें मतदान के महत्व को समझाते हुए निडर होकर बिना किसी प्रलोभन में आये मतदान के लिए उत्प्रेरित किया जाय। इससे पहले राज्यपाल ने मतदाता दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों को मतदाता शपथ दिलायी एवं पहली बार मतदाता बने 5 युवा मतदाता को मतदाता पहचान पत्र उनके हाथों में सौंपा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में सबसे बड़ा चुनाव पंचायत चुनाव होता है जो इस साल के अंत तक होगा। इस चुनाव में विभिन्न पदों पर करीब 80 हजार से अधिक लोग चुने जाते हैं। अगले माह से पंचायत चुनाव को लेकर मतदाता सूची को बनाने का काम शुरू होगा जो कि तीन माह में पूरा कर लिया जाएगा। पंचायत चुनाव में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े इसके लिए आयोग द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव आरके तिवारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एके शुक्ला एवं मण्डलायुक्त मुकेश मेश्राम, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश के अलावा वरिष्ठ अधिकारी के साथ ही बड़ी संख्या में विभिन्न स्कूलों के बच्चे उपस्थित थे।

राजधानी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर रूमी गेट के सामने लगीं तिरंगे झंडे की दुकानें

धान खरीद में ऊंची छलांग पांच सालों का टूटा रिकार्ड

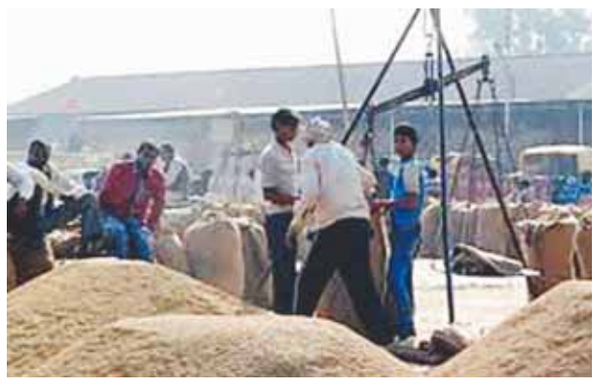

- पश्चिमी यूपी में सरकारी लक्ष्य से अधिक खरीद दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

धान खरीद में योगी सरकार ने ऊंची छलांग मारी है। पिछले पांच सालों में राज्य में हुई धान की कुल खरीद को पीछे छोड़ते सरकार ने खरीद लक्ष्य के आंकड़े को पार कर लिया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार प्रदेश में धान खरीद का नया रिकार्ड बनेगा।

सरकार द्वारा जारी किये गये धान खरीद के आंकड़ों के मुताबिक 51.40 लाख मीट्रिक टन की धान खरीद हो चुकी है। जिसमे पश्चिमी यूपी के जिलों में 16.60 लाख मीट्रिक टन खरीद लक्ष्य के मुकाबले 19.19 लाख मीट्रिक टन धान किसानों से अब तक खरीदा गया है। ऐसे ही पूर्वी यूपी में आने वाले जिलों के लिये 33.32 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य सरकार ने तय किया था और अभी तक यहां 3..66 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। अधिकरियों का कहना है कि अभी पहले चरण की खरीद 31 जनवरी तथा दूसरे चरण की खरीद 28 फरवरी तक होनी है। बचे दिनों में धान खरीद का आंकड़ा 58 से 60 लाख मीट्रिक टन के आसपास पहुंचने की अधिकारियों को उम्मीद है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2014-15 में धान की कुल खरीद 18.18 लाख मीट्रिक टन, वर्ष 2015-16 में 43.43 लाख मीट्रिक टन, वर्ष 2016-17 में 35.14 मीट्रिक टन, वर्ष 2017-18 में 42.90 लाख मीट्रिक टन तथा वर्ष 2018-19 में 48.45 लाख मीट्रिक टन धान की कुल खरीद हुई थी।

इस तरह धान खरीद के सरकारी लक्ष्य के साथ-साथ पिछले पांच साल में धान की कुल खरीद के आंकड़ा पार हो गया है जबकि अभी धान की खरीद जारी है।अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर धान बेंचने के लिये 9.03 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया था। जिसमे 8.62 लाख किसान तथा 34520 बटाईदार और 5202 कांट्रैक्ट पर खेती करने वाले थे।

हुनर हाट की तर्ज पर होगा 'यूपी हाट' का आयोजन: सिद्धार्थ नाथ

ओडीओपी तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के एक-एक हजार लाभार्थियों को उन्नत टूल किट का वितरण

- जेम सेल भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य हुआ एमओयू
- राज्य स्तरीय पुरस्कार के तहत 40 हजार 30 हजार एवं 20 हजार की राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर उद्यमियों को किया गया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर शनिवार को अवध शिल्पग्राम में 'एक जनपद एक उत्पाद' खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं माटी कला बोर्ड विषय पर एक तकनीकी एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन खादी एवं ग्रामोद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीति 'सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास' को ध्यान में रखते हुए उपस्थित हस्तशिल्पी एवं परंपरागत कारीगरों को ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, खादी और ग्रामोद्योग एवं माटी कला योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उद्यमियों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों से योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने ओडीओपी योजना द्वारा स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने एवं प्रोत्साहन के लिए योजना की विशेष प्रशंसा की और कहा इनमे से कई उत्पाद ऐसे हैं जो अपनी पहचान खो रहे थे और इन्हें एक जनपद एक उत्पाद योजना के माध्यम से पुनर्जीवित किया गया है। खादी को बढ़ावा देने के लिए रेमण्ड के साथ समझौता किया जायेगा। उद्यमियों के पैसे की दिक्कत को दूर करने के लिए बैंकों का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नयी तकनीक के आने से गुणवत्तापरक उत्पाद बनेंगे और निर्यात बढ़ेगा। एमएसएमई मंत्री ने कहा की परम्परागत व्यवसायों में सैकड़ों वर्षों से कार्यरत उद्यमियों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों के उत्पादों में मूल्य वृद्धि के माध्यम से उनके सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा की आगामी कुछ महीनों में ओडीओपी प्रकोष्ठ डिफेन्स एक्सपो, सूरजकुंड क्राफ्ट मेला, दिल्ली हाट इत्यादि में भी ओडीओपी प्रदर्शनी लगाने जा रहा है। हुनर हाट की तर्ज पर 'यूपी हाट' का आयोजन प्रदेश एवं देश के मुख्य शहरों में किया जायेगा। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री, खादी, ग्रामोद्योग, टेक्सटाइल, एमएसएमई और निर्यात संवर्धन चौधरी उदयभान सिंह ने लोगों से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता ही उत्पादन की जननी हैए जैसे जैसे आवश्यकता बढ़ती हैए वैसे वैसे उत्पादन भी बढ़ता है। देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विभिन्न प्रकार के उद्योगों ने जन्म लिया। देश की जमीन से जुड़े हुए उद्योग धंधों को जब तक संबल प्रदान नहीं करेंगेए तब तक देश का विकास नहीं हो सकता। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष गोपाल अंजान ने माटी कला के विकास के लिए संचालित योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकार एवं परम्परागत कारीगरों यथा बढई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री, हस्तशिल्पी को प्रशिक्षण एवं नि:शुल्क उन्नत टूल किट प्रदान करके इन परम्परागत उद्यमियों के आजीविका के संसाधनों को सुदृढ़ किया जा रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 20000 लोगों को लाभान्वित किये जाने का लक्ष्य है।

प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल ने तकनीकी सत्र के दौरान प्रदेश में जेम के माध्यम से शासकीय क्रय तकनीकी कठिनाइयों के ससमय निराकरण हेतु प्रदेश स्तर पर एक जेम पीएमयू के गठन की बात कही। इसके लिए जेम सेल भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्यम से एमओयू किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पीएमयू के गठन से सभी सरकारी विभागों को जेम से सामानध्सेवाओं के क्रय में सुगमता होगी। एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत रोजगार अवसरों में वृद्धि हेतु सुजीत कुमार प्रबन्ध निदेशकके साथ भी समझौता किया गया। डॉ. सहगल ने कहा कि प्रथम यूपी दिवस के अवसर पर ओडीओपी कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। इसके तहत पारंपरिक कारीगरों को तमाम प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा इस आयोजन में ओडीओपी की मुख्य भूमिका होती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश तभी आगे बढ़ेगा, जब अंतिम पायदान का व्यक्ति आर्थिक रूप से सशक्त होगा। इस अवसर पर एक जिला एक उत्पाद तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के एक-एक हजार लाभार्थियों में उन्नत टूल किट का वितरण किया गया। इसके साथ ही ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं खादी एवं ग्रामोद्योग की विभिन्न योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 18 प्रतिष्ठित हस्तशिल्पियों एवं उद्यमियों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की 3 एवं माटी कला बोर्ड की 3 संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया।

मेयर का राधा गौशाला का औचक निरीक्षण, देश में आदर्श बनाने के निर्देश

लखनऊ(पीएनएस)। जरहरा में मेयर ने राधा गौशाला का निरीक्षण किया। गौशाला में मौजूद जानवरों की खुराक की जानकारी अधिकारियों से की। अधिकारियों ने 531 गायों को नियमित चारा दिए जाने की जानकारी दी। गौशाला के पास श्वान बाड़े में 940 कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है, साथ ही 160 कुत्तों की नसबंदी इस माह और किए जानें की जानकारी दी गयी। शनिवार को इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड के महापौर संयुक्ता भाटिया ने जरहरा स्थित राधा गौशाला एवं श्वान केद्रांश की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंची महापौर ने सर्वप्रथम राधा गौशाला में गायों के चारागाह एवं नाँद का निरीक्षण कर गायों को दी जा रही खुराक की जानकारी प्राप्त की। मौके पर उपस्थित डॉक्टर राजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि यहाँ पर 531 गाय रखी गयी है एवं 20 दुधारू गायों के लिए अलग से व्यवस्था की गयी है, साथ ही इनके लिये उपयुक्त मात्रा में भोजन भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है। इसके पश्चात महापौर संयुक्ता भाटिया ने अवारा कुत्तों के श्वान केंद्र का भी औचक निरीक्षण किया। वहाँ पर इंचार्ज के रूप में कार्य देख डॉ राजेश कुमार पांडेय ने महापौर को बताया कि जनवरी माह में ही कुल 940 कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है साथ ही 160 कुत्तों की नसबंदी इस माह और की जानी है। इसके अतिरिक्त महापौर ने गौशाला में गोबर से गैस बनाने के लिए बायो गैस प्लांट लगाने, गौशाला को उपक्रमशील और आदर्श बनाने के लिए योजना बनाकर प्रस्तुत करने के लिए निर्देशत किया।

बांग्लादेशी और पाकिस्तानी मुस्लिम घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए: शिवसेना

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे के बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों को बाहर निकालने को लेकर मोदी सरकार को अपना समर्थन देने के दो दिन बाद शिवसेना ने शनिवार को कहा कि इन देशों के मुस्लिम घुसपैठियों को भारत से बाहर निकाला जाना चाहिए।

शिवसेना ने हिंदुत्व की ओर अपनी विचारधारा बदलने के लिए राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि वी. डी. सावरकर और दिवंगत पार्टी संस्थापक बालासाहेब ठाकरे द्वारा प्रसारित विचारधारा के तौर पर हिंदुत्व का मुद्दा लेकर चलना बच्चों का खेल नहीं है। उसने यह कहते हुए उन्हें ताना मारा कि दो झंडे होना दिखाता है कि दिमाग में भ्रम है। शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र सामना में एक संपादकीय में कहा, पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुस्लिम घुसपैठियों को भारत से बाहर करना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। लेकिन यह देखना दिलचस्प है कि एक पार्टी इसके लिए अपना झंडा बदल रही है।

उसने कहा, दूसरा, दो झंडे होना दिमाग में भ्रम की स्थिति दिखाता है। राज ठाकरे ने मराठी मुद्दे पर 14 साल पहले अपनी पार्टी की स्थापना की थी लेकिन अब यह हिंदुत्व की ओर जाती दिख रही है। राज ठाकरे ने बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी के नए झंडे का अनावरण किया जो भगवा रंग का है और जिसमें योद्धा राजा शिवाजी के समय के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली राजमुद्रा है।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा, सावरकर और बालासाहेब के हिंदुत्व के मुद्दे को लेकर चलना बच्चों का खेल नहीं है। फिर भी अगर कोई हिंदुत्व की बात कर रहा है तो हमारे पास उसका स्वागत करने की दिलदारी है। विचार उधार के भले ही हों लेकिन हिंदुत्व के ही हैं। हो सके तो आगे बढ़ो। पार्टी ने कहा, शिवसेना ने मराठी के मुद्दे पर पहले ही काफी काम कर लिया है। अत: मनसे को मराठी लोगों से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह आलोचना है कि राज ठाकरे हिंदुत्व की ओर चले गए क्योंकि भाजपा ऐसा चाहती थी। लेकिन मनसे को इस मोर्चे पर भी कुछ नहीं मिलने की उम्मीद है क्योंकि शिवसेना ने देशभर में हिंदुत्व पर काफी काम किया है।

संपादकीय में कहा गया है, शिवसेना ने कांग्रेस और राकांपा के साथ महाराष्ट्र में सरकार बनाई। इसका यह मतलब नहीं है कि पार्टी ने अपनी विचारधारा छोड़ दी है। इसमें कहा गया है, भाजपा महबूबा मुफ्ती समेत किसी के भी साथ हाथ मिला सकती है लेकिन अगर अन्य ऐसा ही राजनीतिक कदम उठाए तो यह पाप बन जाता है। हालांकि तीनों दलों (राकांपा-शिवसेना और कांग्रेस) की विचारधाराएं अलग हैं, लेकिन उनके बीच सहमति है कि सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम करेगी। जो भाजपा पांच वर्षों में नहीं कर पाई वो महाराष्ट्र विकास आघाडी सरकार ने 50 दिनों में कर दिखाया। मनसे प्रमुख के इस बयान पर कि शिवसेना ने सरकार का हिस्सा बनने के लिए अपना रंग बदल लिया, इस पर पार्टी ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां राजनीतिक दिवालियापन दिखाती हैं।

जौरा विधानसभा सीट के उपचुनाव के साथ भाजपा मप्र की सत्ता में करेगी वापसी: चौहान

भाषा। भोपालग्वालियर

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को दावा किया कि जौरा विधानसभा सीट के उपचुनाव के बाद भाजपा प्रदेश की सत्ता में वापसी करेगी। चौहान ने पत्रकारों से कहा, जिस प्रकार प्रदेश में जनता के बीच हाहाकार मचा हुआ है, उसे देखते हुए भाजपा केवल जौरा (मुरैना जिले के विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव) में ही नहीं बल्कि प्रदेश की सत्ता में भी वापसी करेगी। प्रदेश की मंत्री इमरती देवी के विपक्ष पर दिए गए एक बयान के बारे में पूछ जाने पर चौहान ने कहा कि किसी को सत्ता के अहंकार में चूर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने का मतलब यह नहीं है कि विपक्ष को कुछ भी बोल दिया जाए। यह लोकतंत्र है और इसमें विपक्ष के भी कुछ अधिकार होते हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस की मानसिकता विपक्ष को कुचलने की है तो यह उसकी भूल है। इसी मानसिकता में वह खुद ही कुचल जाएगी। मीडिया से बात करने से पहले चौहान ने शनिवार को ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री चौहान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस ने इसे चौहान का दिवास्वप्न करार दिया। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा, कांग्रेस सरकार बनने के बाद पिछले एक साल से भाजपा लगातार प्रदेश में सरकार बनाने का दावा कर रही है। देश के अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों के हाल में आए परिणामों में भाजपा की पराजय हुई है इसलिए चौहान को अब दिन में यह सपना देखना बंद कर देना चाहिए। गौरतलब है कि जौरा विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक बनवारी लाल शर्मा (61) का 21 दिसंबर को निधन हो गया था। उनकी मृत्यु के बाद जौरा सीट खाली पड़ी है और इस सीट पर छह माह के अंदर उपचुनाव कराए जाएंगे। मध्य प्रदेश की कुल 230 सदस्यों वाली विधानसभा में कांग्रेस 114 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है और भाजपा के 108 सदस्य हैं। कांग्रेस ने चार निर्दलीय, बसपा के दो और समाजवादी पार्टी के एक विधायक के समर्थन से राज्य में सरकार बनाई है। कांग्रेस विधायक शर्मा के निधन के बाद विधानसभा में एक सीट रिक्त है।

कांग्रेस, राकांपा ने कोरेगांव भीमा मामले की जांच एनआईए को सौंपने की निंदा की

भाषा। मुंबई

कोरेगांव भीमा हिंसा मामले की जांच एनआईए को सौंपने के केंद्र के फैसले की निंदा करते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि अचानक उठाया गया यह कदम भाजपा की साजिश की पुष्टि करता है। राकांपा ने भी आरोप लगाया कि केंद्र के कदम का मकसद महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के गलत कारनामों पर पर्दा डालना है। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिव सावंत ने ट्वीट किया, महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार द्वारा पुणे पुलिस की जांच की पुन: जांच कराने की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद भीमा कोरेगांव दंगा मामले को अचानक एनआईए द्वारा अपने हाथ में लेना भाजपा की साजिश की पुष्टि करता है। एनआईए को इस मामले की जांच हाथ में लेने के लिए दो साल का वक्त क्यों लगा? कड़ी निंदा।

उन्होंने कहा, एनआईए को यह मालूम चलने में दो साल क्यों लगे कि यह मामला उसके अधिकारक्षेत्र के लिए उपयुक्त है। इस फैसले की कड़ी निंदा करता हूं। राकांपा प्रवक्ता एवं राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि यह राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के गलत कारनामों को छिपाने के लिए केंद्र का प्रयास है।

गडकरी ने शिवसेना पर भाजपा के साथ विश्वासघात करने का लगाया आरोप

भाषा। नागपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि भाजपा पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हारी नहीं बल्कि शिवसेना ने उसके साथ विश्वासघात किया। उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना ने न केवल अपने सहयोगी को छोड़ा बल्कि अपनी विचारधारा भी छोड़ दी।

यहां भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, मैं नहीं समझता कि भाजपा चुनाव हार गई। शिवसेना ने हमारा साथ और अपनी विचारधारा को छोड़ दिया। भाजपा चुनाव हारी नहीं बल्कि उसके साथ विश्वासघात किया गया। भाजपा और शिवेसना ने मिलकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ा था और उन्होंने क्रमश: 105 एवं 56 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था। लेकिन शिवसेना ने भाजपा के साथ तीन दशक पुराना संबंध तोड़ लिया क्योंकि भाजपा ने उससे मुख्यमंत्री का पद साझा करने से इनकार कर दिया। तब शिवसेना ने राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिला लिया एवं उद्धव ठाकरे की अगुवाई में सरकार बनाई। हाल के जिला परिषद चुनाव नतीजे पर गडकरी ने कहा कि भाजपा को अधिक वोट प्रतिशत मिलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, लेकिन हमारी ताकत नागपुर ग्रामीण में जस की तस है और हमारे विरूद्ध जो एक साथ आए, वे हमारी ताकत से डरे हुए हैं। भले ही वे साथ आ जाएं लेकिन हम उन्हें हरा देंगे। इसी माह के प्रारंभ में भाजपा नागपुर में जिला परिषद गंवा बैठी थी। नागपुर गडकरी और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का गृह जिला है।

उत्तराखंड कांग्रेस के लिए उपाध्यक्षों, महासचिवों और सचिवों की नियुक्ति

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई के लिए शनिवार को 22 उपाध्यक्षों, 31 महासचिवों और 98 सचिवों की नियुक्ति की गई। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) के इन पदाधिकारियों की नियुक्ति के साथ सुनील गुलाटी को कोषाध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही 90 नेताओं को यूपीसीसी का विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और इंदिरा हृदएश, प्रदीप टम्टा और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

जंगली हाथी ने किया दंपति पर हमला, पति की मौत

भाषा। जशपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जंगली हाथी ने वृद्ध दंपति पर हमला कर दिया। इस हमले में पति की मौत हो गई है।

जशपुर जिले के वन विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को यहां बताया कि जशपुर वन मंडल के अंतर्गत तपकरा वन परिक्षेत्र में सागजोर गांव के समीप जंगली हाथी ने एक दंपति पर हमला कर दिया। इस हमले में आनंद प्रकाश (55) की मौके पर ही मौत हो गई है। हाथी के हमले के दौरान आनंद की पत्नी बाल-बाल बच गई। अधिकारियों ने बताया कि महिला अपने बीमार पति आनंद प्रकाश तिग्गा को अस्पताल ले जाने के लिए सड़क किनारे बस की प्रतीक्षा कर रही थी। इस दौरान अचानक एक जंगली हाथी ने दंपति पर हमला कर दिया। हाथी ने आनंद प्रकाश को कुचल दिया। वहीं उनकी पत्नी ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 15 हाथियों के दल से बिछड़कर यह हाथी काफी आक्रामक हो गया है। इस हाथी की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। लेकिन आज तड़के यह अचानक समीप के जंगल से निकलकर मुख्य सड़क पर आ गया था। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को तत्कालीन आर्थिक सहायता के रूप में 25 हजार रुपए दिए गए हैं।

डीआरआई ने तस्करी का दस किलोग्राम सोना किया बरामद

भाषा। कोलकाता

राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ कर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और दस किलोग्राम सोना, 429 किलोग्राम चांदी और 20.16 लाख रुपए जब्त किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। डीआरआई द्वारा शनिवार को जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि जब्त की गई कुल सामग्री का मूल्य 6.42 करोड़ रुपए है। गिरोह सोने के बिस्कुट की तस्करी में शामिल था जिसे पश्चिम बंगाल के उत्तरी परगना जिले से सटी सीमा से होकर बांग्लादेश से भारत लाया जाता था।

गोपनीय सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने गुरुवार को कोलकाता के बुर्राबाजार क्षेत्र में तलाशी ली। वक्तव्य में कहा गया कि एजेंसी ने विदेश में निर्मित चांदी के सिक्के और 20.16 लाख रुपए जब्त किए।

डीआरआई अधिकारियों ने सीमा शुल्क कानून के तहत दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया। वर्तमान वित्त वर्ष में डीआरआई ने पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 256 किलोग्राम सोना जब्त किया।

पंजाब जाने वाले ट्रक से 1,700 किलोग्राम चूरापोस्त जब्त

जम्मू, जनवरी। कश्मीर पुलिस ने पंजाब जाने वाले ट्रक से जम्मू में 1,700 किलोग्राम चूरापोस्त जब्त किया है और ट्रक के चालक तथा परिचालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि ट्रक घाटी से आ रहा था और इसे जम्मू के बाहरी इलाके में चन्नी के पास राजमार्ग पर शुक्रवार शाम को रोका गया। ट्रक में 193 सेब के बक्सों में छुपा कर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ रखा गया था, जिसे जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक दीदार सिंह और उसके सहायक मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे चूरापोस्त को घाटी से पंजाब तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। दोनों आरोपी लुधियाना के रहने वाले हैं। प्रवक्ता ने बताया कि उनके खिलाफ एनडीपीएस कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य मामले में, पुंछ जिले में गाड़ियों की जांच के दौरान शुक्रवार को 4.8 ग्राम हेरोइन मिलने के बाद मोहम्मद नासीर नाम के संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

नई दिल्ली में केंद्रयी वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से बजट सत्र से पहले मुलाकात की

गुजरात में 11 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में गैर कानूनी रूप से रह रहे 11 बांग्लादेशियों को शनिवार को हिरासत में लिया गया। गुजरात पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने बताया कि इशानपुर में चंदोला झील के पास बनी बस्ती से इन्हें हिरासत में लिया गया है। एसओजी के सहायक पुलिस आयुक्त बीसी सोलंकी ने कहा, पुलिस अब उन्हें बांग्लादेश निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। उन्होंने कहा, 11 बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे थे और यहां मजदूरी कर रहे थे।

सोलंकी ने कहा, हिरासत में लिए गए लोग भारतीय नागरिक होने का कोई भी दस्तावेज मुहैया नहीं करा पाए। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं वे किसी आपराधिक गतिविधि में तो शामिल नहीं थे।

सीएए को निरस्त करे केंद्र सरकार: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को केंद्र सरकार से मांग की कि वह संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को निरस्त करे क्योंकि यह धर्म के आधार पर लोगों से भेदभाव करने वाला कानून है। राज्य विधानसभा ने सीएए के खिलाफ एक संकल्प पत्र शनिवार को ध्वनिमत से पारित किया। इसका जिक्र करते हुए गहलोत ने ट्वीट किया, राज्य विधानसभा ने सीएए के खिलाफ संकल्प प्रस्ताव आज पारित किया और हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस कानून को निरस्त करे क्योंकि यह धार्मिक आधार पर लोगों से भेदभाव करता है जो हमारे संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है। गहलोत ने कहा, हमारा संविधान किसी भी प्रकार के भेदभाव पर रोक लगाता है। देश के इतिहास में पहली बार कोई ऐसा कानून बनाया गया है जो धार्मिक आधार पर लोगों के साथ भेदभाव करता है। यह हमारे संविधान के पंथनिरपेक्ष सिद्धांतों और हमारे संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है। उन्होंने देशभर में सीएए के विरोध का जिक्र करते हुए कहा कि चूंकि यह संविधान की मूल भावना के खिलाफ है इसलिए इसे निरस्त किया जाना चाहिए।

मप्र में दलित युवक की आग लगाकर हत्या मामले में भाजपा का प्रदेशव्यापी आंदोलन

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के सागर जिले में अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोगों द्वारा दलित युवक की आग लगाकर हत्या करने के मामले में राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने शनिवार को प्रदेशव्यापी विरोध आंदोलन किया। युवक धनप्रसाद अहिरवार (24) की बृहस्पतिवार को दिल्ली के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने चार आरोपियों छुट्टू, अज्जू पठान, कल्लू और इरफान को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्रदेश भाजपा के मीडिया सेल के प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर ने कहा कि भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। होशंगाबाद में विरोध प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपने के बाद नरयावली (सागर जिला) के भाजपा विधायक प्रदीप लारिया ने आरोप लगाया कि यह घटना कांग्रेस सरकार की तुष्टीकरण के नीति के कारण हुई। उन्होंने कहा कि इस घटना ने कांग्रेस सरकार का दलित विरोधी चेहरा सामने ला दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस शासन के दौरान दलितों के खिलाफ अपराध की दर बढ़ी है। जबलपुर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष राकेश सिंह ने आरोप लगाया कि घटना से पहले अहिरवार ने पुलिस से संपर्क कर अपनी जान को खतरा बताया था लेकिन अधिकारियों ने उसकी कोई मदद नहीं की। सिंह ने आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस सरकार की वोट बैंक की राजनीति और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीति के कारण पुलिस ने अहिरवार की आशंकाओं पर कोई कार्रवाई नहीं की और अंतत युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस घटना के विरोध में 28 जनवरी को सागर में एक विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि सागर के मोतीनगर इलाके में रहने वाले अहिरवार को उसके चार पड़ोसियों ने 14 जनवरी को मारपीट करने के बाद आग लगा दी थी। पुलिस के अनुसार आरोपी उस पर बच्चों के विवाद में की गई शिकायत में राजीनामा करने के लिए कई दिनों से दबाव डाल रहे थे। अहिरवार ने अपनी जान को खतरा होने की आशंका पुलिस को कई बार व्यक्त की थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों द्वारा जिंदा जलाने से अहिरवार 70 फीसदी तक झुलस गया था।

कर्नाटक सरकार भूमि सुधार कानून के कुछ नियमों में संशोधन करेगी: एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में शामिल होने के लिए दावोस की अपनी चार दिवसीय दावोस यात्रा को लाभदायक बताया है। एदियुरप्पा ने कहा कि उनकी सरकार ने भूमि अधिग्रहण में देरी को लेकर निवेशकों की चिंता के मद्देनजर भूमि सुधार कानून के कुछ नियमों में संशोधन करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, बैठक के दौरान निवेशकों की ओर से कुछ आशंकाए जताई गई और इकाई स्थापित करने के लिए बोझील प्रक्रिया पर आपत्ति जताई और हमने उनकी समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिया।

एदियुरप्पा ने पत्रकारों से कहा, उदाहरण के लिए उन्होंने जमीन अधिग्रहण में देरी की शिकायत की और हमने कहा कि नियमों का सरलीकरण किया जाएगा। हमने उन्हें बताया कि संबंधित कानूनों के नियमों में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने कहा, यथाशीघ्र जरूरी बदलाव किए जाएंगे। हम सभी प्रशासनिक समस्याओं का समाधान एक महीने के भीतर कर देंगे और कानूनी समस्याओं का सामधान कुछ महीनों में मौजूदा कानून में बदलाव के बाद करेंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने 19 जनवरी को दावोस गए थे और शुक्रवार दोपहर वापस लौटे।

राजसत्ता से मुक्ति की परंपरा है भारतीय ज्ञान: प्रो. चन्दन कुमार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में लोगों को संबोधित करते प्रो. चन्दन कुमार

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मोहनदास करमचंद गांधी समाज, राजनीति और दर्शन' विषय पर प्रो. चन्दन कुमार का अध्यक्षीय वक्तव्य हुआ। प्रो.चन्दन कुमार ने कहा कि स्वातंत्र्योत्तर भारत के गांधी एक वटवृक्ष हैं जिस पर कई घास फूस पनपे। उन्होंने कहा कि गांधी की जिद और मांग सिर्फ हिन्दू समाज ही सह सकता था। इतनी सहिष्णुता सिर्फ हिन्दू समाज में ही थी, जिसने उन्हें स्वीकारा। हम समाज की केंद्रीयता में संस्था को बनाने वाले लोग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब गांधी ब्रिटिश औपनिवेशिक शिक्षा केंद्रों का विरोध करते हैं तो राज्य केन्द्रित शिक्षा का विरोध करते हैं। गांधी ने अपने समय मे सैकड़ों नायकों को स्थापित किया। अपने वक्तव्य में जनार्दन पाठक और गांधी के बीच हुई वार्ता का जिक्र किया। बी.डी. भाटिया की पुस्तक फिलॉस्फी ऐंड एजुकेशन को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी का शिक्षा दर्शन राजसत्ता के प्रभाव से मुक्त था। गांधी के संपूर्ण जीवन दर्शन में उनकी ईमानदारी उल्लेखनीय है। सत्र के अन्य दो वक्ताओं में डॉ. प्रमोद तिवारी और अमित कुमार सुमन ने भी गांधी के शिक्षा दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

असम सरकार शाहीन बाग प्रदर्शन के मास्टरमाइंड के खिलाफ मामला दर्ज करेगी

गुवाहाट। असम के एक मंत्री ने शनिवार को कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था को बाधित करने के मकसद से की गई राजद्रोही टिप्पणी के लिए राज्य सरकार दिल्ली में शाहीनबाग प्रदर्शन के पीछे कथित तौर पर मुख्य रणनीतिकार के खिलाफ मामला दर्ज करेगी।

असम के वित्त मंत्री हेमंत विश्व सरमा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शरजिल इस्लाम को एक ऑडियो क्लिप में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि राज्य को शेष भारत से काटा जाए और कड़ा सबक सिखाया जाए। सरमा ने कहा, असम सरकार ने इस राजद्रोह वाले बयान का संज्ञान लिया है और इस व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस व्यक्ति ने बहुत सी गलत चीज़े बोली हैं, जिसका लक्ष्य असम में कानून एवं व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करना है। हम इस व्यक्ति को अदालत में लाएंगे ताकि उसे कानून के मुताबिक सज़ा मिले। दिल्ली में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पास शाहीन बाग में संशोधित नागरिकता कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजी के खिलाफ 15 दिसंबर से महिलाएं और बच्चों समेत हज़ारों लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।

अन्नाद्रमुक के पूर्व सांसद पलानीसामी पार्टी चिह्न का दुरुपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार

भाषा। कोयंबटूर

अन्नाद्रमुक के पूर्व सांसद के. सी. पलानीसामी को पार्टी के चिह्न का दुरुपयोग करने के आरोप में शनिवार तड़के यहां उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पलानीसामी को एक शिकायत के बाद आर एस पुरम स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को इस बात की शिकायत मिली थी कि वह अन्नाद्रमुक के नाम से वेबसाइट चला रहे हैं और दो पत्ती के पार्टी के चुनाव चिह्न का दुरुपयोग कर रहे हैं। पूर्व सांसद को 2018 में अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने पार्टी से अनुरोध किया था कि अगर वह कावेरी मुद्दे पर कोई उचित कदम नहीं लेती है तो केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करें। इसके बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। पुलिस ने बताया कि वे मामले की छानबीन कर रहे हैं।

बिशप फैंको मुलक्कल ने नन दुष्कर्म मामले में आरोप मुक्त करने के लिए याचिका दायर की

कोट्टायम (केरल)। रोमन कैथोलिक चर्च के जालंधर के पूर्व प्रमुख बिशप फ्रैंको मुलक्कल ने नन दुष्कर्म मामले से आरोप मुक्त करने के लिए शनिवार को निचली अदालत में याचिका दायर की। मुलक्कल ने अतरिक्त जिला एवं सत्र अदालत संख्या एक में दायर याचिका में दावा किया कि प्रथमदृष्टया उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता। निचली अदालत ने मामला चार फरवरी तक स्थगित करने के साथ अभियोजन पक्ष से नन से दुष्कर्म एवं यौन उत्पीड़न करने के आरोपी बिशप की याचिका पर जवाब दायर करने को कहा। उल्लेखनीय है कि बिशप ने आरोप मुक्त करने की याचिका उस समय दर्ज की जब माना जा रहा था कि अदालत शनिवार को आरोपों पर प्रारंभिक सुनवाई करेगी।

बेटे ने माता-पिता पर जीप चलाई मां की मौत, पिता घायल

कोरबा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में बेटे ने लापरवाही से माता-पिता को वाहन से कुचल दिया है। इस घटना में मां की मौत हो गई है तथा पिता घायल है। जांजगीर चांपा जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के अंतर्गत राहौद गांव में सूरज सिंह (20) ने पिता जेंडर सिंह (55) और मां मोटी बाई (45) को वाहन से कुचल दिया है। इस घटना में मोटी बाई की मौत हो गई है तथा जेंडर सिंह घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान से आए आयुर्वेद के जानकर जेंडर सिंह और उनका परिवार राहौद गांव में डेरा लगाए हुए हैं। जेंडर सिंह जड़ी बुटी से लोगों का इलाज करते हैं। शुक्रवार को जब जेंडर सिंह और उनकी पत्नी मोटी बाई वाहन से सामान उतार रहे थे तब सूरज सिंह ने वाहन चला दिया। इससे वाहन अनियंत्रित हो गया और दंपति वाहन के नीचे आ गए। उन्होंने बताया कि घटना के तत्काल बाद वहां उपस्थित लोगों ने वाहन रोका और पति-पत्नी को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने दोनों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मोटी बाई को मृत घोषित कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को जब घटना की जानकारी मिली तब गांव के लिए पुलिस दल भेजा गया। पुलिस ने सूरज सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

प्रेमी संग देख मामा ने की भांजी की हत्या

संवाददाता। बरेली

ममेरी बहन के नामकरण संस्कार में ननिहाल आई एक नाबालिग लड़की को उसके मामा ने अपने प्रेमी के साथ देख लिया और फिर उसकी जमकर पिटाई कर दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस में मामा समेत प्रेमी को भी हिरासत में ले लिया और लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। आंवला थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली 14 वर्षीय लड़की बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र के गांव की रहने वाली थी और आंवला में रहने वाला उसका मामा अपनी बेटी के नामकरण संस्कार के अवसर पर उसे 15 जनवरी को उसके घर से बुलाकर लाया था जहां पर कार्यक्रम संपन्न होने के बाद उसकी मां अगले ही दिन घर वापस लौट गई लेकिन बेटी को ननिहाल में छोड़ गई कल शाम को लड़की अपनी हम उम्र मौसी के साथ खेत में बने शौचालय में गई थी। मौसी शौचालय में ही थी लेकिन लड़की लापता हो गई। मौसी बाहर निकली और लड़की को ना देख कर वह समझी कि वह घर वापस चली गई होगी। लेकिन वो जब घर लौटी तो लड़की उसे दिखाई नहीं दी। तब मामा उसे देखने के लिए खेत पर गया। जहां उसने लड़की को गांव के ही रहने वाले एक युवक के साथ देख लिया। संदिग्ध अवस्था में देखकर मामा गुस्से में आ गया। उसने प्रेमी को पकड़ लिया। उसका एक साथी फरार हो गया। गुस्साए मामा ने लड़की की जमकर पिटाई लगा दी। जिससे वह घायल हो गई। घटना की सूचना जैसे ही गांव वालों को मिली बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर लग गई। लड़की को तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से हालत नाजुक देख कर इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके मामा और प्रेमी को हिरासत में ले लिया और लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं मृतका के घर वालों ने प्रेमी पर रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

सेल्समैन की लाश मिली, हत्या की आशंका

बरेली। कल शाम को व्यवसायिक मीटिंग में शामिल होने की बात कहकर कुछ युवकों के साथ घर से निकला सेल्समैन रात में घर नहीं आया। आज सुबह उसकी लाश घर से दूर सड़क किनारे पाई गई। घरवालों ने हत्या की आशंका जताई पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी।प्रेम नगर थाना क्षेत्र में शास्त्री नगर स्थित किराए के मकान में रहने वाले पीलीभीत के कोतवाली थाना क्षेत्र के खकरा निवासी 30 वर्षीय कुशल राज वर्मा पुत्र माखनलाल बर्मा की लाश बीती रात बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे पाई गई। रास्ते से गुजर रहे चौकीदार प्रदीप ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि कुशल राज वर्मा एक कंपनी में सेल्समैन तौर पर काम करता था और प्रेम नगर में शास्त्री नगर स्थित एक मकान में अपनी पत्नी अंजलि ढाई साल के बेटे के साथ रहता था। 2 दिन पहले शाम के समय कुछ लोगों के साथ घर से बाहर निकला था। जाते समय उसने बताया कि वह कंपनी की मीटिंग में शामिल होने के लिए एक होटल पर जा रहा है लेकिन वह 11 बजे तक वापस नहीं लौटा तब उसे तलाशने की कोशिश शुरू की गई। मोबाइल फोन भी नहीं मिला कुछ देर बाद एक युवक उसके घर आया और मोबाइल फोन देकर चला गया। लेकिन कुशल के बारे में कुछ नहीं बता बता सका। इधर कल शाम को उसकी लाश को लोगों ने बिथरी चैनपुर क्षेत्र में सड़क किनारे देखा। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। तब रास्ते से गुजर रहे चौकीदार ने भीड़ को देखकर रात को देखा और फिर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी मृतक के घरवालों को देकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घरवालों ने कहा कि जो लोग उसे घर से बुलाकर ले गए थे। वह घटना के बाद उसके घर या पोस्टमार्टम हाउस पर भी नहीं आए और सभी फरार हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

बेंगलुरू में पत्रकारों को संबोधित करते कर्नाटक के मुख्यमंत्री वीएस येदियुरप्पा

शराब के रैपर, होलोग्राम और ढक्कन के साथ एक गिरफ्तार

बरेली। पानीपत से बरेली आ रही एक ट्रक में पुलिस ने मुखबिर की सूचना के बाद बरेली में स्थित एक शराब फैक्ट्री में बनने वाली शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले ढक्कन होलोग्राम और रेपर आदि बरामद किए पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेजा।फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास थाना प्रभारी चंद्र किरण सिंह ने अपने साथी की मदद से मुखबिर की सूचना के बाद एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में बरेली की परसाखेड़ा स्थित सुपीरियर शराब फैक्ट्री से बनाई जाने वाली शराब की बोतलों पर लगने वाले 182700 रैपर 143075 ढक्कन और 120000 से अधिक होलोग्राम बरामद किए पुलिस ने ट्रक के चालक मध्यप्रदेश के इंदौर थाने की जीवनी थाना क्षेत्र की गुलजार कॉलोनी निवासी इकराम का पुत्र मोहम्मद रफी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसने बताया कि वह अपने ट्रक में बरेली की शराब फैक्ट्री के होलोग्राम व अन्य सामान कट्टों में लादकर इसे मुख्तार सिंह नाम के व्यक्ति को देने के लिए आया था। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर दिया। उसे पुलिस ने आज जेल भेज दिया। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए इकराम खान के साथी किला थाने के चौधरी मोहल्ला निवासी जगदीश उसका बेटा सुनील गौरव और पानीपत की पेट्रोल पंप के पास रहने वाला मुख्त्यार सिंह अभी भी फरार है।

ऐंड्रॉयड मोबाइल से दूर रहें खिलाड़ी: लाड

संवाददाता। मथुरा

धैर्य एवं लगन ही सफलता की कुंजी है। इसके लिए खिलाड़ियों को शिक्षण के साथ-साथ खेल में लगातार अभ्यास करना होगा। एक अच्छा खिलाड़ी ही अच्छा नागरिक बन सकता है। खेल में सीखे गये पल पूरे जीवन भर काम आते हैं। उक्त विचार क्रिकेटर रोहित शर्मा एवं शार्दुल ठाकुर के कोच रहे दिनेश लाड ने शनिवार को हाईवे स्थित चंद्रलेखा फाउण्डेशन के खेल मैदान में व्यक्त किए। दिनेश यहां चंद्रलेखा फाउण्डेशन द्वारा संचालित एचीवर्स क्रिकेट एकेडमी के उद्घाटन सत्र में खिलाड़ियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में वह खिलाड़ियों के लिए हर संभव टिप्स देने के लिए आते रहेंगे। उन्होंने बताया कि बड़े षहरों में अब भागने की आवश्यकता नहीं है। इसी मैदान पर पसीना बहाकर देश का नाम रोशन किया जा सकता है। उन्होंने वर्तमान में खिलाड़ियों में स्मार्ट फोन की होड़ को सिरे से नकारते हुए कहा कि उन्हें एक नार्मल फोन रखना चाहिए। स्मार्ट अथवा ऐंड्रायड फोन उनका कीमती समय से चुरा ही रहा है, साथ ही बहुत की गलत बाते अनचाहे ही सिखा रहा है। इससे युवाओं को दूर रहने की सलाह दी। इसका मैदान में उपस्थित खिलाड़ियों एवं अभिभावकों ने स्वागत किया। नेशनल क्रिकेटर परमिंदर सिंह ने कहा कि वह बोलने से ज्यादा मैदान में खेल की भाषा जानते हैं। उन्होंने बताया कि यहां गेंदबाज तैयार होंगे तो वह उन्हें धार देने के लिए सदैव तैयार हैं, बशर्ते खिलाड़ी ईमानदारी एवं अनुशासन से आगे बढ़ें। उन्होंने समय की कीमत को पहचानने की सलाह दी। बीसीसीआई के कोच धर्मेंद्र राना ने कहा कि परिहार परिवार से ब्रज में सुंदर मैदान एवं इंटरनेशनल टर्फ विकेट बनाकर यहां सचिन जैसा खिलाड़ी पैदा करने का जो सपना देखा है, उसे युवा ही पूरा कर सकते हैं। चंद्रलेखा फाउण्डेशन के चेयरमैन एचपी परिहार की ओर से महावीर सिंह परिहार ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रशिक्षण की कमी नहीं रहने दी जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ही प्रशिक्षित किया जाएगा। जल्द ही बोलिंग मशीनें लगाई जाएंगी। स्थानीय व्यवस्थापक महेश परिहार एवं संचालक जुगेंद्र सिंह परिहार ने बच्चों के बेहतर भविष्य देने का संकल्प लिया। इससे पूर्व कोच एवं क्रिकेटरों ने वृंदावन पहुंच श्री बांके बिहारी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 28 जनवरी को

ललितपुर। जिला सेवायोजन अधिकारी द्वारा समस्त जनपदो के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु 28 जनवरी 2020 को सुबह 10.30 बजे राजकीय इण्टर कॉलेज में एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश की बहुप्रतिष्ठित कम्पनियॉ प्रतिभाग कर रही हैं। कल्याणी सोलर पावर, न्यू यूनीकेयर हैल्थ सॉल्यूशन, ग्रोफास्ट आर्गेनिक डायमण्ड प्रा0लि0, कार्थेरो टेक्नोलॉजी प्रा0 लि0(जेमेटो फूड डिलेवरी) गार्विन जेनेटिक्स लि0, स्वान क्रोप प्रा0 लि0, क्रिशट्रेड क्रोप प्रा0लि0, भारतीय जीवन बीमा निगम, एसआईएस लि0, उज्वला एग्रीकल्चर प्रा0लि0, शिवशक्ति बायोटेक्नोलॉजी लि0, मेक ऑर्गेनिक इण्डिया, आर-1 आरसीएम ग्लोबल प्रा0लि0, ग्लोबल भारत हेल्थ लाइफ फॉर्च्यून सिस्टम, वोन इण्डिया सर्विस प्रा0लि0, वाई वॉटस एनालिटिक एण्ड टेक्नीकल सर्विस प्रा0लि0, स्वांगी, वर्धमान यांग एण्ड थ्रेडस लि0, आर्कटिक इण्डस्ट्रीज, रिलायन्स निप्पन लॉइफ इन्श्योरेन्स एवं गिन्नी फिलामेन्टस, के अतिरिक्त अन्य कम्पनियॉ भी प्रतिभाग करेगी। जिसकी शैक्षिक योग्यता एसएससी, हाईस्कूल, एचएससी, इण्टरमीडिएट, स्नातक, आईटीआई, पॉलीटेक्निक, बीटेक, एमबीए, बीसीए, बीबीए, कम्प्यूटर सहित समस्त योग्यताधारी अभ्यर्थियों हेतु रिक्तियॉ उपलब्ध है। आयुसीमा कम्पनियों के नियोजक की मांग के अनुसार 18 से 60 वर्ष, कार्यस्थल-ललितपुर, यू0पी एवं म0प्र0 में है। जनपद के समस्त बेरोजगार पुरूष/महिला अपनी योग्तानुसार रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। कम्पनी के नियोजक द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। सभी बेरोजगार अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पत्र, निवास, जाति, दो पासपोर्ट साइज फोटो, पंजीयन कार्ड एवं समस्त अभिलेखों सहित राजकीय इण्टर कॉलेज, ललितपुर में उपस्थित होकर साक्षात्कार की प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। अत: ऐसे समस्त इच्छुक अभ्यर्थी जो पात्रता रखते हो तो विभाग की बेवसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर कार्यालय में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। प्रतिभाग के सम्बन्ध में आप को सूचना एसएमएस के माध्यम से भी प्रेषित की जायेगी। इस कार्य हेतु अलग से कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

करंट लगने से महिला की मौत

बरेली। मकान की छत पर चढ़कर सूखने के लिए कपड़े डाल रही एक महिला पास से गुजर रही हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आ गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पड़ोसियों ने उसे देखा और घटना की सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले भी कई बार इसी हाईटेंशन तार की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो चुकी है। बारादरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला नवादा शेखान में राजाराम के मकान में 2 साल से किराए पर रहने वाले पीलीभीत के बुद्धा गौटिया बीसलपुर निवासी हरिचंद की पत्नी प्रियंका की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक के घर वालों ने बताया कि प्रियंका पति और एक बेटी गुड़िया के साथ लगभग 2 सालों से किराए के मकान में रह रही थी। उसका पति मजदूरी करता है। आज सुबह पति काम करने के लिए निकल गया। वह कपड़े धो कर उन्हें सूखने के लिए मकान की छत पर गई थी। छत के पास ही हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आ गई क्योंकि तार काफी पास में था।

दो बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मथुरा। वृंदावन में आठ साल से साधु बनकर रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों को अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। आरोपियों के पास से नागरिकता संबंधी कई ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो फर्जीवाड़ा कर बनवाए गए हैं। कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार दुबे ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात दो लोगों को वृंदावन में अवैध रूप से रहने पर गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों बांग्लादेश से आए हुए थे जो पिछले कई वर्षों से यहां साधु के वेश में रह रहे थे।

बरसाना में लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर

संवाददाता। मथुरा

1998 में भक्तिवेदान्त अस्पताल और अनुसंधान संस्थान जो श्री चैतन्य सेवा ट्रस्ट की एक परियोजना है, की स्थापना हुई और तब से इस अस्पताल ने अपना ध्यान केवल समुदाय के कम विशेषाधिकारी लोगों की सेवा हेतु केंद्रित किया है।

पिछले दो दशकों से यह अस्पताल महाराष्ट्र के ठाणे और पालघर जिल्ले के अधिकांश भाग और यूपी के मथुरा जिले के बरसाना गांव में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए चिकित्सा शिविर के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंच रहे हैं। बरसाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिल्ली से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर मथुरा जिले के उत्तर प्रदेश में स्तिथ हैं। यह केंद्र बरसाना और आसपास के 120 गाँवों में अनिवार्य अंधेपन के उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जरूरतमंद ग्रामीणों को मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी सहित निरू शुल्क नेत्र देखभाल सेवा प्रदान कर रहे हैं।

डॉ रंजीत वाघले के अनुसार, हम पिछले 28 वर्षों सेए जनवरी.फरवरी के महीने मेंए बरसाना मेंए निरू शुल्क वार्षिक नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं।

नवसाक्षर महिलाओं को दिया गया बांस शिल्प का प्रशिक्षण

ललितपुर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा संचालित समेकित आदिवासी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत साईं ज्योति संस्था ललितपुर द्वारा तारा अक्षर की नवसाक्षर महिलाओं को 25 से 30 जनवरी 2020 तक पांच दिवसीय बांस शिल्प प्रशिक्षण शुभारम्भ ग्राम दैलवारा में किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे ग्राम प्रधान संदीप व संस्था के सचिव अजय श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण का दीप प्रज्वलन कर औपचारिक शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान संदीप ने कहा बांस का काम परंपरागत रूप से एक समुदाय विशेष के द्वारा किया जाता है, उन्होंने कहा कि बात का काम परंपरागत रूप से करने पर एक तो उसने लागत ज्यादा आती है मेहनत ज्यादा होती है एवं दाम कम मिलता है, उन्होंने कहा बांस शिल्प के माध्यम से नवसाक्षर महिलाएं छोटे-छोटे बांस से बनने वाली चीजों को बनाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं जैसे वॉल हैंगिंग है पेपर ट्रे, पेन स्टैंड, फ्लावर पॉट, आदि बहुत सी ऐसी छोटी-छोटी चीजें हैं।

पेज एक का शेष

कश्मीर में...

एक दोस्त और यासिर का दूसरा कमांडर मूसा भी उसके साथ था। हमें यकीन है कि शवों की पहचान कर लेंगे तो उनमें से एक यासिर होगा। क्योंकि हमारी जानकारी के अनुसार वे वहीं मौजूद थे। यासिर और मूसा पाकिस्तान के हैं जबकि बुरहान स्थानीय निवासी था। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लो ने कहा कि तीन आतंकवादियों के मारे जाने के साथ 26 जनवरी को नियोजित एक बड़ा खतरा टल गया है। उन्होंने कहाकि कुछ समय से जैश ए मोहम्मद क्षेत्र में सक्रिय होकर गणतंत्र दिवस पर कुछ सनसनीखेज करने की योजना बना रहा था। उन्होंने कहा कि अभियान अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के पुलवामा हमले के बाद सेना ने जैश ए मोहम्मद को निष्क्रिय कर दिया था लेकिन आतंकी समूह खुद को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी आतंकवादी जैश को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन जैश को एक बार फिर से साफ कर दिया गया है। बकौल, एचएम, इसका शीर्ष नेतृत्व भी कश्मीर घाटी में समाप्त हो गया है। घाटी में अल-बद्र और लश्कर-ए-तैयबा का की उपस्थिति ना के बराबर है। इसलिए पाकिस्तानी आतंकवादियों सहित कश्मीर में आतंकवाद का अधिकांश नेतृत्व कमोबेश समाप्त हो चुका है। घाटी में आतंकवादियों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर आईजीपी ने कहा कि घाटी में लगभग 125 आतंकवादी सक्रिय थे, जिनमें ज्यादातर स्थानीय थे। नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ के बारे में पूछे जाने पर कमांडर ने कहा कि पाकिस्तान और उसकी सेना भारत में अधिक आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रही थी।

जेटली, सुषमा...

निशानेबाज जीतू राय, भारतीय महिला फुटबाल टीम की पूर्व कप्तान ओनाम बेमबेम देवी और तीरंदाज तरुणदीप राय शामिल हैं। फिल्म निर्माता करण जौहर एवं एकता कपूर, अभिनेत्री कंगना रनौत, गायक सुरेश वाडकर और अदनान सामी के साथ ही टीवी अभिनेत्री सरिता जोशी को भी पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना गया है।

कई गुमनाम...

बाजार में भूजल में सुधार करने के लिए अहमदनगर (महाराष्ट्र) के प्रख्यात पोपटराव पवार, गरीबों को किफायती शिक्षा देने में मदद करने वाले कर्नाटक के 64 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता हारेकला हाजब्बा, दूरस्थ सुंदरबन में मरीजों का उपचार करने वाले पश्चिम बंगाल के चिकित्सक अरुणोदय मंडल, केवल जैविक तकनीक के प्रयोग से ओडिशा में बंजर भूमि को वन क्षेत्र में तब्दील करने वाले गांधीवादी राधा मोहन एवं उनकी पुत्री साबरमती को भी पद्म श्री से नवाजा गया। हल्दी की खेती संबंधी मुहिम चलाने वाले मेघालय के आदिवासी किसान त्रिनिती साइऊ असम की बराक घाटी में कैंसर मरीजों का उपचार करने वाले चेन्नई के चिकित्सक रवि कन्नन, तमिलनाडु में चार दशक से अधिक समय से 14,000 से अधिक दिव्यांग लोगों के पुनर्वास में मदद करने वाले दिव्यांग सामाजिक कार्यकर्ता एस रामाकृष्णन को भी यह पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा सरकार ने राजस्थान में 50,000 पौधे लगाने वाले 68 वर्षीय पर्यावरणविद सुंदरम वर्मा, राज्य के मुस्लिम भजन गायक मुन्ना मास्टर, पिछले 35 साल से लोगों का नि:शुल्क उपचार कर रहे उत्तराखंड के 81 वर्षीय चिकित्सक योगी ऐरोन, कृषि-जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए विश्वविख्यात आदिवासी महिला राहीबाई सोमा पोपेरे को भी पद्मश्री से पुरस्कृत किया गया है।

चीन से...

(एक विशेष मेडिकल परीक्षण) की जा रही है। हर केंद्रीय दल में एक सावर्जनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, एक क्लीनिशियन (चिकित्सक) और एक सूक्ष्म जीवविज्ञानी होगा। ए दल रविवार को संबंधित राज्यों में पहुंचेंगे। हर्षवर्धन ने कोरोना विषाणु की रोकथाम और संबंधित चीजों के प्रबंधन की तैयारी का विश्लेषण करने के लिए समीक्षा बैठक की। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से बातचीत भी की और उन्हें नेपाल सीमा पर कोरोना विषाणु की चिकित्सा जांच में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। वहां इस बीमारी के एक मामले की पुष्टि होने की खबर है। केंद्र और राज्यों के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया था कि केरल में सात, मुम्बई में दो, बेंगलुरु और हैदराबाद में एक-एक व्यक्ति को कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका के मद्देनजर परीक्षण के बाद निगरानी में रखा गया है। ये उन सैकड़ों लोगों में शामिल हैं जो हाल के दिनों में चीन से लौटे हैं। हर्षवर्धन ने कहा कि उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर राज्यों की तैयारी की समीक्षा के लिए निजी रूप से दखल देने का अनुरोध किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एक जनवरी 2020 के बाद चीन की यात्रा करने वालों से ज्वर, कफ, सांस संबंधी परेशानी होने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर स्वयं पहुंचने और इलाज करने वाले डॉक्टर को अपने बारे में बताने की अपील की है। परामर्श में कहा गया है कि चीन में ठहराव के दौरान यदि किसी को बुखार आए, कफ हो, तब वे खांसते या छींकते समय अपने मुंह को ढककर रखें, तत्काल चिकित्सक से मिलें और चीन में भारतीय दूतावास से संपर्क करें।

एशिया कप...

माना कि भारत के साथ तनाव के कारण पाकिस्तान एशिया कप की मेजबानी के लिए दो स्थानों पर विचार कर रहा है। भारत ने 2008 से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है जबकि उसने राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों के कारण 2007 से पाकिस्तान के साथ पूर्ण द्विपक्षीय द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है। पाकिस्तान ने सीमित सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए 2012 में भारत का दौरा किया था। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि एशिया कप की मेजबानी में पाकिस्तान के लिए मुख्य बाधा यह होगी कि क्या भारत सुरक्षा कारणों से यहां खेलने के लिए सहमत होगा।

आतंकवाद के...

जानी चाहिए। भेंटवार्ता में दोनों नेता विशिष्ट आतंकवादी खतरों से निपटने के लिए द्विपक्षीय सहयोग को गहरा बनाने पर सहमत थे। संयुक्त बयान में पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा गया है , उन्होंने (दोनों देशों ने) यह सुनिश्चित करने के मकसद से सभी देशों के लिए इस आवश्यकता पर जोर दिया कि उनकी जमीन का उपयोग अन्य देशों पर आतंकवादी हमला करने हेतु नहीं किया जाएगा। बयान के अनुसार मोदी और बोलसोनारो ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद शांति और सुरक्षा के लिए सभी गभीर खतरों में एक है और उन्होंने इस बुराई से निपटने के लिए ठोस एवं समेकित वैश्विक कार्वाई का आह्वान किया। बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री और ब्राजील के राष्ट्रपति ने धनशोधन, आतंकवाद के वित्तपोषण, राज्य प्रायोजित आतंकवाद आदि संबंधित मुद्दों पर वित्तीय कार्यबल कार्रवाई (एफएटीएफ) में मिलकर काम करने परस्पर दिलचस्पी दोहराई। एफएटीएफ ने पाकिस्तान पर उसकी जमीन से चल रहे आतंकवादी नेटवर्क पर कार्वाई करने के लिए दबाव बढ़ा दिया है। अगले महीने पेरिस में होने वाले उसके अधिवेशन में इसकी विस्तृत समीक्षा की जाएगी कि पाकिस्तान ने आतंकवाद पर अंकुश लगाने की उसकी कार्ययोजना का पालन किया या नही। उसी के नतीजे के आधार पर एफएटीएफ तय करेगा कि उसे ईरान और उत्तर कोरिया के साथ काली सूची में डाला जाए या नहीं। भेंटवार्ता में मोदी और बोलसोनारो ने अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद समग्र संधि के शीघ्र अनुमोदन का भी आह्वान किया।

चोट खाकर...

एक अभियान में विदेशी आतंकी को मार गिराया था। वह इस अभियान में शहीद हो गए थे। वहीं, लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति लामा ने पिछले साल जुलाई में मणिपुर में दो उग्रवादियों को मार गिराया था। उस इलाके में 14 दुर्दांत उग्रवादियों को पकड़े जाने का श्रेय भी ज्योति को जाता है। वहीं, नियंत्रण रेखा पर चल रहे ऑपरेशन के दौरान सिपाही कर्मदेव ओरांव के बुलेटप्रूफ पटका पर गोली लगी थी, इसके बाद भी उन्होंने 9 ग्रेनेड दागे और दो आतंकियों को मार गिराया। पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स) के नायब सुबेदार नरेंद्र सिंह को नियंत्रण रेखा पर चल रहे ऑपरेशन के दौरान दो आतंकियों को मार गिराने के लिए शौर्य चक्र दिया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुल चार राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी), 286 वीरता पुरस्कार भी दिए गए। इसके अलावा 93 को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक और 657 को मेधावी सेवा के लिए पुलिस पदक दिया गया है। कुल 108 पदकों के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस को सबसे अधिक वीरता पदक प्रदान किए गए हैं। इसके बाद सीआरपीएफ को 76 पदक मिले हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि केंद्र शासित पुलिस कश्मीर घाटी में आतंकवाद रोधी अभियानों में निरंतर शामिल रही है, जिसे तीन शीर्ष राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमजी) भी मिले हैं, जबकि सीआरपीएफ को एक राष्ट्रपति पुलिस पदक (मरणोपरांत) मिला है।

एक दोषी...

ऐसे कैदी को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की अनिवार्यता भी शामिल है। वर्ष 2014 के इस फैसले में कहा गया था कि जेल अधिकारियों के लिए ऐसे कैदी को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक दस्तावेज की प्रतियां उपलब्ध कराना जरूरी है। चारों दोषियों को एक फरवरी सुबह छह बजे फांसी देने के लिए मृत्यु वारंट जारी किया गया है। मुकेश ने अपनी दोषसिद्धि और फांसी की सजा के खिलाफ सुधारात्मक याचिका दायर की थी जिसे उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इसके बाद मुकेश ने दया याचिका दायर की थी। उच्चतम न्यायालय ने मुकेश की सुधारात्मक याचिका खारिज करने के साथ ही इस मामले में फांसी की सजा पाए अन्य दोषी अक्षय कुमार (31) की सुधारात्मक याचिका भी खारिज कर दी थी। दो अन्य दोषियों पवन गुप्ता (25) और विनय कुमार शर्मा ने अभी तक उच्चतम न्यायालय में सुधारात्मक याचिका दायर नहीं की है। पैरामेडिकल की 23 वर्षीय छात्र से 16 दिसंबर 2012 की रात को छह लोगों द्वारा चलती बस में सामूहिक बलात्कार एवं बेरहमी से हमला किया गया था और उसे बाद में दक्षिणी दिल्ली में बस से फेंक दिया गया था। उसे सिंगापुर के अस्पताल ले जाया गया था जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

राजस्थान विधानसभा...

देश का पंथनिरपेक्ष तानाबाना जोखिम में पड़ जाएगा। इसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया गया है इस कानून को निरस्त किया जाए। प्रस्ताव पर हुई बहस में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने राज्य विधानसभा में सीएए को चुनौती देने के अधिकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नागरिकता देना केंद्र की बात है तो इस स्थिति में हमें सीएए को चुनौती देने का क्या अधिकार है। कटारिया ने कहा कि कांग्रेस को तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करना बंद करना चाहिए। भाजपा के कई नेताओं ने इस बहस में भाग लेते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपने राजनीतिक एजेंडे और इसकी तुष्टिकरण की राजनीति के चलते यह प्रस्ताव सदन में लाई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का समर्थन महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जैसे प्रमुख नेताओं द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने राजनीतिक एजेंडे और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते यह संकल्प ले आई है। भाजपा नेताओं ने कहा कि सीएए चूंकि अब कानून बन चुका और इसको चुनौती दिए जाने का मामला अदालत में विचाराधीन है इसलिए प्रस्ताव लाने का कोई औचित्य नहीं है। वहीं बहस का जवाब देते हुए संसदीय कार्यमंत्री धारीवाल ने कहा कि इस कानून से देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे को आघात पहुंचा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में सीएए का तगड़ा और व्यापक विरोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कानून लाए जाने की कोई जरूरत नहीं थी और इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को धक्का लगा है।

बढ़त के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

- उच्च स्कोर वाले ईडन पार्क में न्यूजीलैंड से भिड़ने को तैयार भारत
- दूसरा टी-20 मुकाबला आज

भारत। आकलैंड

भारतीय टीम के रविवार को यहां ईडन पार्क में रविवार को होने वाले दूसरे टी-20 मुकाबले में विजेता संयोजन में बदलाव करने की संभावना नहीं है लेकिन गेंदबाजी विभाग में कुछ बदलाव करना हैरानी भरा नहीं होगा।

जसप्रीत बुमराह शुक्रवार को श्रृंखला के शुरूआती मुकाबले में दोनों टीमों में एकमात्र ऐसे गेंदबाज थे जिन्होंने आठ रन प्रति ओवर से कम रन गंवाए थे। मोहम्मद शमी (चार ओवर में 53 रन देकर कोई विकेट नहीं) और शार्दुल ठाकुर (तीन ओवर में 44 रन देकर एक विकेट) पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने इच्छानुसार बाउंड्री लगाई। शमी के अंतिम एकादश में अपना स्थान बरकरार रखने की उम्मीद है इसलिए ठाकुर की जगह नवदीप सैनी को शामिल किया जा सकता है। हालांकि सैनी अपनी अतिरिक्त तेजी के कारण इस छोटे मैदान पर ज्यादा रन लुटा सकते हैं। यह देखना होगा कि भारत तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के संयोजन पर बना रहता है या फिर कुलदीप यादव को टीम में युजवेंद्र चहल और रवींद्र जडेजा के साथ शामिल कर सकता है। भारत के पास वाशिंगटन सुंदर दूसरा स्पिन विकल्प हैं। अगर भारत अतिरिक्त स्पिनर उतारता है तो आलराउंडर शिवम दुबे तीसरे तेज गेंदबाजी का विकल्प होंगे। परिस्थितियों को देखते हुए जडेजा और चहल ने शुक्रवार को अच्छा प्रदर्शन किया था इन दोनों ने एक एक विकेट लिया। इसके अलावा चहल और कुलदीप एकदिवसीय विश्व कप समाप्त होने के बाद से एक साथ नहीं खेले हैं। बल्लेबाजी में विराट कोहली कप्तान के रूप में संतुष्ट थे कि मध्यक्रम ने दबाव में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। श्रेयस अय्यर ने 29 गेंद में नाबाद 58 रन की पारी खेलकर अपना चौथा स्थान मजबूत कर लिया है। यह दौरे की अच्छी शुरुआत थी जिसमें टीम ने 204 रन के लक्ष्य को हासिल कर पांच मैचों की श्रृंखला में।-0 से बढ़त बना ली। भारतीय टीम के लिए रवानगी से पहले लगातार फेरबदल करने को लेकर चिंता बनी हुई थी जैसा कि 2019 विश्व कप से पहले वनडे टीम में हुआ था। अय्यर की फार्म ने उन सभी चिंताओं को समाप्त कर दिया है। इस बल्लेबाज ने पिछले साल सितंबर से भारत के सभी 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 पारियों में 34.14 के औसत से दो अर्धशतक जमाए और इनमें उनका स्ट्राइक रेट 154.19 रहा। लोकेश राहुल के विकेटकीपिंग कौशल के साथ मनीष पांडे और दुबे के बारी बारी मैच फिनिश करने की जिम्मेदारियां निभाने से भारत का टी20 बल्लेबाजी लाइन-अप संतुलित लगता है। न्यूजीलैंड की टीम महसूस कर रही होगी कि उसका कुल स्कोर 10-15 रन कम रह गया और साथ ही मैदान में गंवाए मौकों से मेहमान बल्लेबाजों ने फायदा उठाया। न्यूजीलैंड को अगर तीन दिन के अंदर भारत की 2-0 की बढ़त को रोकना है तो उन्हें संभलना होगा। भारत ने फरवरी 2019 में भी यहां जीत हासिल की थी, हालांकि तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में उसे।-2 से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड के वही अंतिम एकादश उतारने की उम्मीद है।

टीमें : भारत : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, लोकेश राहुल (विकेटकीपर), मनीष पांडे, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर, नवदीप सैनी और वाशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड : केन विलियमसन (कप्तान), मार्टिन गुप्टिल, रॉस टेलर, स्कॉट कुगेलेजिन, कॉलिन मुनरो, कॉलिन डी ग्रैंडहोम, टॉम ब्रूस, डेरिल मिशेल, मिशेल सैंटनर, टिम सिफर्ट (विकेटकीपर), हैमिश बेनेट, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, ब्लेयर टिकनर। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा।

कलाई की चोट के कारण खलील भारत ए के बचे दौरे से बाहर

क्राइस्टचर्च। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद कलाई की चोट के कारण शनिवार को भारत ए के न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे से बाहर हो गए। बीसीसीआई ने बयान मे कहा, खलील अहमद 22 जनवरी को लिंकन मे न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए के एक दिवसीय मैच के दौरान अपनी कलाई मे फ्रेक्चर कर बैठे। इसके अनुसार, उसके हाथ मे प्लास्टर बंधा है जिससे बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज भारत ए के बचे हुए दौरे पर नही खेल पाएगा। एनसीए उसका रिहैबिलिटेशन देखेगा। बीसीसीआई ने हालांकि इस तेज गेंदबाज की जगह किसी अन्य के नाम की घोषणा नही की है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद बागपत नगरवासियों एसं प्रदेशवासियों को 26 जनवरी 2020 हार्दिक शुभकामनाए प्रेषित करते हुए नगरवासियों से अनुरोध करती है कि:–

- यह नगर आपका है इसको स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये रखने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।
- कूडा–कचरा निश्चित स्थान अथवा कूडा गाडी में डाले तथा पलिका द्वारा कूडा उठा लेने पर उसी दिन पुनः कूडा न डालें तथा न ही जलायें।
- जल अमूल्य है। जल है तो कल है। जल को व्यर्थ न करें। पानी की टोटियों को खुला न छोडें।
- पालिका के करो तथा अन्य देयों का समय से भुगतान करके अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।
- यदि पथ प्रकाश का कोई बिन्दु दिन में जलता दिखायी पडे तब उसकी सूचना कार्यालय नगर पालिका को दे।
- रोड़ पटरियों व नालियों पर अतिक्रमण न करें।
- अधिक से अधिक वृक्ष लगवायें।
- पॉलिथीन का प्रयोग दण्डनीय अपराध है पॉलिथीन का प्रयोग न करें।
- 05 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो ड्राप्स अवश्य पिलायें।
- जन्म–मृत्यु का पंजीकरण निर्धारित अवधि 21 दिवस के अन्दर अवश्य करायें।

स्वच्छ सर्वेक्षण–2020

कार्यालय नगर पालिका परिषद खोड़ा–मकनपुर, गाजियाबाद

पत्र संख्याः– 1263 न0प0परि0खो0म0–संदेश /2019–20 दिनांकः– 24.01.2020

संदेश/अपील

समस्त नगरवासियों को 71वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभ कामनाऐ, देते हुए पालिका अपील करती है कि , नगर की बहतरी के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें–

1. 04 जनवरी से 31 जनवरी, 2020 तक स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में नागरिकों से अपील है कि, अपनें शहर को स्वच्छता रैकिंग में नं.01 बनाने में नगर पालिका का सहयोग करें और अपने मोबाइल के **Play store** में जाकर, **vote for your City App** डाउनलोड कर, उसमें ज्यादा से ज्यादा मात्रा में **Positive Feedback** देकर, पालिका को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान दिलाने में, अपना सहयोग प्रदान करें।
2. कूडा/अपशिष्ट/प्लास्टिक (कुडा/कचरा) सार्वजनिक रूप से न जलाया जायें इसमें वायु प्रदूषण फैलता है, जिससे विभिन्न प्रकार की जानलेवा बिमारियां फैलती है।
3. ठोस अपशिष्ट (कूडा/कचरा) को सड़कों के किनारे न फैंके और ना ही नाला–नालियों में न फैकें, इससे नाले जाम हो जाते है।
4. प्लास्टिक से बने समस्त उत्पाद यथा दोने, चम्मच,प्लेट व डिस्पोजेबल क्राकरी व पन्नी की थैलियों का प्रयोग कदापि न करें, इसे उ0प्र0 सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है यदि अकास्मिक निरीक्षण के दौरान, प्लास्टिक से बने उत्पादों व पंन्नी की थैलियों का प्रयोग होते पाया गया या स्टोर किया गया, पाया गया तो, भारी जुर्माना करते हुए जब्तीकरण की कार्यवाहि की जायेगी।
5. भवन निर्माण सामग्री/अवशेष को सड़को के किनारे न रखें तथा यदि आकस्मिक निरीक्षण के दौरान किसी की सामग्री/अवशेष सड़कों के किनारे रखी पायी गयी, तो उस पर, मा0 नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन0जी0टी0) नई दिल्ली के निर्देशानुसार अंकन 50 हजार/– रूपये का जुर्माना किया जायेगा।
6. भवन निर्माण करने से पूर्व, भवन मानचित्र व दस्तावेजी साक्ष्य पालिका में प्रस्तुत करें। पालिका क्षेत्र में **G+3** टाइप (4 तल) भवन निर्माण, जिसमें भू–तल पर पार्किंग व रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य कर दी गई है। पालिका क्षेत्र में भवनों में वेसमेंट बनाना प्रतिबंधित कर दिया गया है, जो ऐसा करता पाया जायेगा, उसपर भारी जुर्माना एवं मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।
7. जल ही जीवन है, जल का अपव्यय न करें और टोटियों को बंद रखें।
8. डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया एवं स्वाइन फ्लू से बचाव हेतू, अपने आस–पास स्वच्छता का वातावरण बनाये रखें तथा आप–पास जल का भराव न होने दे रोग के लक्षण दिखाने पर चिकित्सक की सलाह से दवाईयां लें।
9. निकाय के सीमान्तर्गत सरकारी सड़क पर अवैध रूप से, समरसिबिल लगाकर, भारी मात्रा में भूजल का दौहन कर, फिल्टर (आर0ओ0) कर, पानी का विक्रय किया जा रहा है, जो कि मा0 नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन0जी0टी0), नई दिल्ली द्वारा जारी आदेश का सरासर उल्लंघन तथा गैर–कानूनी कार्य है, जो लोग इस कार्य में लगे है, व तत्काल इसे बंद कर दें अन्यथा भारी जुर्माना और एफ0आई0आर0 दर्ज करवायी जायेगी।
10. जन्म–मृत्यु का पंजीकरण निर्धारित समय सीमा 21 दिन के अन्दर करायें।
11. विकास कार्यों में नगर पालिका का सहयोग एवं मार्गदर्शन करें।
12. सरकारी सम्पत्ति पर अतिक्रमण न करें। अतिक्रमण करने वाले तथा अवैध कब्जेदारों एवं भू–माफियाओं कि पहचार में पालिका को सहयोग करें और उनके नाम/पते, प्रमाण सहित बंद लिफाफे में पालिका कार्यालय में भेज दें। आपकी पहचान गुप्त रखी जायेगी।

(कृष्ण कुमार भड़ाना) अधिशासी अधिकारी न0पा0परि0खोडा–मकनपुर, गाजियाबाद

(रीना देवी) अध्यक्ष न0पा0परि0खोडा–मकनपुर, गाजियाबाद

कार्यालय नगर पंचायत छपरौली (बागपत)

पत्रांकः–469/प0प0छ0रो0लो0/2019–20 दिनांकः–25/01/2020

नगर पंचायत टिकरी की ओर से सभी को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2020 की हार्दिक शुभकामनाएं

1, यह नगर आपका है इसको स्वछ एंव सुन्दर बनाये रखने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।
2, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सफाई में सहयोग करें।
3, नालियों व सरकारी भूमि पर अतिक्रमण ना करें।
4, जल बहुमूल्य है इसे बर्बाद न होने दें टोंटी खुली ना छोड़े।
5, जन्म मृत्यु पंजीकरण 21 दिन के अंदर अवश्य कराएं।
6, नगर पंचायत का सभी प्रकार का टैक्स समय से जमा कराएं
7, नगर की सफाई में सहयोग करें कूड़ा दान एवं मैजिक कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
8, प्लास्टिक और पॉलिथीन का प्रयोग ना करें अन्यथा जुर्माना हो सकता है खुले में शौच ना करें अपने शौचालय को साफ एवं स्वच्छ रखें
10, खुले में शौच करने पर 500 रुपये का जुर्माना हो सकता है
11, प्रतिबंधित पॉलिथीन बेचने व प्रयोग करने पर 1000 रुपये लेकर 25000 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।
12, जनगणना में अग्रवाल मंडी टटीरी में सभी कस्बा वासी सहयोग करें।
13, स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में स्वच्छता सिटी पर वोट करें।

अधिशासी अधिकारी, मनीष चौधरी, नगर पंचायत छपरौली
अध्यक्ष, संजीव कुमार, नगर पंचायत छपरौली

कार्यालय नगर पंचायत टिकरी (बागपत)

पत्रांकः–473/प0प0छ0टी0की0री0/2019–20 दिनांकः–25/01/2020

नगर पंचायत टिकरी की ओर से सभी को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2020 की हार्दिक शुभकामनाएं

1, यह नगर आपका है इसको स्वछ एंव सुन्दर बनाये रखने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।
2, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सफाई में सहयोग करें।
3, नालियों व सरकारी भूमि पर अतिक्रमण ना करें।
4, जल बहुमूल्य है इसे बर्बाद न होने दें टोंटी खुली ना छोड़े।
5, जन्म मृत्यु पंजीकरण 21 दिन के अंदर अवश्य कराएं।
6, नगर पंचायत का सभी प्रकार का टैक्स समय से जमा कराएं
7, नगर की सफाई में सहयोग करें कूड़ा दान एवं मैजिक कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
8, प्लास्टिक और पॉलिथीन का प्रयोग ना करें अन्यथा जुर्माना हो सकता है खुले में शौच ना करें अपने शौचालय को साफ एवं स्वच्छ रखें
10, खुले में शौच करने पर 500 रुपये का जुर्माना हो सकता है
11, प्रतिबंधित पॉलिथीन बेचने व प्रयोग करने पर 1000 रुपये लेकर 25000 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।
12, जनगणना में अग्रवाल मंडी टटीरी में सभी कस्बा वासी सहयोग करें।
13, स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में स्वच्छता सिटी पर वोट करें।

अधिशासी अधिकारी, ललित कुमार आर्य, (बागपत)
अध्यक्ष, सोमपाल राठी, (बागपत)

सौम्या की हैट्रिक, केंकरे एफसी 4–1 से जीता

बेंगलुरु। कप्तान सौम्या गुगुलोथ की हैट्रिक की बदौलत केंकरे एफसी ने शनिवार को यहां हीरो इंडियन वुमैन्स लीग मे ओड़िशा पुलिस पर 4-1 से जीत हासिल की। सौम्या ने 25वे, 39वे और 69वे मिनट मे तीन गोल दागे। समीक्षा ने टीम के लिए 45.1वे मिनट मे चौथा गोल किया। ओड़िशा के लिए सांत्वना गोल जबामानी सोरेन ने 87वे मिनट मे किया।

अदिति अशोक कट से चूकी

बोका रैटन (अमेरिका)। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक यहां गेनब्रिज एलपीजीए टूर्नामेंट के दूसरे दौर मे कट मे जगह बनाने से चूक गए। उन्होने पहले दौर मे 77 और दूसरे दौर मे 72 का कार्ड खेला। लेकिन यह स्कोर उन्हे कट मे जगह दिलाने के लिए काफी नही था। स्वीडन की मैडेलिन सैगस्ट्रोम ने शुक्रवार को 10 अंडर 62 का कार्ड खेलकर दूसरे दौर के बाद बढ़त हासिल की। उन्होने पहले दौर मे 72 का कार्ड खेला था।

लाहिड़ी कट से चूके

सान डिएगो। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने यहां फार्मर्स इंश्योरेंस ओपन के दूसरे दौर मे एक अंडर 71 का कार्ड खेला लेकिन अंडर पार दौर के बावजूद वह कट मे जगह बनाने से चूक गए। लाहिड़ी को दूसरे दौर के अंतिम होल मे बर्डी की जरूरत थी लेकिन वह डबल बोगी कर बैठे और बाहर हो गए। पहले दौर मे उन्होने डबल बोगी की थी और दूसरे मे भी डबल बोगी कर बैठे जिससे वह तीन शाट से कट से चूक गए।

आइजोल एफसी को हराकर टीआरएयू ने दर्ज की लगातार चौथी जीत

इम्फाल। पहली बार आई-लीग टूर्नामेंट मे खेल रहे टिडिम रोड एथलेटिक यूनियन (टीआरएयू) एफसी ने शनिवार को यहां एक रोमांचक मुकाबले मे आइजोल एफसी को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही टीम तालिका मे तीसरे स्थान पर पहुंच गई। टीम के नौ मैचो मे 14 अंक है। आइजोल एफसी आठ मैचो मे आठ अंक के साथ तालिका मे नौवे स्थान पर है। रोशारजेला ने 22वे मिनट मे गोल कर आइजोल को बढ़त दिलाई लेकिन लैशराम प्रेमजीत सिंह ने इसके पांच मिनट बाद ही गोल कर स्कोर को बराबर कर दिया। मैच के दूसरे हाफ (66वे मिनट) मे कृष्णानंद सिंह के गोल ने घरेलू टीम को बढ़त दिला दी जो मैच खत्म होने तक बरकरार रही।

आइजोल एफसी को हराकर टीआरएयू ने दर्ज की लगातार चौथी जीत

इम्फाल। पहली बार आई-लीग टूर्नामेंट मे खेल रहे टिडिम रोड एथलेटिक यूनियन (टीआरएयू) एफसी ने शनिवार को यहां एक रोमांचक मुकाबले मे आइजोल एफसी को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही टीम तालिका मे तीसरे स्थान पर पहुंच गई। टीम के नौ मैचो मे 14 अंक है। आइजोल एफसी आठ मैचो मे आठ अंक के साथ तालिका मे नौवे स्थान पर है। रोशारजेला ने 22वे मिनट मे गोल कर आइजोल को बढ़त दिलाई लेकिन लैशराम प्रेमजीत सिंह ने इसके पांच मिनट बाद ही गोल कर स्कोर को बराबर कर दिया। मैच के दूसरे हाफ (66वे मिनट) मे कृष्णानंद सिंह के गोल ने घरेलू टीम को बढ़त दिला दी जो मैच खत्म होने तक बरकरार रही।

महिला टेबल टेनिस टीम ओलंपिक कोटा हासिल करने में नाकाम

गोडोमर (पुर्तगाल)। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम का तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सपना शनिवार को यहां प्लेआफ मुकाबले मे फ्रांस से 2-3 से हारकर टूट गया। भारतीय टीम शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल मे रोमानिया से 2-3 से हार गई थी जिसके बाद उसके पास प्लेआफ के जरिए जगह बनाने का आखिरी मौका था। विश्व रैंकिंग मे फ्रांस से एक स्थान ऊपर 23वे पायदान पर काबिज भारतीय टीम को आयाहिका मुखर्जी और सुतीर्थ मुखर्जी की जोड़ी ने विजई शुरुआत दिलाई।

कार्यालय नगर पंचायत अग्रवाल मंडी टटीरी (बागपत)

पत्रांकः–479/न०प०अ०म०/2019 दिनांकः–23/01/2020

नगर पंचायत अग्रवाल मण्डी टटीरी की ओर से सभी को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2020 की हार्दिक शुभकामनाएं आपके सफल प्रयास से कस्बे को ओ.डी.एफ. एवं ओ.डी.एफ. प्लस में सहयोग पर धन्यवाद।

1, स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में स्वच्छता सिटी पर वोट करें।
2, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सफाई में सहयोग करें।
3, नालियों व सरकारी भूमि पर अतिक्रमण ना करें।
4,जल बहुमूल्य है इसे बर्बाद न होने दें टोंटी खुली ना छोड़े।
5,जन्म मृत्यु पंजीकरण 21 दिन के अंदर अवश्य कराएं।
6, नगर पंचायत का सभी प्रकार का टैक्स समय से जमा कराएं
7, नगर की सफाई में सहयोग करें कूड़ा दान एवं मैजिक कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
8, प्लास्टिक और पॉलिथीन का प्रयोग ना करें अन्यथा जुर्माना हो सकता है खुले में शौच ना करें अपने शौचालय को साफ एवं स्वच्छ रखें
10,खुले में शौच करने पर 500 रुपये का जुर्माना हो सकता है
11,प्रतिबंधित पॉलिथीन बेचने व प्रयोग करने पर 1000 रुपये लेकर 25000 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।
12,जनगणना में अग्रवाल मंडी टटीरी में सभी कस्बा वासी सहयोग करें।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत अग्रवाल, मण्डी टटीरी (बागपत)
अध्यक्ष, नगर पंचायत अग्रवाल, मण्डी टटीरी (बागपत)

नडाल और हालेप अगले दौर में

आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस

भाषा। मेलबर्न

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल और विम्बलडन चैम्पियन सिमोना हालेप ने शनिवार को यहां आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम में अपने मुकाबलों में जीत हासिल की लेकिन महिला वर्ग में शीर्ष वरीय खिलाड़ियों के हारने का सिलसिला जारी रहा। सेरेना विलियम्स और गत चैम्पियन नाओमी ओसाका के बाहर होने के एक दिन बाद दूसरी वरीय कैरोलिना प्लिस्कोवा का सफर भी महिलाओं के ड्रा से खत्म हो गया। स्विट्जरलैंड की छठी वरीय बेलिंडा बेनसिच ने एस्तोनिया की एनेट कोंटावेट (31वीं रैंकिंग) के खिलाफ केवल एक ही गेम जीता और वह 0-6।-6 से हारकर बाहर हो गईं। दो बार की मेजर विजेता गार्बाइन मुगुरूजा ने पांचवीं वरीय एलीना स्वितोलिना को 6-।6-2 से मात दी जिससे शीर्ष 10 महिला वरीय खिलाडियों में से छह तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गईं। दसवीं वरीय मेडिसन कीज शुक्रवार को मारिया सकारी से हार गईं थीं। क्रोएशिया की 19वीं वरीय डोना वेकिच भी अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वी पोलैंड की इगा स्वियाटेक से 5-7 3-6 से पराजित हो गईं। वहीं स्पेन के स्टार नडाल शुक्रवार को देर रात रोजर फेडरर के जॉन मिलमैन के खिलाफ रोमांचक मुकाबले को देखने के बाद भी तरोताजा लग रहे थे। उन्हें हमवतन पाब्लो कारेनो बुस्टा के खिलाफ तीसरे दौर के मुकाबले में जरा भी मशक्कत नहीं करनी पड़ी। तैंतीस साल के नडाल ने कहा, मैंने यह मैच (फेडरर का मैच) रात एक बजे तक देखा। इस मैच को देखे बिना नींद आना असंभव था। लेकिन उन पर थकान का कोई असर नहीं दिख रहा था, उन्होंने एक घंटे 38 मिनट में 6-। 6-2 6-4 से जीत हासिल की। नडाल मेलबर्न में जीत के साथ फेडरर के रिकार्ड 20 ग्रैंडस्लैम खिताब की बराबरी कर सकते हैं। अब वह स्थानीय खिलाड़ी निक किर्गियोस से भिड़ेंगे जिन्होंने रूस के 16वें वरीय खिलाड़ी कारेन खाचानोव को पांच सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में पराजित किया। किर्गियोस (23वें वरीय) ने चार घंटे 26 मिनट में 6-2 7-6 6-7 6-7 7-6 से जीत हासिल की। विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर पर काबिज दानिल मेदवेदेव आसानी से जीतकर अंतिम 16 में पहुंचे जहां उनका साना पूर्व आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन स्टान वावरिंका से होगा। मेदवेदेव ने एलेक्सेई पोपिरिन को 6-4 6-3 6-2 से मात दी जबकि 2014 के चैम्पियन वावरिंका जान इस्नर के दूसरे सेट में रिटायर्ड हर्ट होने से अगले दौर में पहुंचे। जर्मनी के एलेक्जैंडर ज्वेरेव ने फर्नांडो वर्डास्को पर 6-2 6-2 6-4 से जीत हासिल की जिससे अंतिम 16 में उनका सामना रूस के आंद्रे रूबलेव से होगा। रूस के रूबलेव ने डेविड गोफिन पर 2-6 7-6 6-4 7-6 से जीत हासिल की। गेल मोंफिल्स ने अर्नस्ट गुलबिस को 7-6 6-4 6-3 से पस्त किया। हालेप ने कजाखस्तान की यूलिया पुतिंतसेवा को 6-।6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई जिसमें उनका सामना बेल्जियम की एलिसे मर्टन्स से होगा जिन्होंने सिसी बेलिस के खिलाफ तीन सेट में जीत हासिल की।

वर्ष 2016 की विजेता एंजेलिक कर्बर ने कैमिला जार्जी को 6-2 6-7 6-3 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत रूस की 30वीं वरीय अनास्तासिया पावलीयुचेंकोवा से होगी जिन्होंने प्लिस्कोवा को 7-6 7-6 से पराजित किया। अन्य नतीजों में आस्ट्रिया के पांचवें वरीय डोमिनिक थिएम ने टेलर फ्रिट्ज को 6-2 6-4 6-7 6-4 से पस्त किया।

बोपन्ना और नाडिया मिश्रित युगल के दूसरे दौर में

मेलबर्न। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नाडिया किचेनोक ने आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के मिश्रित युगल वर्ग के दूसरे दौर मे प्रवेश किया। बोपन्ना और नाडिया की जोड़ी ने शुरूआती दौर मे अमेरिका के आस्टिन क्रेजिसेक और यूक्रेन की लिडमिला किचेनोक की जोड़ी को एक घंटे 15 मिनट तक चले मुकाबले मे 7-5 4-6 10-6 से हराया। अब इस भारतीय-यूक्रेनी जोड़ी का सामना दूसरे दौर मे रविवार को ब्राजील के ब्रूनो सोरेस और अमेरिका की निकोल मेलिचार की जोड़ी से होगा जिन्होने जर्मनी के एंड्रियास मीस और पोलैंड की एलिस्का रोसोल्स्का की जोड़ी को 6-2 6-4 से शिकस्त दी। बोपन्ना को हमवतन सानिया मिर्जा से जोड़ी बनानी थी लेकिन उन्हे पिडली की चोट के कारण टूर्नामेंट से हटना पड़ा। अनुभवी लिएंडर पेस भी एलेना ओस्टापेंको के साथ मिश्रित युगल में भाग ले रहे है और रविवार को शुरूआती दौर का मैच खेलेंगे।

प्रजनेश को टाटा ओपन महाराष्ट्र में सीधा प्रवेश

पुणे। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन टाटा ओपन महाराष्ट्र टेनिस प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जिन्हें पोलैंड के कामिल मजक्रजक के हटने से टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिल गया। वह विश्व रैंकिंग में 123वें स्थान पर काबिज टूर्नामेंट के वैकल्पिक खिलाड़ी की सूची में दूसरे स्थान पर थे लेकिन इस सूची में शीर्ष पर काबिज जापान के गो सोइदा ने भी नाम वापस ले लिया है जिससे तीन फरवरी से शुरू हो रही एटीपी 250 प्रतियोगिता में उनके सीधे प्रवेश का रास्ता साफ हो गया। टूर्नामेंट के निर्देशक प्रशांत सुतर ने कहा, प्रजनेश के आने से एकल के मुख्य ड्रा में भारत की मौजूदगी होगी। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी को देखना हमेशा अच्छा रहता है और हम इस टूर्नामेंट का आयोजन इसी मकसद से कर रहे हैं कि इससे भारतीय खिलाड़ी को सबसे ज्यादा फायदा हो। भारत में आयोजित होने वाले इस शीर्ष एटीपी टूर्नामेंट में बेनो पेइरे, इवो कार्लोविच और फिलिप कोलश्राइबर जैसे बड़े खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

फिरोजा को हराकर आनंद संयुक्त छठे स्थान पर

टाटा स्टील मास्टर्स

भाषा। विज्क आन जी (नीदरलैंड)

पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथ आनंद ने टाटा स्टील मास्टर्स के 11वें दौर में यहां युवा खिलाड़ी को अलीरेजा फिरोजा को शिकस्त देकर एक अंक हासिल किया। इस दौर के बाद यह भारतीय खिलाड़ी 5.5 अंक के साथ तालिका में संयुक्त छठे स्थान पर पहुंच गया है। आनंद ने काले मोहरों से खेलते हुए 16 साल के किशोर खिलाड़ी को 47 चालों के बाद हार मानने पर मजबूर कर दिया। टूर्नामेंट में अभी दो दौर का खेल बचा है और अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने बेलारूस के व्लादिस्लाव कोवालेव को हराकर शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। कारूआना के नाम आठ अंक है। वह मौजूदा विश्व चैम्पियन नार्वे के मैग्नस कार्लसन से एक अंक आगे है। अमेरिका के ही वेस्ले सो 6.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। चैलेंजर वर्ग में भारत के सूर्य शेखर गांगुली 6.5 अंक के साथ संयुक्त चौथे जबकि निहाल सरीन 5.5 अंक के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं।

हसमुद्दीन ने स्ट्रैंद्जा मुक्केबाजी में रजत पदक जीता

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मोहम्मद हसमुद्दीन (57 किग्रा) शनिवार को यहां बुल्गारिया के सोफिया में चल रहे 71वें स्ट्रैंद्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट के फाइनल में हार गए जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदकधारी हसमुद्दीन को फाइनल में इटली के फ्रांसेस्को माईएटा से।-4 से हार का सामना करना पड़ा। हसमुद्दीन इस टूर्नामेंट में 2017 में भी रजत पदक जीत चुके है।

मेरीकाम को पद्म विभूषण, सिंधु को भूषण

भाषा। नई दिल्ली

छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एमसी मेरीकाम को शनिवार को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण के लिए और बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु को पद्म भूषण सम्मान के लिए चुना गया। पद्म पुरस्कारो के लिए कुल आठ खिलाड़ियो को चुना गया है जिसमे पद्म श्री के लिए छह नामो की घोषणा की गई है। सरकार ने 71वे गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारो की घोषणा की। छत्तीस साल की मुक्केबाज मेरीकाम राज्यसभा की सदस्य भी है। उन्होने अपने शानदार करियर मे छह बार विश्व चैम्पियन बनने के अलावा 2012 लंदन ओलंपिक मे कांस्य पदक जीता है। मणिपुर की इस मुक्केबाज को इससे पहले 2013 मे पद्म भूषण और 2006 मे पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। वह शतरंज के जादूगर विश्वनाथन आनंद, पर्वतारोही एडमंड हिलेरी और महान क्रिकेटर सचिन तेदुलकर के बाद पद्म विभूषण हासिल करने वाली देश की चौथी खिलाड़ी है। तेदुलकर को बाद मे 2014 मे देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। चौबीस साल की सिंधु ने 2016 मे रियो ओलंपिक मे रजत पदक जीता था और वह विश्व चैम्पियन बनने वाली इकलौती भारतीय खिलाड़ी है। विश्व चैम्पियनशिप मे पिछले साल स्वर्ण जीतने वाली सिंधु ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट मे दो रजत और कांस्य पदक भी हासिल की है। सिंधु को 2015 मे पद्म श्री से सम्मानित किया जा चुका है। पद्म श्री पुरस्कार के लिए जिन छह नामो की घोषणा की गई है उनमे क्रिकेटर जहीर खान, भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, पूर्व हाकी खिलाड़ी एम.पी. गणेश, निशानेबाज जीतू राय, भारतीय महिला फुटबाल टीम की पूर्व कप्तान ओनाम बेमबेम देवी और तीरंदाज तरुणदीप राय शामिल है। जहीर को देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वश्रेष्ठ तेज गेदबाजो मे गिना जाता है। 41 साल का यह पूर्व क्रिकेटर 2011 मे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा था। वह टेस्ट मे कपिल देव के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेदबाज है।

गोवा, आंध्र और बंगाल हाकी इंडिया महिला सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में जीते

कोल्लम। गोवा हाकी, आंध्र हाकी संघ और हाकी बंगाल ने शनिवार को यहां 10वी हाकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के तीसरे दिन अपने मैचो मे जीत हासिल की। गोवा हाकी ने पूल ए के मैच मे हाकी उत्तराखंड पर।-0 से जीत हासिल की जबकि आंध्र ने पूल डी मे दिल्ली हाकी मे 4-। से जीत हासिल की। पूल एफ मे बंगाल ने तेलंगाना हाकी को रोमांचक मुकाबले मे 2-। से हराया।

प्रागनानंधा और गुकेश जीते, चेपेरिनोव ने एकल बढ़त बनाई

जिब्राल्टर। भारत के युवा खिलाड़ी आर प्रागनानंधा और डी गुकेश ने यहां 18वे जिब्राल्टर शतरंज उत्सव मे मास्टर्स वर्ग के चौथे दौर मे शानदार जीत हासिल की जबकि जार्जिया के इवान चेपेरिनोव ने अब तक सभी बाजियां जीतकर एकल बढ़त बना ली है। शुरूआती दौर मे हमवतन पी वी नंधिधा से हार झेलने वाले प्रागनानंधा ने शुक्रवार को शानदार तरीके से वापसी करते हुए चौथे दौर मे रूस के वोलदार मुर्जिन पर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उनके तीन अंक हो गए है। गुकेश ने नीदरलैंड के खिलाड़ी पीटर लोम्बायर्स को 36 चालो मे मात दी और इस जीत के साथ उनके भी तीन अंक हो गए। अन्य भारतीयो मे युवा जीएम वैभव सूरी ने दुनिया के सातवे नंबर के फ्रांस के खिलाड़ी मैक्सिम वाचियर लग्रेव से ड्रा खेला। शीर्ष वरीय शक्रियार मामेदयारोव अर्जेंटीना के लियोनड्रो क्रिसा से ड्रा खेलकर आधा अंक गंवा बैठे। टूर्नामेंट मे शीर्ष भारतीयो बी अधिबान और के शशिकिरण को मिश्रित नतीजे मिले। अधिबान ने हमवतन एम आर ललित बाबू से ड्रा खेलकर अंक बांटे जबकि शशिकिरण ने अजरबेजान की महिला ग्रैंडमास्टर गुनय मामदजादा को 41 चाल मे शिकस्त दी।

पोंक्रातोव बने चेन्नई ओपन शतरंज चैम्पियन

चेन्नई। रूस के पावेल पोक्रातोव ने शनिवार को 12वें चेन्नई ओपन अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट 2020 का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीय पोक्रातोव 10 दौर के बाद आठ अंक से अन्य खिलाड़ियो के साथ तालिका मे शीर्ष पर थे लेकिन उन्होने बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट मे यह पहली बार हुआ जब अंतिम दौर के बाद आठ खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। पोक्रातोव के अलावा भारत के वी विष्णु प्रसन्ना, जोस एडुआरो मार्टिनेज अल्वांतारा (पेरू), सर्गेई युडिन (रूस), एलेक्सेज अलेक्जेंड्रोव (बेलारूस), इवान रोजुम (रूस), स्टानिस्लाव बोगडानोविच (यूक्रेन) और किरिल स्टुपक (बेलारूस) 10वे दौर के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। चेन्नई के छात्र जीबी हर्षवर्धन के साथ जिम्मी जुबिन, वी प्रणव और एस रोहित कृष्णा अंतरराष्ट्रीय मास्टर नार्म हासिल करने मे सफल रहे जबकि के प्रियंका ने महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर नार्म हासिल की।

भारतीय महिला हाकी टीम ने न्यूजीलैंड दौरे के अभियान की शुरुआत जीत से की

रानी रामपाल के दो गोल, डेवलपमेंट टीम को 4-0 से हराया

भाषा। आकलैंड

कप्तान रानी रामपाल के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हाकी टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड डेवलपमेंट टीम पर 4-0 की जीत के साथ ओलंपिक वर्ष का पहला दौरा शुरू किया। रानी के दो गोल के अलावा शर्मिला और नमिता टोप्पो ने गोल किए। भारतीय टीम गुरूवार को यहां पहुंची और वह मेजबानों से चार मुकाबलों में आमने सामने होगी। इसके अलावा भारतीय टीम एक मैच में ब्रिटेन से भिड़ेगी। भारत ने।-0 की बढ़त बनाने के बाद लगातार पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन इन्हें गोल में नहीं बदल सका। युवा शर्मिला ने फिर तीसरे क्वार्टर में बढ़त दोगुनी कर दी और फिर रानी ने चौथे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। नमिता टोप्पो ने भारतीय टीम के लिए चौथा गोल दागा।

अब जॉर्डन करेगा ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर की मेजबानी

भाषा। लुसाने

कोरोना वायरस के कारण चीन में मुक्केबाजी ओलंपिक क्वालीफायर को रद्द किए जाने के बाद अब इसका आयोजन जॉर्डन में होगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की क्योंकि चीन में कोरोना वायरस के कारण 26 लोगों की जान चली गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के मुक्केबाजी कार्यबल (बीटीएफ) ने घोषणा की कि तोक्यो ओलंपिक के लिए एशियाओसनिया क्वालीफाइंग टूर्नामेंट का आयोजन अब तीन से 11 मार्च तक अम्मान में किया जाएगा। आईओसीए बयान के अनुसार, इस टूर्नामेंट का आयोजन पहले तीन से 14 फरवरी तक चीन के वुहान में होना था लेकिन कोरोना वायरस के फैलने के कारण बीटीएफ और चीन ओलंपिक समिति के संयुक्त फैसले के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इसके अनुसार, सभी वैकल्पिक स्थलों की समीक्षा के बाद बीटीएफ ने आज जॉर्डन ओलंपिक समिति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और क्वालीफायर की तैयारियों में जुटे खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ हित को देखते हुए टूर्नामेंट की तारीख और स्थान की पुष्टि की। एमेच्योर अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संस्था एआईबीए से ओलंपिक क्वालीफायर के आयोजन का अधिकार छीन लिया गया था और अब इसका काम विशेष कार्यबल देख रहा है। वुहान को तीन से नौ फरवरी तक एशिया महिला फुटबाल क्वालीफायर की मेजबानी भी करनी थी, लेकिन अब इसका आयोजन नानजिंग के पूर्वी शहर में इन्हीं तारीख में किया जाएगा।

हाकी इंडिया ने शिविर के लिए 32 खिलाड़ियों की घोषणा की

नई दिल्ली। हाकी इंडिया ने चोट से वापसी करने वाले ड्रैगफ्लिकर वरुण कुमार को शनिवार को पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने 32 खिलाड़ियों मे शामिल किया। विश्व चैम्पियन बेल्जियम के खिलाफ अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले के लिए यह शिविर लगाया जाएगा। नीदरलैंड पर एफआईएच हाकी प्रो लीग मे शानदार जीत के बाद भारतीय पुरुष टीम अब भुवनेश्वर मे शिविर मे हिस्सा लेगी। बेल्जियम के खिलाफ यह मैच आठ और नौ फरवरी को खेला जाएगा। कोर ग्रुप मे अनुभवी और युवा खिलाड़ियो का मिश्रण है जिसमे पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज कार्केरा, हरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, बीरेंद्र लाक्रा, रूपिंदर पाल सिंह, गुरिंदर सिंह, अमित रोहिदास, कोथाजीत सिंह खडांगबम, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद शामिल है। एक साल के बाद नीदरलैंड के खिलाफ अच्छी वापसी करने वाले चिंगलेनसाना सिंह का भी नाम युवा स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह, राजकुमार पाल, नीलम संदीप जेस और दिप्सन टिर्की के साथ मौजूद है।

घोषाल पिट्सबर्ग ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

भाषा। पिट्सबर्ग (अमेरिका)

सौरव घोषाल ने पिट्सबर्ग ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां मैक्सिको के सीजर सलजार को हराकर अंतिम चार में जगह पक्की की। दूसरे वरीय भारतीय खिलाड़ी ने मैक्सिको के छठे वरीय खिलाड़ी को 11-8 11-6 11-8 से हराया। सेमीफाइनल में उनका सामना मिस्र के ओमर मोसाद से होगा। टूर्नामेंट में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय रमित टंडन पहले दौर में हार कर बाहर हो गए।

भुल्लर अच्छी शुरुआत के बाद संयुक्त 53वें स्थान पर फिसले

दुबई। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ओमेगा दुबई डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में शनिवार को अच्छी शुरूआत करने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए और संयुक्त 53वें स्थान पर खिसक गए। कट हासिल करने वाले इकलौते भारतीय भुल्लर का तीन चरण के बाद कुल स्कोर दो ओवर 218 है। भुल्लर ने पहले और दूसरे होल में बर्डी कर अच्छी शुरुआत की लेकिन वह नौवें, 12वें, 14वें और 16वें होल में बोगी कर गए जिससे उनका स्कोर दो ओवर 74 का रहा। चीन के वु अशुन इस दौर में 67 का कार्ड खेल शीर्ष पर पहुंच गए जिनका कुल स्कोर 11 अंडर का है।

भारत तोक्यो ओलंपिक में खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करेगा: कोविंद

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि 24 जुलाई से नौ अगस्त तक आयोजित 2020 तोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का देशवासी दिल से समर्थन करेंगे। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि ओलंपिक 2020 की खेल प्रतियोगिताओं में, भारतीय दल के साथ करोड़ों देशवासियों की शुभकामनाओं और समर्थन की ताकत मौजूद रहेगी उन्होंने कहा, इसी वर्ष तोक्यो में ओलंपिक खेल आयोजित होने जा रहे हैं। पारंपरिक रूप से, कई खेलों में, भारत अच्छा प्रदर्शन करता रहा है। हमारे खिलाड़ियों और एथलीटों की नई पीढ़ी ने, हाल के वर्षों में, अनेक खेल प्रतियोगिताओं में देश का नाम उंचा किया है। राष्ट्रपति ने कहा, ओलंपिक 2020 की खेल प्रतियोगिताओं में, भारतीय दल के साथ करोड़ों देशवासियों की शुभकामनाओं और समर्थन की ताकत मौजूद रहेगी। भारतीय खिलाड़ियों ने 1920 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के हर संस्करण में भाग लिया है। हालांकि उन्होंने अपनी आधिकारिक उपस्थिति पेरिस में 1900 के खेलों में दर्ज कराई थी। चार साल में एक बार होने वाले इस प्रतियोगिता के शुरू होने में लगभग छह महीने बचे हैं और भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि वह जापानी राजधानी में कम से कम 120-125 खिलाड़ियों का दल भेजेगा।

हमें गेंद से और अधिक आक्रामक होना होगा: ईश

भाषा। आकलैंड

न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी का मानना है कि पांच मैचों की श्रृंखला में वापसी के लिए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की विश्व स्तरीय बल्लेबाजी के खिलाफ उन्हें गेंद से और अधिक आक्रामक होना होगा। भारत ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 204 रन के लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए छह विकेट से जीत हासिल की और श्रृंखला में।-0 की बढ़त बना ली है। सोढ़ी को लगता है कि मेजबानों ने ज्यादा आक्रामक गेंदबाजी नहीं की जिससे मेहमानों पर दबाव नहीं बन सका। सोढ़ी ने शनिवार को कहा, हमने 200 रन का स्कोर बनाया। अगर हम गेंद से ज्यादा आक्रामक हो सकते हैं तो पहले मैच से हमारे लिए यही सीख होगी। अगर हम ज्यादा रन लुटाते हैं या फिर विकेट लेने के कुछ मौके गंवाते हैं तो आप कोशिश करने के बाद ही यह सब सीख सकते हो। उन्होंने कहा, आपको देखना होगा कि मैच कैसे आगे बढ़ता है। लेकिन यह हर बल्लेबाज के लिए अलग होता है और गेंदबाज के लिए भी। आपको कप्तान से चर्चा करनी होती है और गेंदबाजी इकाई से भी। मिशेल सैंटनर और मैं ऐसा काफी करते हैं। पिछली रात हम आउटफील्ड पर थे, हमने केन विलियमसन से इस बारे में काफी बातें कीं। मैंने दो-तीन ओवर स्पैल गेंदबाजी की और इसमें से एक रक्षात्मक स्पैल था, दूसरा आक्रामक स्पैल था। इसलिए हमें पूरे मैच में उसी आक्रामकता से गेंदबाजी करनी होगी। इस स्पिनर ने कहा कि भारत पर दबाव बनाना मुश्किल है जिसमें कुछ विश्व स्तरीय बल्लेबाज मौजूद हैं लेकिन न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वापसी के लिए एक तरीका ढूंढना होगा। सोढ़ी ने शुक्रवार को 36 रन देकर दो विकेट झटके थे। उन्होंने कहा, उनकी टीम में पांच या छह विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं और जब वे फार्म में हों तो उन्हें रोकना हमेशा ही मुश्किल होगा। ईडन पार्क के आकार को देखते हुए भी यह चुनौती ही होगा।

प्रशंसक से खराब व्यवहार पर स्टोक्स ने माफी मांगी

जोहानिसबर्ग। इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे और श्रृंखला के अंतिम टेस्ट मैच के दौरान पवेलियन जाते समय स्थानीय प्रशंसक से अभद्रता करने पर माफी मांगते हुए कहा कि इस प्रशंसक ने उनके लिए बार बार गंदी भाषा का इस्तेमाल किया। स्टोक्स ने यहां के वंडर्स मैदान मे किए अपने व्यवहार को गैरपेशेवर करार दिया। इंग्लैंड क्रिकेट के संचालकों ने हालांकि दावा किया पहले दिन के खेल के दौरान टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को व्यक्तिगत दुर्व्यवहार (अभद्र भाषा) का सामना करना पड़ा। मैच के प्रसारण के दौरान दिखा कि स्टोक्स ने आउट होने के बाद पवेलियन जाते समय अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए दुर्व्यवहार कर रहे प्रशंसक से कहा, मुझे यह सब मैदान के बाहर कह कर दिखाओ। यह विलप तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस प्रशंसक ने दक्षिण अफ्रीकी एकदिवसीय टीम की जर्सी पहन रखी थी और वह पवेलियन की सीढ़ियां चढ़ते समय स्टोक्स के खिलाफ गंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। स्टोक्स ने ट्विटर पर जारी बयान मे कहा, मै अपनी भाषा के लिए माफी मांगना चाहता हू जो मेरे आउट होने के बाद आज लाइव प्रसारण पर सुनी गई। मुझे उस तरह से प्रतिक्रिया नही देनी चाहिए थी। जब मै मैदान छोड़ रहा था, मुझे भीड़ से बार-बार अभद्र भाषा का सामना करना पड़ा। मै स्वीकार करता हूं कि मेरी प्रतिक्रिया गैरपेशेवर थी। मै ईमानदारी से उस भाषा के लिए माफी मांगता हूं, खास कर उन युवा प्रशंसकों से जो दुनिया भर मे इस मैच का सीधा प्रसारण देख रहे थे। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित पहले दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने चार विकेट पर 192 रन बना लिए थे।

पाकिस्तान ने टी20 श्रृंखला जीती

बांग्लादेश को नौ विकेट से रौंदा

भाषा। लाहौर

कप्तान बाबर आजम (नाबाद 66) और सीनियर बल्लेबाज मोहम्मद हफीज (नाबाद 67) की नाबाद अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 131 रन की अटूट साझेदारी से पाकिस्तान ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शनिवार को यहां बांग्लादेश को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टास जीत कर बल्लेबाजी के लिए उतरी बांग्लादेश की टीम तमीम इकबाल की 65 रन की पारी के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 136 रन ही बना सकी। पाकिस्तान ने 16.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाकर मैच और श्रृंखला अपने नाम कर ली। आजम ने 44 गेंद की नाबाद पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया जबकि हफीज ने 49 गेंद की पारी में एक छक्का और नौ चौके लगाए। बांग्लादेश को एकमात्र सफलता शफिउल इस्लाम ने दिलाई जिन्होंने पारी के दूसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज एहसान अली को खाता खोले बगैर पवेलियन भेजा। इससे पहले बांग्लादेश के लिए तमीम के अलावा अफिफ हुसैन (21) और कप्तान महम्मदुल्लाह (12) ही दोहरे अंक में रन बना सके। तमीम ने रन आउट होने से पहले 53 गेंद की पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद हसनैन से सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। श्रृंखला का तीसरा मुकाबला 27 जनवरी को खेला जाएगा।

चीन में कोरोना वायरस के कहर से 41 की मौत

● करीब 1300 मामलों की पुष्टि हुई है

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोनावायरस के कहर से 41 लोगों की मौत हो चुकी है और 1287 लोगों के वायरस की चपेट में आने की पुष्टि हुई है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि 1,287 पुष्ट मामलों में से शुक्रवार रात तक 237 लोगों की हालत गंभीर बताई गई थी। उसने बताया कि निमोनिया जैसे इस वायरस के चलते 41 मौतें हो चुकी हैं जिनमें चीन के मध्य हुबेई प्रांत में ही अकेले 39 मौतें हुई हैं और एक मौत उत्तर पूर्वी प्रांत हीलोंगजियांग में हुई है। आयोग ने बताया कि कुल 1,965 संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट है। यह वायरस बृहस्पतिवार तक हांगकांग, मकाऊ, ताइवान, नेपाल, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम और अमेरिका तक फैल गया। जापान ने शुक्रवार को वायरस के दूसरे मामले की पुष्टि की। इससे भारत के लिए चिंता पैदा हो गई है क्योंकि 700 भारतीय छात्र वुहान और हुबेई प्रांत के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं तथा अब भी वहां फंसे हुए हैं। भारतीय दूतावास ने उनसे करीबी संपर्क बनाने के लिए हॉटलाइन्स स्थापित की हैं।

तेजी से फैल रहे कोरोनावायरस से निपटने के लिए चीन ने वुहान में 1,000 बिस्तर वाला अस्पताल बनाना शुरू कर दिया है जिसके दस दिन से कम समय में तैयार होने की उम्मीद है। उसने वुहान तथा हुबेई प्रांत के 12 अन्य शहरों में इलाज के लिए सैन्य चिकित्सकों को तैनात करना भी शुरू कर दिया है। वुहान और हुबेई में सभी सार्वजनिक यातायात पूरी तरह से बंद हैं। इस वायरस के चलते आज से शुरू हुए चीन के नववर्ष का जश्न भी फीका हो गया है।

वायरस के खौफ के चलते बीजिंग समेत कई शहरों में विशेष कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। इस उत्सव को वसंत महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। वायरस को फैलने से रोकने के लिए बीजिंग में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। चीन के सबसे बड़े शहर शंघाई ने बीजिंग, हुबेई, हुनान, झेजियांग, अन्हुई और ग्वांगदोंग प्रांतों के बाद सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा की आपात प्रतिक्रिया का स्तर बढ़ाकर एक कर दिया है।

आधिकारिक मीडिया ने बताया कि बीजिंग में कोरोनावायरस संक्रमण के 34 मामलों की पुष्टि हुई है। इस वायरस के प्रकोप के बीच चीन और अमेरिका के शोधकर्ता जानलेवा नए कोरोनावायरस के खिलाफ टीका बनाने पर एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस बीच, सरकारी पीप्लस डेली ने खबर दी है कि चीन ने शनिवार को कहा कि वह अगले 15 दिनों में वुहान में 1300 बिस्तरों का अस्थाई अस्पताल बनाएगा, जो शहर में बन रहे 1000 बिस्तरों के अस्पताल से अलग है। जापान में शुक्रवार को दूसरे मामले की पुष्टि हो गई। अभी इस वायरस का कोई इलाज नहीं है। इस वायरस के निमोनिया जैसे लक्षण हैं और यह मनुष्यों के बीच संक्रामक रोग है। चीन और अमेरिका के शोधार्थी साथ मिलकर इस घातक बीमारी का टीका बनाने पर काम कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इतनी अधिक संख्या में मौतों के बावजूद बृहस्पतिवार को इस वायरस को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने का कदम रोक दिया।

सुरक्षात्मक फेस मास्क पहने यात्री शुक्रवार को हांगकांग के एक हाई स्पीड ट्रेन स्टेशन के प्रस्थान हॉल में प्रवेश करते हुए

चीन ने पांच और शहरों को बंद किया, 5.6 करोड़ लोग प्रभावित

बीजिंग (एएफपी)। चीन ने घातक विषाणु कोरोनावायरस के फैलने की आशंका को देखते हुए और विषाणु पर नियंत्रण करने के मद्देनजर इससे प्रभावित शहर के आसपास मौजूद पांच और शहरों में शनिवार को यात्रा प्रतिबंध की घोषणा की, जिससे अब करीब 5.6 करोड़ की आबादी प्रभावित है। वुहान में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यात्रा प्रतिबंध में सार्वजनिक परिवहन संपर्क और शहरों को जोड़ने वाले राजमार्ग शामिल हैं। मध्य हुबेई प्रांत में अब तक कुल 18 शहरों में यात्रा प्रतिबंध लगे हैं।चीन ने ट्रेनों, विमानों एवं बसों पर इस खतरनाक विषाणु के संदिग्ध मामलों की पहचान एवं फौरन उन्हें अलग-थलग करने के लिए देशव्यापी कदम उठाने के आदेश दिए हैं। चीन में इस विषाणु से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने एक बयान में कहा कि विषाणु जांच केंद्र स्थापित किए जाएंगे और संदिग्ध निमोनिया से ग्रसित यात्रियों को निश्चित रूप से तुरंत अस्पताल लाया जाएगा। ट्रेन, विमान या बसों के विसंक्रमण के साथ संदिग्ध मामलों को अलग-थलग किया जाना चाहिए। बयान में कहा गया कि परिवहन के सभी विभागों को निश्चित रूप से सख्ती से इसके रोकथाम और नियंत्रण के उपाय करने चाहिए। इसमें हवाईअड्डों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों और बंदरगाहों पर जांच के उपाय शामिल हैं। इसके अनुसार ए उपाय सीमाशुल्क एवं सीमा जांच में सभी परिवहन मार्गों पर लागू हों। एनएचसी के अनुसार यात्रियों की सेवा में कार्यरत कर्मियों को निश्चित रूप से मास्क पहनना चाहिए। ए घोषणाएं ऐसे समय में हुई हैं जब विषाणु के संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है और संक्रमण के मामले बढ़कर 1,300 हो गए हैं।

पाकिस्तान में कोरोनावायरस से संक्रमित होने के संदेह में चीनी व्यक्ति अस्पताल में भर्ती

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान में स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कोरोनावायरस से संक्रमित होने के संदेह में एक चीनी नागरिक को पंजाब प्रांत के मुल्तान में एक अस्पताल में अलग वार्ड में भर्ती किया गया है। फेंग फेन (40) दस दिन पहले ही चीन के वुहान शहर से लौटा था और वह मुल्तान में चीनी कामागारों के साथ एक शिविर में रह रहा था। पाकिस्तान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अधिकारियों ने बताया कि फेंग को शुक्रवार रात को निश्तार अस्पताल लाया गया। एनआईएच ने कहा, एक संदिग्ध को मुल्तान में अभी-अभी अलग वार्ड में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत अभी स्थिर है और यह नए तरह के कोरोनावायरस का मामला नहीं लगता। इससे संबंधित नमूने जांच के लिए ले लिए गए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तान ने चीन से आने वाले यात्रियों में कोरोनावायरस की जांच के लिए हवाई अड्डों पर जांच केंद्र स्थापित किया। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत हजारों चीनी नागरिक विभिन्न परियोजनाओं में काम करते हैं। कई पाकिस्तानी छात्र चीन में पढ़ाई करते हैं। विदेश विभाग की प्रवक्ता आयशा फारुकी ने कहा कि पूरे चीन में करीब 28,000 पाकिस्तानी छात्र हैं। उन्होंने बताया, सिर्फ वुहान में ही करीब 500 पाकिस्तानी छात्र हैं। पाकिस्तान से करीब 1,500 कारोबारी अक्सर चीन की यात्रा करते हैं।

पूर्वी तुर्की में शक्तिशाली भूकंप से 20 लोगों की गयी जान

एएफपी। एलाजिग (तुर्की)

पूर्वी तुर्की में शुक्रवार की रात आए भयावह भूकंप से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 1,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

बचाव दल शनिवार तड़के भी इमारतों के मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश में जुटे रहे। भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई। भूकंप के बाद कम से कम 30 लोग लापता हैं। इस भूकंप का केंद्र पूर्वी प्रांत एलाजिग के सिवराइस शहर में था। एलाजिग में रहने वाले 47 वर्षीय मेलाहाट कैन ने कहा, यह काफी डरावना था, फर्नीचर हमारे ऊपर गिरने लगा। हम बाहर की ओर भागे। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा कि भूकंप से प्रभावित लोगों की मदद के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने ट्विटर पर कहा, हम अपने लोगों के साथ हैं। डर के चलते अपने घरों से भागे लोग हाड़ कंपा देने वाली ठंड से बचने के लिए सड़कों पर अलाव जलाकर बैठे हैं। तुर्की सरकार की आपदा एवं आपात प्रबंधन एजेंसी (एएफएडी) ने कहा कि सिवराइस में स्थानीय समयानुसार शुक्रवार रात करीब आठ बजकर 55 मिनट पर भूकंप आया।

देश भूकंप के लिहाज से संवदेनशील क्षेत्र है। गृह, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य मंत्रियों ने कहा कि एलाजिग प्रांत और पड़ोसी मालात्या प्रांत में अधिक लोगों की मौत हुई। एएफएडी के अनुसार, कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है और 1,015 अन्य घायल हुए हैं। गृह मंत्री सुलेमान सोयलु ने कहा, मालात्या में मलबे में कोई फंसा नहीं है लेकिन एलाजिग में 30 लोगों का पता लगाने के लिए तलाश एवं बचाव अभियान चल रहा है।

पूर्वी तुर्की में इलाज़ेग सिटी सेंटर में शुक्रवार को आए 6.8 तीव्रता के भूकंप के बाद ढह गई इमारत का एक दृश्य

आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में हाफिज के खिलाफ सुनवाई स्थगित

भाषा। लाहौर

आतंकवाद का वित्त पोषण करने के मामले में आरोपी मुंबई हमला के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ अभियोजन पक्ष के वकील की छुट्टी की वजह से गत तीन दिन सुनवाई नहीं हो सकी। पाकिस्तानी अदालत के अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अदालत के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को शनिवार को बताया, लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सुनवाई सोमवार (27 जनवरी) तक के लिए स्थगित कर दी क्योंकि अदालत को बताया गया कि उप महा अभियोजक अब्दुर रउफ कुछ दिनों के लिए छुट्टी पर हैं। उन्होंने बताया कि रउफ देश से बाहर है और संभवत: सोमवार को लौटेंगे।

उल्लेखनीय है कि गत सोमवार को भी सईद के वकीलों नसीरुद्दीन नय्यर और इमरान फजल गुल ने अदालत से अनुरोध किया कि लाहौर और गुजरांवाला में आतंकवाद का वित्तपोषण करने के लिए दायर दो मामलों में अपने मुवक्किल (सईद) के बचाव में तर्क पेश करने के लिए और समय दिया जाए। एटीसी न्यायाधीश अरशद हुसैन भुट्टा ने उनका अनुरोध स्वीकार करते हुए 23 जनवरी को अगली सुनवाई तक अपनी जिरह पूरा करने का निर्देश दिया था।

चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग की चेतावनी :

विषाणु फैलने के कारण देश कर रहा है मुश्किल स्थिति का सामना

एएफपी। बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शनिवार को चेतावनी दी कि नए कोरोना विषाणु के फैलने की वजह से देश मुश्किल स्थिति का सामना कर रहा है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि विषाणु फैलने के खिलाफ लड़ाई चीन जीतेगा।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक शी ने कहा, नए कोरोना विषाणु फैलने की वजह से देश मुश्किल स्थिति का सामना कर रहा है, इसलिए यह जरूरी है कि पार्टी की केंद्रीय समिति के केंद्रीकृत और एकीकृत नेतृत्व को मजबूत किया जाए।

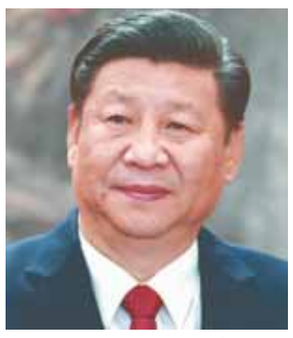

आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक राष्ट्रपति शी ने शीर्ष पोलित ब्यूरो की स्थाई समिति की बैठक में कहा, जबतक हमारे पास अडिग विश्वास, मिलकर काम करने का जज्बा, बचाव और इलाज के वैज्ञानिक तरीके और सटीक नीति है, हम निश्चित तौर पर इस लड़ाई को जीत सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि अब तक चीन में करीब 1,300 लोगों को कारोना विषाणु से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

फ्रांस में कोरोना वायरस के दो मामलों की पुष्टि, यूरोप में पहला मामला

● स्वास्थ्य मंत्री एग्निस बुजिन ने कहा कि दोनों बीमार लोगों ने चीन की यात्रा की थी

एपी। पेरिस

फ्रांस ने चीन में कहर बरपा रहे नए जानलेवा वायरस से दो लोगों के चपेट में आने की शुक्रवार को घोषणा की। यह यूरोप में वायरस का पहला मामला है। स्वास्थ्य मंत्री एग्निस बुजिन ने दो मामलों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दोनों बीमार लोगों ने चीन की यात्रा की थी।

मंत्री ने कहा कि उन्हें और मामले सामने आने की आशंका है। उन्होंने कहा, हमारे पास दो मामले हैं। और मामले आने की आशंका है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि इस वायरस की पुष्टि करने वाला फ्रांस इसलिए पहला यूरोपीय देश है कि उसने बीमार लोगों का फौरन पता लगाने वाली जांच विकसित की है।

फ्रांस में इस वायरस की चपेट में आया 48 वर्षीय एक व्यक्ति बुधवार को यहां आने से पहले वुहान से होकर गुजरा था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य व्यक्ति पेरिस में अस्पताल में भर्ती है। मंत्री ने बताया कि वह व्यक्ति भी चीन गया था।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन सोमवार को लंदन में यूके अफ्रीका निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान। बोरिस जॉनसन लंदन में 54 अफ्रीकी राष्ट्राध्यक्षों या सरकार की मेजबानी कर रहे हैं

भारत ने भारतीय छात्रों को वुहान छोड़ने की इजाज़त देने का अनुरोध किया

भाषा। बीजिंग

कोरोना विषाणु के फैलने के बीच समझा जाता है कि भारत ने चीन से अनुरोध किया है कि वुहान में फंसे 250 भारतीय छात्रों को शहर छोड़ने की इजाज़त दी जाए। वुहान एसएआरएस जैसे विषाणु का केंद्र है। यहां सूत्रों ने यह जानकारी दी।

माना जाता है कि भारत के करीब 700 छात्र वुहान और आसपास के इलाकों में स्थित विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं, जिनमें अधिकतर मेडिकल के छात्र हैं। प्रशासन ने किसी के भी वुहान छोड़ने पर रोक लगा दी है। इस शहर की आबादी 1.1 करोड़ है। शहर में करीब 1300 लोग संक्रमित हैं और 41 की मौत हो गई है। अधिकतर भारतीय छात्र चीनी नव वर्ष की छुट्टियों की वजह से अपने घर चले गए हैं और माना जाता है कि 250-300 छात्र अब भी शहर में हैं। इसके अलावा भारतीय छात्रों के माता-पिता के लिए तेज़ी से फैलता विषाणु चिंता का सबब बना हुआ है।

23 जनवरी को शहर को सील करने से पहले कुछ छात्र नगर छोड़ने में कामयाब रहे थे। भारत ने चीन, खासकर वुहान से आने वाले यात्रियों की निगरानी बढ़ा दी है। बीजिंग में सूत्रों ने बताया कि मौजूदा स्थिति के मद्देनज़र भारत ने चीनी विदेश मंत्रालय और वुहान के स्थानीय अधिकारियों से गुज़ारिश की है कि भारतीय छात्रों के लिए शहर छोड़ने का प्रबंध करने पर विचार करें। पूछा गया था कि क्या चीन अपने नागरिकों को निकालने के देशों के अनुरोध पर विचार करेगा, इस पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआन ने यहां मीडिया से बृहस्पतिवार को कहा था, हम चीन में विदेशी वाणिज्य अधिकारियों की उनके आधिकारिक काम में हमेशा मदद करते हैं। हमने उन्हें सभी मदद और ज़रूरी सुविधाओं की पेशकश की है तथा हम चीन में विदेशी नागरिकों के कानूनी अधिकारों और हितों की गारंटी के लिए काम कर रहे हैं।

भारत निष्क्रिय विदेश नीति से दूर जाकर अपने हितों पर ध्यान दे रहा है : अमेरिकी राजनयिक

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने शुक्रवार को कहा कि भारत निष्क्रिय विदेश नीति से दूर जा रहा है और जोर-शोर से अपने हितों को तरजीह दे रहा है।

दक्षिण और मध्य एशिया मामलों की कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह स्पष्ट है कि पिछले दो दशक से भारत अपने रणनीतिक क्षितिज का विस्तार कर रहा है जिसका परिणाम यह निकला है कि वह निर्षक्रिय विदेश नीति से दूर होकर जोर-शोर से अपने हितों पर ध्यान दे रहा है। नई दिल्ली में रायसीना संवाद के अलावा क्षेत्र की यात्रा से हाल ही में लौटीं वेल्स ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अब यह बदलाव अधिक स्पष्ट तरीके से देखा जा सकता है। वेल्स ने कहा कि रक्षा सहयोग, शांति रक्षा अभियानों, अंतरिक्ष, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, व्यापार, लोगों के बीच आपसी संपर्क पर निरंतर प्रगति के साथ ही भारत-अमेरिका नौसेना सहयोग की गुणवत्ता और निरंतरता, खासतौर से सूचना को साझा करने में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

अमेरिका ने भारत के नए नागरिकता कानून के तहत समान संरक्षण पर दिया जोर

भाषा। वाशिंगटन

भारत में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर विरोध-प्रदर्शनों के बीच अमेरिका की एक शीर्ष राजनयिक ने कानून के तहत समान संरक्षण के सिद्धांत का महत्व रेखांकित किया है।

दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स हाल में क्षेत्र के एक दौरे से लौटी हैं। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग में भी हिस्सा लिया था। एलिस वेल्स ने शुक्रवार को कहा कि उनकी यात्रा से नए नागरिकता कानून के संबंध में और अधिक सुनने का एक मौका मिला। उल्लेखनीय है कि सीएए के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक प्रताड़ना के बाद 31 दिसम्बर 2014 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के सदस्यों को भारतीय नागरिकता मिलेगी।

उन्होंने कहा, उनकी यात्रा से उन्हें भारत के संशोधित नागरिकता कानून के संबंध में घटनाक्रमों के बारे में और अधिक सुनने का मौका मिला। मैं कहूंगी कि वहां लोकतंत्र एक परीक्षण के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, हम कानून के तहत समान संरक्षण के सिद्धांत के महत्व को रेखांकित करते हैं।

वेल्स ने जम्मू-कश्मीर पर कहा कि वह कुछ वृद्धिशील कदमों को देखकर खुश हैं जिसमें इंटरनेट सेवाओं की आंशिक बहाली शामिल है। पाबंदियां गत वर्ष पांच अगस्त को लगाई गई थीं जब भारत ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त कर दिए थे और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। वेल्स ने भारत में अमेरिका के राजदूत केनेथ जस्टर और अन्य विदेशी राजनयिकों की जम्मू- कश्मीर के दौरे को एक उपयोगी कदम करार दिया। उन्होंने कहा, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह हमारे राजनयिकों को नियमित पहुंच की इजाजत दे और बिना किसी आरोप के हिरासत में रखे गए नेताओं को रिहा करने पर त्वरित कदम उठाए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका सहित 15 देशों के राजनयिकों ने पिछले महीने जम्मू कश्मीर का दौरा किया था और वहां चुनिंदा राजनीतिक प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के सदस्यों के अलावा शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ संवाद किया था।

जॉनसन के ब्रेक्जिट समझौते पर दस्तखत करने के साथ ही ब्रिटेन में नया अध्याय शुरू

एएफपी। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूरोपीय संघ से अलग होने के समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर कर दिया और इसके साथ ही उन्होंने देश में एक नए अध्याय की शुरुआत कर दी है।

इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के साथ ही ब्रिटेन ने यूरोपीय संघ की दशकों पुरानी अपनी सदस्यता को समाप्त कर दिया है और कई वर्षों की देरी तथा घरेलू कटुता के बाद अपने करीबी पड़ोसियों तथा व्यापारिक साझेदारों का साथ छोड़ दिया है। जॉनसन ने एक बयान में कहा, अलग होने के समझौते पर हस्ताक्षर करना बहुत शानदार क्षण है जिससे आखिरकार 2016 के जनमत संग्रह का नतीजा सिद्ध हुआ और कई वर्षों की बहस तथा बंटवारे का अंत हुआ। उन्होंने इस अवसर की एक तस्वीर के साथ ट्वीट किया, यह दस्तखत हमारे देश के इतिहास में एक नया अध्याय है। इससे पहले शुक्रवार सुबह बंद कमरे में हुए समारोह में यूरोपीय संघ प्रमुख उर्सुला वोन देर लिएन और चार्ल्स मिशेल ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। अगले सप्ताह बुधवार को इस समझौते की प्रति सत्यापन के लिए यूरोपीय संसद में भेजी जाएगी और बृहस्पतिवार को यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजनयिक लिखित में समझौते को मंजूरी देंगे। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने बृहस्पतिवार को समझौते को अपनी औपचारिक मंजूरी दे दी थी और यूरोपीय संघ के आने वाले कुछ दिनों में अंतिम औपचारिकताओं को पूरा करने की संभावना है।

एफएटीएफ के दायित्वों को पूरा न करना पाकिस्तान के लिए विनाशकारी होगा : अमेरिका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि आर्थिक कार्वाई कार्य बल (एफएटीएफ) के दायित्वों को पूरा न करने का पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम पर विनाशकारी असर होगा।

दक्षिण और मध्य एशिया के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि देश को एफएटीएफ की ग्रे सूची से बाहर करना चाहिए क्योंकि उसने आतंकवाद के वित्त पोषण पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था की आवश्यकताओं पर अहम प्रगति की है। वेल्स ने यहां पत्रकारों से कहा, जाहिर तौर पर अगर पाकिस्तान एफएटीएफ के दायित्वों को पूरा नहीं करता है और काली सूची में आता है तो यह पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम तथा निवेशकों को आकर्षिक करने की उसकी क्षमता के लिए विनाशकारी होगा।

इस्लामाबाद समेत क्षेत्र की यात्रा करके हाल ही में लौटी वेल्स ने कहा, हम एफएटीएफ के दायित्वों को पूरा करने की ओर पाकिस्तान की प्रगति को देखकर खुश हैं। वह उस सवाल का जवाब दे रही थी कि अगर पाकिस्तान एफएटीएफ के नियमनों या नियमों को पूरा नहीं करता है तो क्या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्त पोषण पर असर पड़ सकता है।

पायनियर
रविवार, 26 जनवरी, 2020

एजेण्डा

आत्मविश्वास वह कुंजी है जिसे आप तब अपने ऊपर आजमा सकते हैं जब लग रहा हो कि आपका विश्वास वाकई में डगमगा रहा है।
-वनीसा हेजेन्स

जब भयावह व बर्बर कानूनों की बात आती है तो देश की आत्मा कांप उठती है कि 2012 में निर्भया मामले से लेकर 2019 में हैदराबाद में 26 वर्षीया डाक्टर के बलात्कार व हत्या तक, कुछ भी नहीं बदला है। अपराध कानून में संशोधनों के बावजूद क्यों किसी भी प्रकार की राहत नहीं है , इस संबंध में कुछ कड़वी सच्चाइयों को सामने लाती मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

समाज है जिम्मेदार

पवन गुप्ता, विनय शर्मा, मुकेश सिंह व अक्षय कुमार सिंह

फोटो: द पायनियर/ रंजन दिम्री

16 दिसंबर, 2012, वो तारीख है जिसे भारत निकट भविष्य में तो भूलने वाला नहीं है। वो एक सर्द रात थी और अधिकांश दिल्लीवासी अपने घरों में कंबल ओढ़े टीवी पर दिन भर की खबरें सुन रहे थे। कहीं पर, 23 वर्षीया फीजियोथेरेपी इंटर्न सड़क पर निर्वस्त्र पड़ी हुई थी उसके गुप्तांग रक्तरंजित तथा आतें बाहर निकली हुई थीं। उसे एक राहगीर ने मरणासन्न हालत में पाया था। उस रात ने देश को, खासतौर पर राजधानी को झकझोर दिया। लड़की निडर थी, इसलिए मीडिया द्वारा उसे प्रदान किए गए नाम, निर्भया को न्याय देने की मांग करते हुए देश भर में कैंडल लाइट प्रदर्शन हुए। 29 दिसंबर को, सिंगापुर अस्पताल में निर्भया की मौत हो गयी। उसके अंतिम शब्द थे: ''माँ, मैं जीना चाहती हूं।''

साल 2020 में आते हैं। सात से अधिक वर्ष बीतने के बाद, हाई कोर्ट ने चार आरोपियों को सजा सुनाई- पवन गुप्ता, अक्षय कुमार सिंह, विनय शर्मा और मुकेश सिंह को फांसी की सजा सुनाई गयी। हालांकि फांसी देने की तारीख 22 जनवरी, 2020 को सुबह 7 बजे घोषित की गयी थी, मगर सुप्रीम कोर्ट द्वारा, अब फांसी की तारीख 1 फरवरी, 2020 की सुबह 6 बजे निर्धारित कर दी गयी है। ऐसा मुकेश द्वारा दायर की गयी दया याचिका को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा खारिज करने के बाद होता है।

इस दौरान, पवन इस दावे के जरिए हाई कोर्ठ के आदेश को खारिज करने की चुनौती देने सुप्रीम कोर्ट गया है कि दिसंबर 2012 में अपराध करते समय वह नाबालिग था। दो और लोग भी शामिल थे। राम सिंह और एक किशोर। हालांकि नाबालिग को सुधार गृह में रहने की तीन साल की सजा सुनाई गयी और 20 दिसंबर, 2015 को रिहा कर दिया गया, जबकि रामसिंह की मुकदमा सुनवाई की अवधि के दौरान मौत हो गयी। साल 2017 की रिपोर्ट ने कहा कि किशोर को दक्षिणी समुद्र तट भेज दिया गया था और वह वहां रसोइये के रूप में काम कर रहा था। 2012 की उस भयावह रात के बाद से ज्यादा कुछ नहीं बदला है।

हैदराबाद से एक 26 वर्षीया पशु चिकित्सक के बलात्कार व हत्या का मामला चर्चा में है। 28 नवंबर, 2019 को लड़की अपने क्लीनिक से घर वापस लौट रही थी। उसके लिए तब तक यह एक सामान्य दिन था जब तक कि उसे यह नहीं पता चला था कि उसका दो पहिया वाहन, जिसे वह टोल प्लाजा के करीब खड़ा किया करती थी, पंक्चर था। उसने खतरा महसूस किया और अपनी छोटी बहन को फोन किया। तभी दो लोग उसकी सहायता के लिए वहां आ गए। अपनी बहन को फोन करने के 15 मिनट बाद उसका फोन बंद हो गया। अगले दिन टोल प्लाजा से लगभग 23 किमी दूर दक्षिण में एक अंडरपास के करीब बर्बरतापूर्वक जली हुई उसकी लाश पाई गयी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2017 में 32,500 से अधिक बलात्कार के मामले पंजीकृत हुए, जबकि भारतीय अदालतें केवल लगभग 18300 मामले ही देख पाईं। 12,800 से अधिक मामले साल 2017 के अंत में लंबित छोड़ दिए गए। समय ही आवश्यकता है कि सभी लंबित बलात्कार मामलों की सुनवाई हो और उन पर फैसले सुनाए जाएं। यह प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

■ *वकील पूजा सरीन*

पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया- लड़की के मोबाइल फोन से तथा सीसीटीवी कैमरों में प्राप्त सुबूत के आधार पर मोहम्मद आरिफ, जोल्लू शिवा, जोल्लू नवीन कुमार व चिंताकुंटा चेन्ना केशवुलू को पकड़ा गया। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामला सुलझा दिया और सभी चारों आरोपियों को गोली मार दी गयी।

कठुआ, जम्मू-कश्मीर के करीब रसाना गांव की एक आठ वर्षीय लड़की को उठा लिया गया, उसका सामूहिक बलात्कार तथा हत्या कर दी गयी। लड़की का 10 जनवरी, 2018 को अपहरण किया गया और उसकी लाश सात दिनों के बाद मिली। घटना में सांझी राम को मुख्य आरोपी पाया गया। वह पारिवारिक मंदिर का पुजारी था जहां घटना को कथित तौर पर अंजाम दिया गया। उसका बेटा विशाल और भतीजा, नाबालिग, को भी मामले में दोषी पाया गया। अन्य लोग, जिन्हें दोषी पाया गया हैं, वे हैं दीपक खजुरिया और प्रवेश कुमार, जो पुलिस अधिकारी हैं, तिलक राज, हेड कांस्टेबल और अरविंद दत्ता, सब इंसपेक्टर।

10 जून, 2019 को, सात में से छह आरोपियों को दोषी पाया गया, तथा सांझी राम का बेटा, विशाल को सुबूतों के अभाव के कारण बरी कर दिया गया। सांझी राम, दीपक खजूरिया और प्रवेश कुमार को , एक लाख रुपए के जुर्माने के साथ, 25 साल के आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी। अन्य तीन आरोपी- तिलक राज, आनंद दत्ता और सुरेन्द्र वर्मा को मामले में महत्वपूर्ण सुबूत मिटाने के जुर्म में पांच साल जेल की सजा सुनाई गयी। आठवें आरोपी, सांझी राम के नाबालिग भतीजे, पर किशोर अदालत में मुकदमा चलाया गया।

एक और भयावह घटना, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था, वो है उन्नाव बलात्कार की। 4 जून, 2017 को, एक 17 वर्षीय लड़की का उत्तर प्रदेश विधायक, कुलदीप सेंगर तथा उसके भाई व सहयोगियों द्वारा गेंगरेप किया गया। 16 दिसंबर, 2019 को सेंगर को बलात्कार का दोषी पाया गया और उसे दिल्ली अदालत द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी।

निर्भया के पिता, बद्री नाथ सिंह रुंधे गले से कहते हैं, ''सालों हो गये हैं लोग लड़कियों को बचाने के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन असलियत में कोई भी कुछ ठोस नहीं कर रहा है। निर्भया के माता पिता या इस संदर्भ में आम आदमी के रूप में, इंसान केवल अपनी राय ही दे सकता है। मीडिया को सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछना चाहिए कि वे हमारी लड़कियों की सुरक्षा के लिए क्या कर रहे हैं।'' वह बताते हैं कि लोग आते हैं और कुछ दिनों तक भाषण देते हैं और फिर पूरा मामला बिना किसी समाधान के, जिसके लिए भाषण दिया गया था, अन्य हजारों मामलों के नीचे दब जाता है।

श्री सिंह का मानना है, ''हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम केवल अपनी आवाज उठा सकते हैं, बेहतरी के लिए सलाह दे सकते हैं व न्याय की मांग कर सकते हैं लेकिन उसके अलावा हमारे पास अन्य कोई अधिकार नहीं है। कोई हमारी बात नहीं सुनता है। यह सरकार का दायित्व है कि वो देखे कि क्यों बलात्कार बढ़ रहे हैं और अपराधियों को क्यों कोई डर नहीं है। सरकार को ऐसे मामलों में जवाबदेह होना चाहिए।''

सात साल पहले, जब निर्भया की निर्मम हत्या की गयी थी, तो नए नियमों व प्रावधानों तथा मौजूदा कानूनों के संशोधन संबंधी काफी चर्चा सामने आयी थी लेकिन ज्यादा कुछ नहीं हुआ या नहीं बदला। कठुआ बलात्कार मामले के बाद, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2018 लागू किया गया जो कहता है कि दोषी को 12 साल से कम उम्र की लड़की का बलात्कार करने पर फांसी की सजा जैसी अधिकतम सजा दी जा सकती है। हालांकि अधिकतम सजा बीस वर्षों की सजा है जो पहले दस साल तक की है।

>> पेज 3

साल 2019 का खौफनाक चेहरा

- फरवरी में, बिहार की एक 19 वर्षीय लड़की के साथ उसके पिता के सामने छह लोगों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया।
- मार्च में, मध्यप्रदेश के सागर जिले में एक 12 वर्ष की दलित लड़की का उसके चाचा और उसके तीन भाइयों द्वारा बलात्कार किया गया व सिर काटकर हत्या कर दी गयी।
- मार्च में, उत्तर प्रदेश के शामली जिले में 16 साल की लड़की को, जब वह शौच के लिए गयी हुई थी, आरोपी के घर बेहोशी की हालत में पाया गया।
- अप्रैल में, विले पार्ले, मुंबई में एक 9 साल की लड़की का बलात्कार करने के बाद हत्या कर दी गयी।
- मई में, बिकानेर में एक विवाहित महिला के साथ तीन लोगों द्वारा गैंगरेप किया गया, जब वह लकड़ियां बीनने गयी थी।
- मई में, पंजाब में एक प्राइवेट स्कूल में 4 साल की बच्ची के साथ बलात्कार किया गया।
- मई में, 17 साल की एक मूकबधिर लड़की का रामपुर में तीन लोगों द्वारा बलात्कार किया गया और दुष्कृत्य का वीडियो भी बनाया गया।
- मई में, बांदीपुरा, जम्मू-कश्मीर में रमजान के पवित्र दिनों में एक 3 साल की लड़की का आरोपियों द्वारा टाफी देने के बहाने बलात्कार किया गया।
- मई में, उत्तर प्रदेश में एक महिला का, उस दिन के बाद से लगातार बलात्कार किया गया जब उसके पिता द्वारा उसे बेच दिया गया था।
- मई में, नोएडा में एक 16 साल की लड़की का अपहरण किया गया और तीन लोगों द्वारा 51 दिनों तक उसका बलात्कार किया गया।
- मई में, अलवर में एक महिला का बलात्कार किया गया, उसे पीटा गया, वीडियो बनाया गया व ब्लेकमेल किया गया जब वह अपने पति के साथ शापिंग के लिए निकली थी।

- जून में, अलीगढ़ में दस रुपए देने का लालच देकर आरोपी 4 साल की बच्ची को एकांत जगह पर ले गया और वहां उसके साथ बलात्कार किया।
- जून में, आंध्रप्रदेश में एक 16 साल की लड़की के साथ पांच दिनों तक सामूहिक बलात्कार किया गया।
- जून में, उन्नाव में एक 11 साल की लड़की का बलात्कार करके हत्या कर दी गयी, उसकी लाश एक बगीचे से पड़ी पाई गयी।
- जून में, देहरादून में एक 11 साल के लड़के द्वारा तीन साल की बच्ची का उस समय बलात्कार किया गया जब बच्ची के माता पिता घर पर नहीं थे।
- जून में, शाहजहांपुर में एक 13 साल की लड़की का उसके घर में तीन लोगों द्वारा बलात्कार किया गया, जब उसके माता पिता दवा खरीदने के लिए घर से बाहर गए हुए थे।
- जून में, नोएडा में एक फार्म हाऊस में तीन यौन कर्मियों को 9 लोगों द्वारा कथित तौर पर बलात्कार किया गया।
- जून में, तेलंगाना में एक नौ माह की बच्ची का बलात्कार किया गया।
- जून में, एक नाबालिग लड़की के साथ कोलकाता में उसके घर के अंदर घुसकर बलात्कार किया गया जब उसके माता पिता घर से बाहर थे।
- जून में, एक 43 वर्षीय मानसिक रूप से कमजोर महिला का मुंबई में एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा बलात्कार किया गया।
- जून में, उड़ीसा के जयपुर जिले में पिता ने अपनी 15 साल की बेटी का बलात्कार किया।
- जून में, एक एयरहोस्टेस का, परीक्षा पास होने पर साथ में शराब पीने के दौरान, उसके सहकर्मी द्वारा बलात्कार किया गया।
- जून में, हैदराबाद गांव में एक शराबी किशोर द्वारा एक 6 साल की बच्ची का बलात्कार व हत्या कर दी गयी, बच्ची को होली खेलने के दौरान गायब कर दिया गया था।

अपनी क्षमता के अहसास व अपनी योग्यता में आत्मविश्वास से, व्यक्ति एक बेहतर दुनिया बना सकता है - दलाई लामा

कुछ पाओ, कुछ बचाओ

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि वो सबकुछ हासिल करें जो कुछ भी हम अपने लिए हासिल कर सकते हैं व अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकते हैं, लेकिन वो किसी दूसरे की कीमत पर नहीं

यह पश्चिम में एक रिटायर्ड अति वरिष्ठ जन सेविका की सच्ची कहानी है, जो विदेशी सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए बेल्जियम में एक संस्थान में नियुक्त हुई। भारतीय सरकारी कर्मचारियों के एक ऐसे ही प्रशिक्षण सत्र में, वह अपना व्याख्यान समाप्त करने के बाद लोगों के बीच बैठ गयी। उन्होंने कुछ भारतीयों से वैयक्तिगत तौर पर बात की और फिर बहुत भावुक हो गयी। उन्होंने उन भारतीयों को पता न चलने दिया कि वह बहुत अकेली थी। हालांकि वह बहुत पैसा कमा रही थीं, लेकिन वह नितांत अकेला जीवन जीती थीं। वह सोचती थीं कि भारत में मजबूत पारिवारिक संबंधों के कारण, वह अपने बुढ़ापे को भारत में बिताना चाहती थीं। अपने सेवाकाल के दौरान वह अनेक बार भारत घूमने आई थीं और भारतीय परिवारिक परंपराओं से परिचित थीं।

महिला के साथ क्या गलत हुआ था? खामी पश्चिम की भौतिकवादी संस्कृति में है। यह सुरक्षा का छद्म भाव प्रदान करती है जब चीजें भौतिक स्तर पर बेहतर चल रही हों। कोई यह मानकर खुद को खुश रख सकता है कि चीजें इसी प्रकार सहज ढंग से चलती रहेंगी। लेकिन ऐसा होता नहीं है। क्योंकि भौतिक सृष्टि बदलावों का विषय है, कुछ लंबे समय तक एक जैसा नहीं रहता है। यह तथ्य मांग करता है कि व्यक्ति भविष्य की योजना बनाए क्योंकि वो निश्चित तौर पर सामने आएगा। शानदार वर्तमान होना अच्छा है लेकिन जीने के लिए एक भविष्य भी होता है।

पहले मैं वर्तमान की चर्चा करता हूं- दोनों में से अधिक महत्वपूर्ण। हम अपने वर्तमान में क्या तलाश रहे हैं? प्रत्येक बालिग व्यक्ति

मानेगा कि आत्मसंतुष्टि उनकी सबसे पहली प्राथमिकता है। उसके बिना, जीवन अत्यंत दयनीय हो सकता है। हम उस स्थिति को हासिल करने में सक्षम होने के लिए पढ़ाई करते हैं, सालों प्रशिक्षण लेते हैं, अक्सर खेल का काफी समय त्याग देते हैं। केवल बाद में यह अहसास करने के लिए कि उन्हें मनोरंजन के समय को किनारे कर देना चाहिए था। आनंद के बिना जीवन क्या है। कुछ लोग अपने रुचियों में भयावह गलत हो जाते हैं और परिणामस्वरूप, अपने भविष्य को बिगाड़ने का कारण बनते हैं। इसके बाद आता है मानसिक स्तर। जीवन प्रगति कर रहा है के तरीके से संतोष होना चाहिए। शांतिपूर्ण जीवन हासिल करने वाला एक और बड़ा लक्ष्य है। और, हम भविष्य के बारे सुरक्षा की भावना का त्याग नहीं कर सकते, जिसका हम सभी सपना देखते हैं। हम पिछले तीन लक्ष्य किस प्रकार हासिल करते हैं? यहीं पर भौतिक चेतना हमें विफल करती है। ईश्वर को केन्द्र में रहना पड़ेगा। उसके बिना, संतुष्टि, शांति या सुरक्षा की कोई संभावना नहीं है। यहीं पर हमारे द्वारा उल्लिखित महिला विफल हो गयी हैं। ईश्वर के साथ उसकी दिव्य चेतना और बेहतर जीवन जीने के उसकी समग्र शिक्षाएं आती है और जो बेहतर भविष्य भी सुनिश्चित करती हैं। क्योंकि ईश्वर हमें सभी जीवों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना तथा बहुत स्वार्थी न होना सिखाता है ताकि बुढ़ापे में हर कोई त्याग न दे। भारत से क्यों ईर्ष्या होती है जब पारिवारिक मूल्यों की बात की जाती है? क्योंकि वे आध्यात्मिकता में विश्वास करते हैं, खासी जमात ऐसी करती है। भविष्य के लिए पैसा बचाना अच्छी बात है लेकिन एक मुकाम के बाद, पैसा सिर्फ एक संख्या है, जो अन्य इंसानों के प्रेम की जगह नहीं ले सकता। मानव जन्म दोनों की उम्मीदों से जुड़ा है, यानी भौतिक पर्याप्तता एवं आध्यात्मिक उन्नति। आध्यात्मिक उन्नति अगले जीवन के लिए अत्यावश्यक है।

याद रखें, जब हम जन्म लेते हैं, तो हर किसी पर सीमाएं लागू होती हैं। अधिक सौभाग्यशाली लोगों को अधिक आजादी मिलती है, क्योंकि वे ऐसे सुसंस्कृत परिवारों में जन्म लेते हैं जो समृद्ध भी हैं। वे जीवन में पहले सीख जाते हैं कि मानव जीवन उत्तरोत्तर आत्म उन्नति की ओर ले जाता है। यह, बुरे कर्म करते हुए तथा बाकी तथा अगले जीवन में भारी दुखों को आमंत्रित करते हुए, भविष्य की कीमत पर, वर्तमान में जीने के लिए कभी नहीं है। इसीलिए, वो सबकुछ हासिल करें जो कुछ भी हम अपने लिए हासिल कर सकते हैं व अपने भविष्य को भी सुरक्षित रखें। लेकिन ऐसा किसी दूसरे की कीमत पर नहीं होना चाहिए। कुछ लोग दुर्भाग्यवश वर्तमान जुनून का आनंद लेने के लिए दूसरे अतिरेक पर चले जाते हैं, जैसे वे अपने भविष्य की सुरक्षा कर रहे हों। आदर्शतया, हमें वर्तमान को हासिल करना चाहिए और उज्जवल भविष्य के लिए कुछ बचाना चाहिए। यही ज्ञान है।

लौकिक संपदाएं

इस नयी श्रंखला के पहले भाग में, सुमिरन अन्ना मारिया कश्यम बताती हैं कि रत्नों की शक्ति व सद्भाव को किस प्रकार समझें व अपनाएं

कुछ रत्न धरती मां के गर्भ से उत्पन्न होते हैं। उनमें से कुछ दिव्य आकाशी प्रसार से उसकी गोद में गिरे गए हैं, जब कभी गृहीय इकाइयां हमारी दुनिया की उत्पत्ति एवं दुनियाओं के उस पार के सनसनीखेज संकेत, रहस्य, पीछे छोड़ गयी हैं।

मैं गृहीय कुलागत संपदाओं को रत्न कहती हूं, क्योंकि वे हमें उन शक्तियों द्वारा प्रदान की गयी हैं जो ब्रहमांड को सुसंचालित करती हैं, पवित्र ज्यामिती के पवित्र संयोजक। उनकी मनमोहक संरचना इस पवित्र ज्यामिती का प्रतिबिंबन है, सृष्टि की मौन भाषा जो इसकी आंतरिक क्रियाओं के बारे में बताती है और समूची सृष्टि को, अत्यंत उत्तरदायी, ऊर्जा आधारित अभियान के रूप में, एकीकृत करती है। यह आवृत्ति का सार्वभौमिक नियम है जो विभिन्न रत्नों के प्रति हमारे आकर्षण-तथा उससे जुड़ने- के लिए मंच तैयार करता है। सभी घटक, यहां तक आंतरिक घटक भी, अपनी खुद की तरंगित आवृत्तियों के मुताबिक, निरंतर गतिमान हैं। हर चीज पूर्णतया जुड़ी हुई है।

कुछ लोग स्वाभाविक तौर पर दूसरों के मुकाबले गाइया में अधिक गहरे होते हैं, वो इस आधार पर वे किस तरह ब्रहमांड के सूक्ष्मजीव के रूप में विकसित हुए हैं। अन्य अपने पैरों से जुड़े पंखों के साथ जन्मे हैं , घर पर जब गाइया के साथ, लेकिन शायद अपने तत्व रूप में अधिक, वहां दिव्य प्रसार में मौजूद थे। हम सभी को सृष्टि संपदाओं- ''धरा-रत्नों'' या ''रत्न प्रसारों '' की तरंगें सुनने के लिए तैयार किया गया है, जो हमारे लिए सही है। इसीलिए वे विशेषज्ञ जो रत्नों के साथ काम करते हैं, हमें सलाह देंगे कि उसे सुनो, जो गूंजता है।

रत्न किस प्रकार काम करते हैं, इस संदर्भ में वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक समझदारी के बीच की सूक्ष्म रेखाएं स्पष्ट हैं। रत्नों की झिलमिली संरचना उन्हें स्वीकारना सक्षम बनाती है तथा विभिन्न समन्वयकारी तरंगित आवृत्तियां उत्सर्जित करती है। मानव कोशिकाओं की जटिल संयोजन उन्हें वैसा करने का अवसर देता है। जब रत्नों के अपने इलेक्ट्रोमेग्नेटिक दायरे तथा इंसान परस्पर मेल खाते हैं, वे एक वृहद ऊर्जा दायरे का तालवृंद निर्मित करते है जिन्हें मस्तिष्क सक्रिय करता है, जिसके कारण शरीर में बायोकेमिकल बदलाव घटित होते हैं। ये बदलाव इस तथ्य को रेखांकित कर सकते हैं

कि उनकी उत्पत्ति मूलत: हमारी मन:स्थिति में मौजूद होती है। फिर हम स्वयं को इस तरंगित विश्लेषण को अधिक समझदारी से अध्ययन करते पाते हैं, शुरुआत से क्या कमी है तथा उससे पार पाने की दिशा में काम करते हैं।

पवित्र ज्यामिती स्वेच्छाशक्ति के लिए अवसर निर्मित करती है। हम किस प्रकार समझते व स्वीकार करते हैं कि हम कौन है, उस आधार पर हम स्वेच्छाशक्ति को लागू कर सकते हैं, तरंग के सिद्धांत को अपने पक्ष में काम करने के लिए तैयार कर सकते है, ब्रहमांड के दर्शनीय सूक्ष्मविज्ञान के बतौर अपनी क्षमता के स्तर पर, तथा खुद को नए सिरे से यह सुनिश्चित करने के लिए, कि हम जो चाहते हैं उसकी ओर आकर्षित होते हैं।

इस परिदृश्य में, रत्न अनमोल मार्गदर्शक उपकरण हैं। हमारे सृष्टिगत संपदाओं के रूप में, उनमें एक नयापन देती निष्क्रिय स्मृतियों का सहज प्रवाह होता है कि हम कहां से आते हैं। वे हमें पहचानने व स्वीकारने में सहायता करते हैं कि किस चीज से हमें सचमुच खुशी होती है, ताकि हम जीवन निर्माण करने की दिशा में काम कर सकें, हम उससे भागने की आवश्यकता नहीं होती। वे शांति व स्वीकार्यता की भावना जगाते हैं, हमें महसूस कराते हैं कि हम उन शक्तियों द्वारा सुरक्षित हैं जो बताएंगी कि उन्हें उचित समय पर क्या करना चाहिए। इससे पोषित होने वाली आत्मविश्वास की भावना अद्भुत होती है।

रत्नों को सभी विधाओं में एंप्लीफायर्स के रूप में स्वीकारा गया है जिससे उनका अध्ययन हुआ है, जिसका अर्थ उचित रत्नों को चुनने की दिशा में पहला कदम है, उनके फायदों व उपयोगों को यथासंभव विस्तारित ढंग से समझना।

एक अनुभवी रत्न विशेषज्ञ न केवल ठोस विषयगत जानकारी बल्कि इंसानी जीवन की भी ठोस जानकारी रखता है। व्यापक संदर्भ पुस्तक उपयोगी निवेश हैं, जब गंभीरतापूर्वक रत्नों को एकत्रित करने व उनके उपयोग करने से संबंधित फैसला लिया गया होता है, क्योंकि वे रत्नों के प्रकार, घुमाव, गुण व उपयोग आदि विषय में सुव्यवस्थित जानकारी प्रदान करती हैं।

यहां क्लीयर क्वार्ट्ज का उल्लेख करना उपयोगी होगा। यह एक विविधतापूर्ण मास्टर रत्न है, जो आभामंडल स्वच्छ बनाता है, स्वस्थ ऊर्जा बदलावों में सहायता करता है और विचारों में स्पष्टता लाता है, दबी भावनाएं व्यक्त करता है और प्रेरणा स्तरों को उन्नत करता है, साथ ही साथ अपने आसपास स्थिरत रत्नों का प्रबल ध्वनि विस्तारक बनता है। दिल के मामलों में रोज़ क्वार्टज शानदार है। चूंकि हम एक खाली कप से भर नहीं सकते, इसलिए हमें पहले एक उदार स्वप्रेमी रत्न के रूप में इसकी प्रशंसा करनी चाहिएउ। अमेथिस्ट भावनाओं को संतुलित करता है और हालातजन्य एवं स्वभावजन्य दोनों प्रकार के कड़वे प्रभावों को निष्क्रीय करता है। टाईगर आई तथा ब्लेक टोरमालिन विस्तारण एवं सुरक्षा के लिए तथा निराशा से पार पाने के लिए उत्कृष्ट हैं।

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

शुद्धता के बजाय व्यवहारिक होना बेहतर

आदिकाल से एक स्वरचित अव्यवस्था थी, उससे पहले एक उत्तम संतुलकारी अवस्था में, जो जब असरदार हुई, तो उससे अलग अलग प्रकार की ऊर्जाशक्ति जागृत हुई। तत्काल उसके बाद उन शक्तियों का समन्वयन आरंभ हुआ, जिसके कारण क्रमश: विकासक्रम आरंभ हुआ, जो अपनी समस्त विविधता व विकरालता से भरपूर एक विविधतापूर्ण दुनिया के रूप में सामने आया।

जिस प्रकार कारण प्रभाव को उत्पन्न करता है, व्यवस्था व अव्यवस्था दोनों की छवियां हमारे संज्ञान क्षेत्र में उपस्थिति पाती हैं। दोनों में से कोई एक या दोनों, अवसर मिलने पर सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं जो प्रमुखतया इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति विशेष की मानसिक बुनावट अनुवाशिंक स्तर पर कैसी बनी है।

यहां यह गौर करना लाजमी है कि इंसान अनोखा जन्मा है, हर कोई खास अपनी मानसिकता व इच्छा प्रवृत्तियां को इजहार करता है, जो पूर्वजन्म से चले आ रहे कर्मों का नतीजा हो सकता है। तथ्यगत रूप में, यह अलग अलग व्यक्ति पर निर्भर करता है कि किस प्रकार के अनुभवों से व्यक्ति विशेष को गुजरना पड़ा होगा। इसलिए हम सभी एक पूर्वाग्रह मन के साथ जन्म लेते हैं, जो वैयक्तिक मन के परिभाषिक सिद्धांत का काम करता है। बुद्धि जैसी होती है उसी के अनुरूप इंसान क्रिया, प्रतिक्रिया या प्रतिउत्तर देता है।

अनेक मामलों में, यह देखा गया है कि व्यवस्था की समझ अधिक भूमिका निभाती है। ऐसे चरित्र अक्सर शुद्धतावादी नजरिया रखने वाले पाए जाते हैं। वे अपने सभी उद्यमों में उत्तम रहना चाहते हैं, निश्चित रूप से अपने स्वनिर्धारित शर्तों के स्तर पर, खासतौर पर, जो शायद जमीनी सच्चाइयों से मेल तक न खाए। अक्सर, वे लोग अपने आत्ममोह ग्रसित अवधारणाओं में फंस जाते हैं, और वास्तविकता से परे देखने के लिए तैयार नहीं होते। जब तक कि, उन्हें पूर्णतया नकार नहीं दिया जाता, वे लगातार अपनी सोच से चिपके रहेंगे। जब तक उन्हें होश आता है, देर हो चुकी होती है। वे अपनी खुद की विशेष शर्तों पर जीवन जीना चाहते हैं। वे विरोध में कुछ भी होता स्वीकार नहीं कर पाते हैं। वे अपने खुद के पैमानों से दूसरों का मूल्यांकन करते हैं, यह महसूस नहीं करते कि हर कोई अनोखा जन्मा है। इसके कारण अक्सर समान पैमानों पर दूसरों को जोड़ना कठिन हो जाता है। शुद्धता की खोज में, वे निर्धारित आधार से दूर चले जाते हैं, एक के बाद एक उपलब्ध विकल्पों को खारिज कर देते हैं। इस प्रक्रिया में, वे समय पर पहल करने में विफल रहते हैं और जब वे जीवन की दौड़ में पिछड़ जाते हैं तो भाग्य को कोसते हैं। यहां तक कि वे ऐसे लोग तलाशते हैं जो शायद किसी पूजा जैसी आस्था के जरिए पारलौकिक हस्तक्षेप का वचन देते हैं।

यहां एक व्यक्ति का मामला उल्लेखनीय है जो चाहता है कि उसकी पत्नी सर्वश्रेष्ठ हो। वह

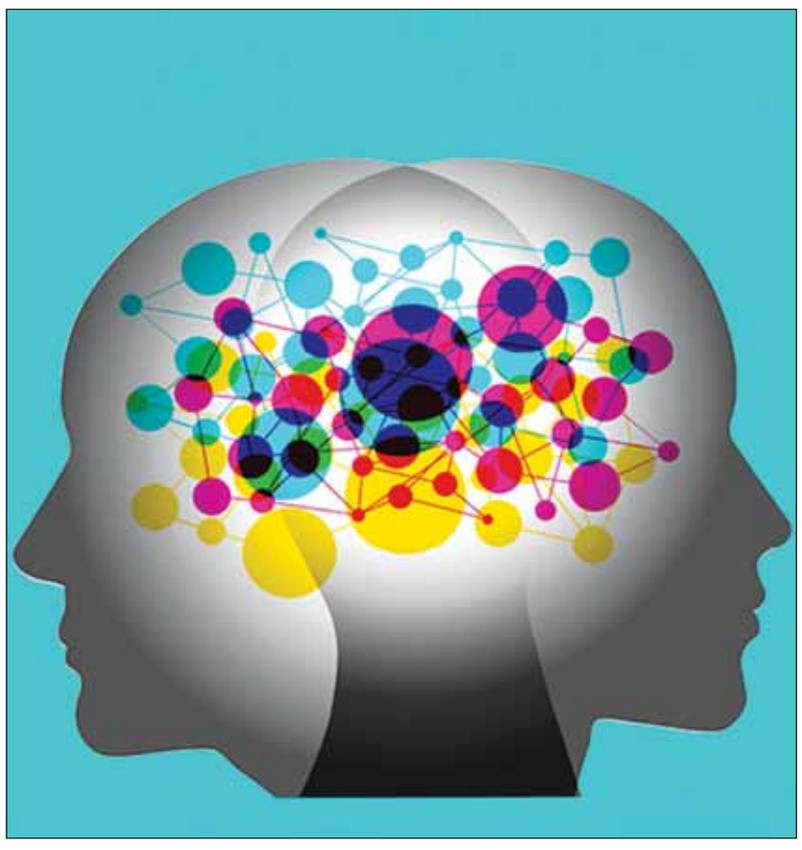

क्या करे और क्या न करें इस संदर्भ में दिए उसके लगातार फरमानों ने पत्नी को इतना ज्यादा तस्त्र कर दिया कि उसने अंतत: शादी तोड़ देने का फैसला कर लिया। बाद में, जब उसने संभावित जीवनसाथी की तलाश करना शुरू किया तो उसे कोई भी अपनी अपेक्षा सूची के अनुरूप नहीं मिला, अब तीस साल बीतने पर भी नतीजा शून्य ही है।

ह्यभविष्य में वेतन वृद्धि का आंकलन करना जो कि उभरती अर्थव्यवस्था में आम बात था, उसने बुजुर्गों की सलाह को दरकिनार करते हुए, अपने संसाधनों से परे जाकर घर खरीदने का फैसला किया। जैसे ही अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आई, उसके करियर की प्रगति के पहिए ने विपरीत मोड़ ले लिया। तब उसे अहसास हुआ कि उसे अब और सेवा ऋण नहीं मिल सकता। काम की शर्तों में भी, वह ऐसा प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर सकता जो उसकी समस्त शर्तों से मेल खाते हों। जैसे ही अर्थव्यवस्था मंदी का शिकार हुई, उसकी नौकरी छूट गयी, और उसके बाद वह लंबे समय के लिए बेरोजगार हो गया है।

आइए अब उक्त सज्जन के ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते हैं। मिथुन लग्न के साथ मन संकेतक चन्द्रमा उनमें अपनी खुद की विशेष शर्तों पर जीवन जीने की प्रवृत्ति जगाता है। वह सज्जन अपनी स्व निर्धारित मान्यताओं व धारणाओं पर चलना चाह सकते हैं। जब तक आप उनके मुताबिक चलते हैं, आप उनके परम मित्र बने रहते हैं। जैसे ही आपने विपरीत विचार व्यक्त किए, वह तत्काल नाराज हो सकते हैं। साथ ही, वे अस्थिर मन वाले हैं।

पाचवें घर में बृहस्पति उनमें शुद्धतावादी सोच जगाता है। चन्द्रमा को वरुण के अनुकूल स्थान पर रहना, एक अति शुद्ध रुचि जागृत करता है। शनि का यूरेनस के प्रति सुंदरतापूर्ण संयोजन उन्हें काम में जहीन व गंभीर बनाता है, जो कि बारीक पक्षों पर भी नजर रखता है। वे किसी भी काम के लिए तब तक सहमत नहीं हो सकते जब तक कि वह उनकी रुचि को संतुष्ट नहीं करता।

लेकिन फिर चन्द्रमा वीनस के विपरीत है। इतना ही पर्याप्त नहीं है, सूर्य भी वीनस के प्रति विपरीत मुद्रा में संग्रस्त है। यह सबकुछ एक साथ मिलकर उन्हें अत्यधिक भावुक व संवेदनशील बना देता है। वे उनकी रुचि से मेल न खातीं मामूली बातों को अनावश्यक तूल दे सकते हैं और लंबे समय तक उसमें उलझे रह सकते हैं। इस प्रक्रिया में, अक्सर उनकी प्राथमिकताएं हाशिए पर चली जाती हैं। इसके अलावा, नौवें स्वामी शनि का नटखट वरुण और मंगल के विपरीत स्थिति में होना है, जो उन्हें आत्ममोही व मूडी बनाता है। साथ ही, यह उन्हें आदतन शंकालु भी बनाता है। जैसे ही वह किसी बात पर चिढ़ते हैं, वह अपनी तार्किकता व समझदारी खो बैठते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण है पांच गृहों का पुंज, जो उन्हें अत्यंत जटिल चरित्र बना देता है। और इसका नतीजा सबके सामने है।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

आपका स्वास्थ्य अच्छा दिखता है। उपचार से बेहतर रोकथाम का आपका सिद्धांत बेहतर काम करेगा। आप प्रेरित, उत्साहित है और आपमें स्थिति को अपने पक्ष में करने की दृढ़ इच्छाशक्ति है। अपार ऊर्जा व क्षमता से आप निरंतर काम कर सकते हैं व अधूरे कार्य पूरे कर सकते हैं। काम के प्रति आपके जुनून से आपके अधिकारी आपके पक्ष में होंगे। विवाहित लोग कुछ यादगार क्षणों का आनंद लेंगे। यह परस्पर संवाद का समय है।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

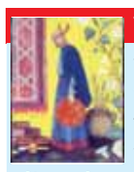

इस सप्ताह आप सतर्क रहेंगे क्योंकि स्वास्थ्य समस्याएं उभरने की संभावनाएं हैं। हर समय सकारात्मक सोच बनाए रखें। अपने तनाव पर काबू पाएं व शारीरिक व भावनात्मक दोनों उपचारों के लिए पर्याप्त आराम करें। करियर मोर्चे पर कुछ कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं। आपकी भावनाएं या अहंकार आपके काम में बाधा डाल सकते हैं। आशावादी हों व चुनौतियों का इस नजरिए से सामना करें कि इसमें भी सीखने को मिलेगा।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** सोमवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी प्राणायाम योग दिनचर्या को बनाए रखिए, इससे आप अपनी आत्मा से जुड़ें रहेंगे। बीमार व्यक्तियों को समस्याओं को गंभीरता से लेना व उचित इलाज कराना चाहिए। आपमें से कुछ लोग पस्ती की हद तक काम कर सकते हैं और तनाव आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। आप कार्य मोर्चे पर अच्छे दिखते हैं, आपको काम में संतुष्टि व खुशी अनुभव हो सकती है।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए संतुलन बनाए रखें। सुनिश्चित करें कि आप बेहतर भोजन, पर्याप्त नींद व उचित व्यायाम करते हैं। इस सप्ताह आप काम को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। आप उचित आत्म विश्वास दिखाएंगे व नयी परियोजनाएं हाथ में लेंगे। हालांकि सतर्कता आवश्यक है। चीजों को हड़बड़ी में न करने के प्रति सजग रहें। आपमें अड़ियलपन की प्रवृत्ति है। फैसले लेने से पहले विचार करें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

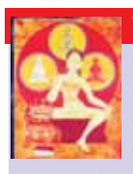

इस सप्ताह सकारात्मक रहना मूल मंत्र है। शारीरिक समस्याओं से जूझते लोग अपनी खुराक को लेकर सजग रहें। व्यायाम, योग, स्वस्थ खुराक व उचित आराम को सुनिश्चित करें। यदि आप निराश व अकेलापन भी महसूस कर रहे हैं तो खुद को दुनिया से अलग न ले जाएं। अपनी मौजूदा मानसिक अवस्था से बाहर निकलने के लिए अपने परिवार या किसी भरोसेमंद मित्र से सहायता मांगें।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

इस सप्ताह स्वास्थ्य संतोषजनक है। आपको प्राणायाम करने व सकारात्मक सोचने की सलाह है। ऐसा करने से आपको अनोखे लाभ होंगे। जो लोग किसी बीमारी या स्वास्थ्य समस्याओं से त्रस्त हैं उन्हें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। अपना खास खयाल रखें और खुद को अपनी अंतर्शक्ति से जोड़ने से आप तेजी से ठीक होंगे। इस सप्ताह, कार्य मोर्चे पर परेशानियां नजर आती हैं। स्वयं को हमेशा याद दिलाएं कि चिंता नहीं करनी है, सकारात्मक रहना है।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग** बैंगनी **शुभ दिन:** बुधवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

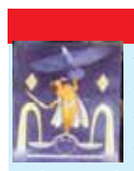

इस सप्ताह स्वास्थ्य चिंताओं व तनाव से अवकाश लें। शांत वातावरण में ध्यान लगाएं और कुछ आध्यात्मिक चिंतन करें। इससे आपको आध्यात्मिक क्षमता विकसित करने में सहायता मिलेगी। खुद को जबरन किसी काम में न झोंकें इसका आप पर बुरा असर पड़ सकता है। कार्यस्थल पर चीजें अच्छी हैं। जो लोग खुश नहीं हैं, शांतचित्त रहें, क्योंकि नए अवसरों के द्वार खुलने वाले हैं। रिश्तों में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

शुभ अंक: 5 **शुभ रंग :** बादामी **शुभ दिन:** गुरुवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

इस सप्ताह आप उच्च स्तरीय ऊर्जा व क्षमता हासिल करेंगे। यह आपको सक्रिय रखेगी। बस पर्याप्त आराम करने के प्रति भी ध्यान दें। जो महिलाएं परिवार आरंभ करने की योजना बना रही हैं, उनके लिए शुरुआत के अच्छे आसार है। बेहतर स्वास्थ्य का आनंद लें। कार्य मोर्चे पर आप दूसरों के साथ असहमति या टकराव मोल ले सकते हैं। यह आपके आचरण का नतीजा हो सकता है। सुनिश्चित करें कि आपका आचरण उचित हो।

शुभ अंक: 5 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शुक्रवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

स्वास्थ्य स्तर पर यह सप्ताह शुभ नहीं है। यह सप्ताह चिंता, तनाव व बेचैनी से भरा है। आप व्यायाम, संतुलित आहार, व्यायाम, पानी पीने को सुनिश्चित करें। ध्यान व प्राणायाम आपके लिए खास उपयोगी हैं। थोड़ा अभ्यास के लिए समय निकालें। कार्य स्तर पर, आप अच्छे समय का आनंद लेंगे। अपने सहकर्मियों के साथ जुड़ाव बनेगा और आप उनके साथ अच्छा तालमेल रहेगा। कार्य वातावरण सकारात्मक है।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** शनिवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

आपको अपने मनोरंजन तथा कीमती समय बिताने में अनेक अवसर प्राप्त होंगे। यह आपके स्वास्थ्य में नजर आएगा। दूसरों को आपकी संगत में सकारात्मकता महसूस होगी। करियर मोर्चे पर, कुछ अच्छा होने की संभावनाएं हैं। पिछले कुछ दिनों से आप जिन समस्याओं से जूझ रहे थे, वे अब समाप्त होंगी। आपको अपने मित्र या सहयोगी से सहयोग प्राप्त होगा। अपने बॉस के साथ सेवा मामलों पर विचार करने का यह अच्छा समय है।

शुभ अंक : 28 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

इस सप्ताह आप शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक रूप से उत्साहित महसूस करेंगे। चीजें अपनी उचित जगह पर होंगी। हृदय व बीपी संबंधी रोगों से ग्रसित लोग उचित उपचार व अपनी इच्छाशक्ति द्वारा तेजी से ठीक होंगे। आर्थिक लाभ की संभावनाएं हैं। जो लोग किसी व्यवसाय या बिजनेस विस्तार करने के बारे में सोच रहे हैं, वे आगे बढ़ें। आप सफल होंगे। आप ऐसे प्रभावी लोगों से मिल सकते हैं जो आपके करियर के लिए लाभकारी होंगे।

शुभ अंक: 23 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** गुरुवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं है। मौसमी बीमारियों का ध्यान रखें। खूब पानी पीएं व चाय, काफी, किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें। तरोताजगी व उपचार के लिए ध्यान व योग पर ध्यान दें। करियर स्तर पर, आप संतुष्टि की भावना महसूस करेंगे। बेरोजगारों को अपनी पसंदीदा कंपनी की ओर से प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। आपके परिजनों-मित्रों का सहयोग आपका मनोबल बढ़ाएगा। संबंध में, विवादों से बचने का प्रयास करें।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** रविवार

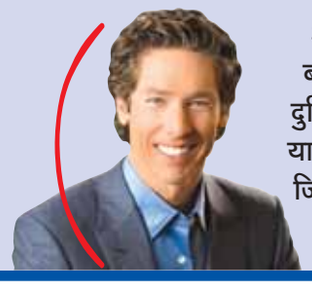

आप अपने शब्दों से बदलाव लाकर अपनी दुनिया बदल सकते हैं... याद रखें, जीवन व मृत्यु जिह्व्या की शक्ति में हैं
- जोएल ऑस्टीन

देवता और असुर

प्राचीन कवियों को, जिन्होंने पुराण लिखे हैं, भारतीय देवताओं की गूढ़ अवधारणा का दोष दिया जाता है, इस संदर्भ में व्यवहारिकीय अध्ययनों का हवाला देती हैं डा आशा गोस्वामी

महाभारत महाकाव्य से कृष्ण काल का व्यवहारिकीय अध्ययन बताता है कि भारत में बसने वाले आर्यों का हमारे देश के मूल निवासियों से युद्ध हुआ था जिन्हें वे असुर या राक्षस बुलाते थे। प्राचीन धर्मग्रंथ अक्सर उन टकरावों का उल्लेख करते हैं जो उन दोनों के बीच हुआ करते थे। उन दिनों उत्तराकुरु के राज्य को देवताओं यानी देवों की गृहभूमि के रूप में जाना जाता था। इस क्षेत्र की कुछ पहचान उत्तरी एशिया में किसी जगह अवस्थित है। कुछ इसे तिब्बत के करीब ऊंचे पहाड़ी क्षेत्र तथा उस क्षेत्र के वासियों को देवताओं के रूप में बताते हैं। ये बाशिंदे इंसान थे, लेकिन अपने विशिष्ट गुणों एवं विशिष्ट योग्यताओं के कारण उन्हें देवताओं को दर्जा दिया गया।

ऐसा लगता है कि वे असलियत में प्राचीन भारतीय आर्य थे जो सुंदरता समेत हैसियत व साहस जैसी अपनी अद्भुत योग्यताओं के कारण तिब्बत के ऊपरी इलाकों की नागरिकता से लैस थे और जो देवों की उज्जवल पदवी प्राप्त भी थे। महाभारत और रामायण दोनों आर्यव्रत्त के रूप में भारत में रह रहे ऐसे लोगों का संदर्भ देते हैं, जिन्हें विशेष तप के अपने अभ्यास के कारण देवलोक यानी उत्तराकुरु की नागरिकता मिली थी। इसलिए, कृष्ण युग के देवताओं से उन दिनों की उत्तराकुरु भूमि के वासियों का अभिप्राय मिलता है।

देवताओं की विभिन्न श्रेणियों का सिद्धों, साध्यों, विद्याधरों, यक्षों, भूतों व गंधर्वों के रूप में भी उल्लेख मिलता है। इनमें से विभिन्न प्रमुखों के नेतृत्व वाले विभिन्न समुदाय थे। उदाहरणार्थ, भूतों को मुखिया के रूप में महादेव शिव का नेतृत्व प्राप्त था और उनकी गृहधरती वर्तमान समय का भूटान थी। यह भी जाना गया है कि पांडव धर्म, वायु, इन्द्र और अश्विन के रूप में ज्ञात देवताओं के उत्तराधिकारी थे। जबकि, कौरव आर्य वंश से संबंधित थे।

यह कौरवों की पांडवों के प्रति घृणा का रहस्य समझाता है। कृष्ण काल के इस नृजातीय श्रेणी का जानकारी हासिल होने के बावजूद, जब पुराणों के परवर्ती कवियों को अपनी कृतियों को संग्रहित करना पड़ा तो उन्होंने उन देवों को,जो असलियत में उत्तराकुरु (उपरोक्त तिब्बत क्षेत्र) के मूलवासी थे, दिव्य शक्तियों के परिचायक देवताओं से, जिनका वेदों के प्राचीन काल से आह्वान तथा प्रार्थना की जाती थी, अलग करने की ओर ध्यान नहीं दिया। नतीजतन, वे उनके पुराणों में, भारत के प्राचीन वैदिक देवताओं की खूबियों, विशेषताओं के साथ, तथाकथित देवों की व्याख्या में घुलमिल गए।

जब पुराणों के परवर्ती कवियों को अपनी कृतियों को संग्रहित करना पड़ा तो उन्होंने उन देवों को,जो असलियत में उत्तराकुरु (उपरोक्त तिब्बत क्षेत्र) के मूलवासी थे, दिव्य शक्तियों के परिचायक देवताओं से, जिनका वेदों के प्राचीन काल से आह्वान तथा प्रार्थना की जाती थी, अलग करने की ओर ध्यान नहीं दिया। नतीजतन, वे उनके पुराणों में, भारत के प्राचीन वैदिक देवताओं की खूबियों, विशेषताओं के साथ, तथाकथित देवों की व्याख्या में घुलमिल गए।

प्राचीन भारतीय वैदिक, रुद्र या शिव का उदाहरण लेते हैं, जो सूर्य के विकराल पक्ष तथा सौम्यता की दिव्य प्रस्तुति का एकमात्र प्रतीक थे। उन्होंने रुद्र को उसी नाम से देवों से मिला दिया। यह देव उत्तराकुरु का मूलवासी था। वह देवों के भूत वंश से ताल्लुक रखता था और रुद्र-शिव के उसी नाम से जाना भी जाता था। दोनों की विशिष्टताएं एक व्यक्तित्व में घुली मिली थीं और इसने प्राचीन देवता शिव, जो पूर्व समय का था, और जो परम दिव्य शक्ति का प्रतीक था, की पूर्णतया गूढ़ अवधारणा प्रस्तुत की।

आज, शिव एक अन्य व्यक्तित्व की खूबियों से लैस देवता है, जो महादेव के रूप में अभी अन्य देवताओं पर राज करते हैं, जिनकी वेशभूषा भी पूर्णतया भिन्न है। पहाड़ों के वासी के रूप में, उनका रंग गोरा है, उनके जटाधारी बाल हैं, वे धनुष बज्र और बरछा रखते हैं, संगीत के शौकीन हैं और नृत्य व तीरंदाजी करते हैं, गंगा नदी को प्रवाहित करते हैं, सभी भक्तों पर कृपा करते हैं, उपचार करते हैं और रोगी को अपनी पसंदीदा दवाओं से निरोगी करते हैं।

जैसा कि त्रियंबक, जो प्राचीन काल में सूर्य, चन्द्रमा व अग्नि का प्रतिनिधित्व करता था, को अब परम देवता माना जाता है जिसकी तीसरी आंख उसे सर्वव्यापी शक्तियों से सुसंपन्न करती है। उसकी पशुपति उपाधि उन्हें उत्तराकुरु मूलवासी देव के करीब लाती है, उन्हें पशुओं के रखवाले के रूप में प्रस्तुत करती है। उनकी पत्नी उमा-पार्वती व सवारी बैल, दोनों उन्हें हिमालय क्षेत्र के करीबी पहाड़ी इलाकों के मूलवासी से जोड़ते हैं। जटाधारी बालों वाले योगी के रूप में उनकी वैयक्तिक विशिष्टता, आभूषणों के रूप में विषधर, तथा निर्वस्त्र रहना, उसी नाम के पहाड़ी मूलवासी के साथ उनके संबंध को इंगित करता है। यह सब असलियत में विधारधारा को परिभाषित करने के लिए ग्रंथों में उल्लिखित एक दृष्टांत प्रतीक है कि ईश्वर भक्तों का प्रेम व समर्पण पाने के लिए एक योगी के रूप में प्रकट होता है। इस तरह, प्रत्यक्ष रूप में होकर, वह स्रष्टा के रूप में ईश्वर की उसी ठोस आदिकालीन अवस्था का प्रतीक है।

इससे पहले कि हम असुरों की मूल अवधारणा की ओर कदम बढ़ाएं, जो कि और कुछ नहीं बल्कि देवताओं के विरोधी थे, आइए भारत में प्राचीन काले नृजातीय स्तरों की समीक्षा करते हैं। उन दिनों, भारत के आसपास रहने वाले प्रमुख समुदायों ने देवों, आर्यों व असुरों की स्थापना की। इन तीनों समुदायों को उपमूलवासियां में भी विभाजित किया गया और वे लगातार एक दूसरे के खिलाफ लड़ रहे थे। इन आदिवासियों में असुर प्राचीन थे, साथ ही उन सभी में वरिष्ठ थे। उनके बाद देवता थे जो असुरों से छोटे थे तथा कम कोमल, भौतिकवादी व वैज्ञानिक थे। साथ ही, देवताओं को कई रूपों में असुरों द्वारा दबाया जाता था। फिर अंत में आते थे आर्य, जो उपरोक्त उल्लिखित दोनों वरिष्ठ समुदायों की तुलना में बहुत कम उन्नत थे।

असुरों का राक्षसों के रूप में एक उप अंग था। महाभारत इस तथ्य का संकेत देता है कि देवता बुद्धिमान व अधिक सुसंस्कृत व शाकाहारी थे और असुरों की तुलना में बहुत अधिक कमजोर थे। असुरों व राक्षसों द्वारा अक्सर उन पर हमले हुआ करते थे। यहां, यह कहा जा सकता है कि प्राचीन काल में, उत्तराकुरु के मूलवासियों को देवता कहा गया, और उत्तराकुरु के अधिक ऊपरी क्षेत्रों के बाशिंदों को असुरों या राक्षसों के नाम से जाना गया, इसलिए ऐसे देवों के चारीत्रिक लक्षणों से संबंधित किस्सों को वेदों में उल्लिखित प्राचीन भारतीय देवताओं के साथ मिलाना नहीं चाहिए।

अंत में, यह तय हो गया कि कृष्ण काल के दौरान देवता व असुर आदिवासियो के दो वर्गों का प्रतीक थे जिन्होंने हिमालय में तिब्बत के ऊपर ऊपरी इलाकों के कुछ खास हिस्सों पर कब्जा कर लिया थो। असुर अधिक ऊपरी इलाकों में रहा करते थे, जिन्हें असुरलोक के नाम से जाना गया। ●

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

जारी है असंतोष का दौर

अगर बीते पंद्रह दिन कोई संकेतक थे तो हम कहीं अधिक भरोसे के साथ पूर्वानुमान कर सकते हैं कि यह साल भी पिछले साल की तरह खासा उथल-पुथल भरा हो सकता है। साल 2019 पर नजर डालने पर हमने अर्थव्यवस्थाओं में, राजनीति में उथल पुथल, देशों में उथलपुथल देखी है। बीबीसी ने टिप्पणी की थी कि साल 2019 ऐसा साल था जिसमें आम प्रदर्शनों ने, अंटार्कटिका को छोड़कर, लगभग सभी द्वीपों को झटका दिया। हांगकांग से लेकर पेरिस तक, बेरुत से लेकर दिल्ली तक, किसी न किसी कारणवश सड़कों पर आक्रोश था। फ्रांस में यह पेंशन सुधारों को लेकर था, इराक में यह उनके देश के भविष्य को लेकर था, भारत में नागरिकता अधिनियम के सवाल पर था। बोलीविया, सूडान, फ्रांस, अमरीका, हर कहीं लोग आक्रोश में थे। 2020 में क्या स्थिति है? यह रुझान अभी जारी है। क्या इंसानी धैर्य छलक पड़ा है या फिर ये सत्ताएं हैं, जो लोगों को हल्के में ले रही हैं। जो भी हो, लेकिन शांति धीरे धीरे मानवता से हाथ से फिसल रही है। मैनेजमेंट शब्दावली में, इस परिघटना को समझाने के लिए एक शब्द है। कहा जाता है कि लोगों की स्वीकार्यता का दायरा सिकुड़ रहा है। स्वीकार्यता का दायरा मानव मन के क्षेत्र का वर्णन करता है जहां आदेश या निर्देश सहन किए जाते हैं। यदि कोई आदेश या निर्देश आता है तो उसे स्वीकारा जाता है। यह दायरा धीरे धीरे सिकुड़ रहा है और इससे निर्देशों या आदेशों की स्वीकार्यता की संभावना घट रही है। यह असलियत में हो रहा है या नहीं हो रहा है या ऐसा दायरा बिलकुल है भी या नहीं, इसे शायद वैज्ञानिक तौर पर सुनिश्चित न किया जा सके लेकिन हस्तक्षेपों को, उभरती घटनाओं के सूत्रों के आधार पर, निश्चित रूप से पहचाना जा सकता है। असहमति व संदेह निश्चित रूप से उभार पर है और लोग अब चीजों को दबाए रखना नहीं चाह रहे हैं। दिलचस्प रूप से, एक और विरोधाभासी प्रवृत्ति भी नजर आती है। सत्ता के पदों पर मौजूद अधिक से अधिक लोग अपने विचारों की दबंगपूर्ण दावेदारी करने के आदी हैं। यही वो परिघटना है जो उलझाने वाली है। भले ही तानाशाही के कारण या अन्य किसी कारणवश, सत्ता का विरोध उभार पर है, लेकिन निश्चित रूप से दुनिया भर में आम लोगों के बीच असंतोष बढ़ रहा है। एक प्रकार का अविश्वास है जो मानवमन को चपेट में ले रहा है। अल्जीरिया में राष्ट्रपति चुना जाता है और प्रदर्शनकारी सड़कों पर आ जाते हैं। प्रधानमंत्री को लेबनान में स्वीकारा नहीं जाता है क्योंकि लोग मानते हैं कि वह सत्ताधारी अभिजनों का सदस्य है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति नया रिटायरमेंट लाभ फार्मूला पेश करता है और लोग सड़कों पर आ जाते हैं। इराकी किसी प्रकार के ईरानी हस्तक्षेप को लेकर चिंतित हैं जिसमें उन्हें लगता है कि यह उनके देश के बारे में फैसला करने का प्रयास है। भारतीय संसद में एक कानून पारित किया जात है और उसके खिलाफ व्यापक प्रतिरोध शुरू हो जाता है। हांगकांग लगातार उबलता नजर आता है। क्या हो रहा है? और क्या गलत हो रहा है? बहुत पहले आस्ट्रियाई मनोवैज्ञानिक अल्फ्रेड एडलर ने वैयक्तिक मनोविज्ञान का विद्यालय स्थापित किया था और सत्ता के प्रसार पर जोर दिया था। उनका मानना था कि सत्ता जबरदस्त प्रेरक है और लोगों में सत्ता की चाह होती है। समय के साथ, सत्ता की यह आवश्यकता जोर पकड़ती जा रही है और समानांतर सत्ता की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यद्यपि सत्ता हमेशा से इंसानों की सर्वोच्च आवश्यकता थी, सूचना युग ने एक प्रबल उत्प्रेरक का काम किया है। सूचना की उपलब्धता से व्यक्ति अब अधिक आक्रामक ढंग से सत्ता से सवाल करने लगता है। और वह समानता चाहता है। वह सोचता है कि कौन सी चीज दूसरे व्यक्ति को उससे अधिक श्रेष्ठ बनाती है। और जवाबी प्रतिक्रिया यह है कि अन्य व्यक्ति के प्रति उसमें अवज्ञा उत्पन्न होती है। एक समय था जब कुछ लोग बोलते थे और ज्यादातर सुनते थे। लेकिन समय बदल गया है। हर कोई बोल रहा है और कोई किसी की नहीं सुन रहा है। फिर, नया साल, कोई अलग नजर नहीं आता है।

पेज एक का शेष

समाज है जिम्मेदार

वह पूछते हैं, ''कानून यह नहीं कहता है कि क्या होता है जब दोषी नाबालिग होता है। साथ ही हमने 12 साल से कम उम्र की लड़कियों की सुरक्षा की है लेकिन बाकी के बारे में क्या है? क्या उन्हें सुरक्षित जीवन जीने का अधिकार नहीं है?''

उस समय, बलात्कार पीड़ितों की सहायता के लिए निर्भया फंड बनाया गया। वह कहते हैं, ''दुर्भाग्यवश, पीड़िताओं की सहायता में एक भी पैसे का उपयोग नहीं किया गया है। अदालती स्थितियों में किसी भी प्रकार का कोई सुधार नहीं हुआ है। हम लंबे समय से लड़ते आए हैं लेकिन ऐसे कोई बड़े बदलाव नहीं हुए हैं जो हमने इस अवधि के दौरान देखे हैं।''

अपनी बेटी को न्याय दिलाने की अपनी इस लंबी लड़ाई के दौरान, श्री सिंह और उनकी पत्नी, आशा देवी, हर परिस्थिति में साहस के साथ खड़े रहे। एक पल के लिए भी उन्होंने अपने आपको पस्त या थका महसूस नहीं किया- उनका यह विश्वास, कि उनकी बेटी को न्याय मिलेगा, हालिया झटके के बावजूद इन वर्षों में और पुख्ता ही हुआ है।

श्री सिंह बताते हैं, ''हम सत्य थक सकता है पर कभी हार नहीं सकता का सिद्धांत मानते हैं। इस मंत्र ने हमें हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रखा है। '' अन्य बलात्कार पीड़िताओं या उनके परिवारों के विपरीत, निर्भया के माता पिता को कभी भी समाज के जरा भी बदलते रवैय्ये का सामना नहीं करना पड़ा।

''हमारे साथ कभी भी कोई भेदभाव नहीं किया गया। कारण साफ है। हमने वो सबसे आम गलती नहीं की जो अनेक लोग करते हैं। हमने कभी समाज से आंखें नहीं चुराईं। जब आप खुद समाज से आंखें चुराओगे तो समाज को मौका मिलेगा आपसे भेदभाव करने का। हमने वो मौका किसी को नहीं दिया। और हम क्यों दें। इसमें हमारी बेटी की कोई भी गलती नहीं थी, वह बिलकुल मासूम थी।''

वकील व आपराधिक मनोवैज्ञानिक, अनुजा कपूर के मुताबिक, चूंकि व्यवस्था और कानून में बहुत सी खामियां थीं इसलिए ऐसे जघन्य अपराधों में कमी नहीं आई है। सुश्री कपूर का कहना है, ''इसके तमाम कारण हैं कि क्यों कोई राहत नहीं है। हमें अनेक सवाल पूछने पड़ेंगे। हम समय पर अपराधी को

सजा क्यों नहीं देते हैं? हमारे यहां ऐसी कमी क्यों है? एक कमी जो समयबद्धता नहीं है। कानून का दुरुपयोग क्यों होता है? लोग कानून का दुरुपयोग करने के लिए उपयोग करते हैं। कुछ दोषियों के मानवाधिकारों की बात करते हैं। उस मां के अधिकारों के बारे में क्या, जो सात सालों से लड़ती आई है? उन्नाव बलात्कार पीड़िता के अधिकारों का क्या होगा? फांसी की सजा क्यों नहीं दी गयी है? किसी को भी कानून को अनावश्यक कमजोर नहीं करना चाहिए। यदि कोई फांसी की सजा से भय पैदा होने का बलात्कार संबंधी कानून बनाना चाहता है तो इसे फास्ट ट्रैक पर होना चाहिए।''

वह उन लोगों से सवाल करती हैं जो कहते हैं कि दोषी सुधारे जा सकते हैं इसलिए आजीवन कारावास की सजा दी जानी चाहिए। सुश्री कपूर का मानना है, '' वे लोग, जो ऐसा कहते हैं, क्या अपराध मनोवैज्ञानिक हैं? कौन यह पता लगाने जा रहा है कि दोषी समाजरोगी है या मनोरोगी? साथ ही, व्यक्ति को समझना होगा कि आजीवन कारावास का अर्थ है जब तक व्यक्ति जीवित है वह जेल में रहेगा, न कि 14 या 20 साल। यदि फांसी की सजा नहीं दी जा सकती, तो इसे पेरोल के बिना होना चाहिए क्योंकि वे पेरोल पर बाहर आते हैं और वही अपराध दुबारा करते हैं।'' वह यह भी बताती हैं कि उन संशोधनों का, जो जस्टिस वर्मा कमेटी द्वारा क्रिमिनल लॉ में किए गए हैं, अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है। सुश्री कपूर कहती हैं, ''उन्होंने ऐसा बलात्कार कानून बनाया है जो अब केवल दुर्लभतम मामलों के रूप में देखता है। इसका अर्थ क्या है? कोई किस प्रकार इसकी विशिष्टता प्रस्तुत करता है? अनेक प्रकार के बलात्कार होते हैं। हमारे यहां एकल बलात्कार, सामूहिक बलात्कार या मौखिक बलात्कार होते हैं। इसने कानून को कमजोर किया है इसलिए यह अब भयोत्पादक नहीं रह गया है। कोई भी कानून तभी भयोत्पादक है जब उसमें तेजी से सजा सुनाई जाती है जहां समय सीमा उसी समय से आरंभ हो जाती है जब एफआईआर दर्ज कराई जाती है।'' कपूर बताती हैं कि इस प्रकार के लोग हैं जो ऐसे अपराध करते हैं। सुश्री कपूर कहती हैं, ''यह आपराधिक सोच का पता लगाने की मांग करता है। हमें पहले उस पृष्ठभूमि के बारे बात करनी होगी, जहां से ऐसे लोग आते हैं। यदि वे आपराधिक पृष्ठभूमि से आते हैं तो वे अधिकांशतया अपने माता पिता के पगचिन्हों पर चलने वाले होते हैं। इसका कारण है कि क्यों शराब पीने की आयु को 25 साल निर्धारित किया गया है। दूसरा है प्रीफ्रंटल कोर्टेस, जो एक भूमिका निभाता है। उच्च स्तरीय गतिविधियों वाले लोगों को जीनियस माना जाता है। ये ऐसे लोग भी हैं जिन्हें कोई पछतावा नहीं होता है, और वे भावुक नहीं होते हैं। मनोरोगी को सुधारा नहीं जा सकता है। समाजरोगी को सुधारा जा सकता है। इसलिए, कानूनों को इस ढंग से बनाया जाना चाहिए जिसमें सभी पहलू शामिल होंगे। अगर आप अमरीकी न्याय प्रणाली को देखें तो दोषी संदिग्ध माना जाता है जब तक कि दोष साबित नहीं हो जाता। भारत में, इसका बिलकुल उलटा है, यहां संदिग्ध निर्दोष माना जाता है जब तक कि अपराध साबित नहीं हो जाता। स्वभाव, परवरिश व हालात बड़ी भूमिका निभाते हैं।''

सुश्री कपूर समाज का एक भयावह चेहरा दिखाती हैं जहां सामूहिक बलात्कारों और फिर हत्याओं के बढ़ने की वजह यह है कि दोषी को एक मिनट में प्रसिद्धि मिल रही है। बकौल कपूर, ''उसे सुर्खियां मिल रही हैं। अपराधियों को लोकप्रियता प्राप्त हो रही है। उन्हें यह बात पसंद है कि उन्होंने कानून में कमी का फायदा उठाया है। गुमनामी का जीवन जीने के बाद, वे अब पूरी दुनिया में जाने जाते हैं, वे गौरवान्वित महसूस करते हैं। यहां नकारात्मक मनोविज्ञान भूमिका निभाता है। अगर कोई घर में बैठे बैठे इन लोगों के बारे में बात करता है तो इन्हें प्रसिद्धि मिल रही है।'' वह बताती हैं कि सकारात्मक मनोविज्ञान को चर्चा में लाने की जरूरत है। कपूर कहती हैं, ''ऐसा नहीं है कि रातों रात ऐसा बदलाव आ जाएगा। लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया कदम होगा।''

वकील पूजा सरीन, जिन्होंने हाल में दिल्ली में स्लेश निर्भय दिशा में प्रतिरोध शुरु किया था ताकि महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों को चर्चा में लाया जा सके, कहती हैं कि साल 2016 से साल 2019 तक बलात्कार व यौन हमलों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

पूजा सरीन कहती हैं, ''सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2017 में 32,500 से अधिक बलात्कार के मामले पंजीकृत हुए, यानी लगभग रोजाना 90 मामले। भारतीय अदालतें केवल लगभग 18300 मामले ही देख पाईं, जबकि 12,800 से अधिक मामले साल 2017 के अंत में लंबित छोड़ दिए गए। समय ही आवश्यकता है कि सभी लंबित बलात्कार मामलों की सुनवाई हो और उन पर फैसले सुनाए जाएं। यह प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। सख्त समय सीमाएं निर्धारित होनी चाहिए, जिनका बलात्कार मामलों में पालन होना चाहिए। न्याय में देरी न्याय की अवमानना है और निर्भया मामला, एक दोषी के सुप्रीम कोर्ट में चले जाने से हालांकि अभी भी, विभिन्न राज्यों में चल रहे अन्य हजारों मामलों की तरह ही खुला हुआ है।''

वह अपनी बात में जोड़ती है कि इसका एकमात्र समाधान केवल फास्ट ट्रेक अदालतों के जरिए किया जा सकता है। पूजा सरीन कहती हैं, ''भारत में बलात्कार मामलों की सुनवाई करने के लिए कोई फास्ट ट्रेक अदालतें नहीं हैं। इसीलिए, ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर एक सक्षम मंच बनाया जाना चाहिए। ''

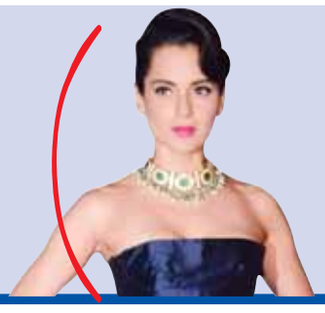

बहुत से लोग मुझे बताते हैं विराट कोहली और मेरे बीच कई समानताएं हैं उन्होंने अपना नाम कमाया है और लोग उन्हें प्यार करते हैं।
- कंगना रानौत

'नीरवता की संपूर्ण अभिव्यक्ति है शास्त्रीय संगीत'

सैक्साफोन एक ऐसा विशिष्ट वाद्ययंत्र है जिसकी ध्वनि मनुष्यों की ध्वनि से मिलती है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है, ऐसा मानती हैं रूसी सैक्साफोन वादक नदेज़्दा लिचिकोवा। प्रस्तुत है टीम पायनियर की उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

अपने आरंभिक जीवन में आप इस क्षेत्र में आने के लिए किससे प्रभावित हुई?

मुझे बचपन का वो दिन आज भी याद है जब मैंने सैक्साफोन की ध्वनि को पहली बार सुना था। ये वाकई एक जादुई ध्वनि थी और इसका प्रभाव भी जादुई था। ये प्रसिद्ध सैक्साफोन वादक चार्ली पार्कर की प्रस्तुति थी और में तो बस मंत्रमुग्ध थी। वो अत्यंत प्रभावी जैज़ एकल सोलो के विशेषज्ञ थे और बेबॉप का विकास भी उन्हीं ने किया था जो और कुछ नहीं बल्कि जैज़ का ही एक रूप था जिसमें टेंपो तीव्र होते हैं और एक भिन्न तकनीक तथा हार्मनी में गाया-बजाया जाता है। उन्हीं की ट्यून्स से प्रभावित होकर मैंने भी सैक्साफोन बजाने और इसे ही अपना कॅरियर बनाने का निर्णय कर लिया। जैज़ के क्रमिक विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान था, विशेषकर बॉप के, जो पॉप संगीत पर होने वाले एक नृत्य का नाम है। मैं भी पार्कर की ही भांति सैक्साफोन बजाने में दक्षता प्राप्त करना चाहती थी।

सैक्साफोन वादक के रूप में आपकी रचनात्मक प्रक्रिया किस प्रकार की रही है?

मैंने 15 वर्ष की कम आयु में ही एक ब्रास बैंड में सैक्साफोन बजाने से अपना कॅरियर प्रारंभ किया था। ये कुछ उत्साही युवाओं द्वारा प्रारंभ किया गया एक बैंड था। बाद में जब मैंने निज़्नी नोवगोरोद कॉलेज में अध्ययन करते हुए इससे जुड़े संगीत और मौलिक जानकारी प्राप्त कर ली, फिर मैं अग्रेतर सुधारात्मक ज्ञान तथा दक्ष संगीतकारों के समक्ष प्रशिक्षण के लिए मॉस्को गई। वहां मुझे पता चला कि स्वयं को इस क्षेत्र में प्रेरित बने रहने के लिए किसी महान गुरू की महती आवश्यकता है। वास्तव में देखा जाए तो प्रेरणा एक ऐसी अतिमहत्वपूर्ण चीज होती है जो एक गुरू अपने शिष्यों को प्रदान करता है। वो आपके लिए एक ऐसा रोल मॉडल होता है जो आपकी अकादमिक उपलब्धियों से परे के जीवन में भी उपयोगी साबित होता है।

आप ध्वनि, स्थिति और प्रस्तुति के बीच के संबंध को आप किस प्रकार से देखती हैं?

मैं इस पहलू पर निरंतर नए नए प्रयोग करती रहती हूं कि किस प्रकार से संगीत या ध्वनि को और अधिक गतिमान बनाया जा सकता है। ये मैं केवल ध्वनि विज्ञान की दृष्टि से नहीं बल्कि इसमें सामाजिक या कहें कि सांस्कृति पहलुओं को भी ध्यान में रखकर कह रही हूं। मैं मानती हूं कि इसके लिए हमें किसी ध्वनि अभियंता के साथ बैठकर वस्तुस्थिति समझने की जरूरत है। मंच पर अच्छी गुणवत्ता वाली ध्वनि के कई तकनीकी मापदंड होते हैं जो हमें हर प्रस्तुति से पहले समायोजित करने होते हैं। संगीतकार को स्वयं तथा पार्श्वगायन को सुनने में सहज होना चाहिये, तभी वो अपना संगीत श्रोताओं तक सुंदरता के साथ पहुंचाने में समर्थ हो सकता है। ये पूरी तरह से ध्वनि अभियंताओं पर निर्भर करता है।

> आज देखें तो सैक्साफोन को हर प्रकार के जॉनर के लोकप्रिय संगीत में एक महत्वपूर्ण स्थान मिला हुआ है, फिर चाहे वो जैज़, फंक, ब्लूज़, रॉक या पॉप संगीत ही क्यों न हो। संगीत हमें जितना अंदर तक छू सकता है उतना दूसरा कोई माध्यम नहीं कर सकता और ये सब बिना किसी जटिल शब्दावली के किया जा सकता है।

सैक्साफोन पर सोलो वादन कि प्रकार से समूह वादन से भिन्न होता है?

देखिये, संगीत मेरे लिए अपने विचारों तथा अनुभूतियों को अभिव्यक्त करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। जब मैं सोलो वादन कर रही होती हूं तो ये वास्तव में मेरी आत्मा से निकला एकलगायन होता है लेकिन मित्रों या कहें कि समूह में बजाते समय ये एक प्रकार का संवाद या संप्रेषण होता है।

क्या आपको लगता है कि इस वाद्ययंत्र के प्रति लोगों का आकर्षण अभी बना हुआ है? समय के साथ क्या ये परिवर्तित हुआ है?

सैक्साफोन की ध्वनि सभी को अपने मोहपाश में बांध लेती है और इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण इसका मानवध्वनि से मिलता-जुलता होना है और यही बात इसे और भी अद्भुत बनाती है। सामान्य रूप से देखें तो पॉप संगीत में गिटार, बेस, ड्रम तथा कीबोर्ड बजाए जाते हैं लेकिन पॉप परिदृश्य में भी सैक्साफोन अपनी एक जगह बनाए हुए है। आज देखें तो सैक्साफोन को हर प्रकार के जॉनर के लोकप्रिय संगीत में एक महत्वपूर्ण स्थान मिला हुआ है, फिर चाहे वो जैज़, फंक, ब्लूज़, रॉक या पॉप संगीत ही क्यों न हो। संगीत हमें जितना अंदर तक छू सकता है उतना दूसरा कोई माध्यम नहीं कर सकता और ये सब बिना किसी जटिल शब्दावली के किया जा सकता है। वाद्ययंत्रों से निकला संगीत लिंग, देश, नस्ल, धर्म, भाषा, से परे जाकर लोगों को प्रभावित कर सकता है लेकिन भाषा आधारित संगीत में ये संभव नहीं है। आज आधुनिक संगीतकार के लिए जितने प्रकार के वाद्ययंत्र, शैलियां, संयोजन, टेंपो तथा ध्वनि प्रभाव तथा जेनेरेटर उपलब्ध हैं, उनके चलते श्रवण संभावनाओं की कोई सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। मेरा पूरा विश्वास है कि सैक्साफोन काफी समय के लिए हमारे बीच रहने वाला है।

कला की दृष्टि से आपको किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

हर कलाकार को किसी न किसी प्रकार के संघर्षों का सामना करना ही पड़ता है। मैं अपने संगीत की पूरी क्षमता से लोगों के लिए आनंद, प्रसन्नता और स्नेह जुटाने का जतन करती हूं। मेरा केवल यही प्रयास रहता है कि मेरे श्रोता मेरे संगीत को पसंद करते रहें।

वर्तमान में चल रही रैप संस्कृति के वैश्विक संगीत परिदृश्य पर हावी रहने की स्थिति के चलते क्या आपको भी लगता है कि शास्त्रीय संगीत अपना आकर्षण खोता जा रहा है?

मुझे लगता है कि शास्त्रीय संगीत अपने दूसरे पुनर्जीवन जी रहा है। हमारे जीवन की लय हमारे आसपास की ध्वनियों की विविधता से बढ़ती जाती है। मेरा मानना है कि शास्त्रीय संगीत नीरवता की संपूर्ण अभिव्यक्ति है। हर प्रकार का संगीत भावनाओं के उतार-चढ़ाव का कारक होता है। संगीत में लय और एकरसता आपको अपने स्वभाव से आपको भी प्रभावित करने की क्षमता रखती है। और यही वो कारण है जिसके चलते शास्त्रीय संगीत आज तक अमर है। इस जॉनर में कई पीस तो हैं ही लेकिन हर संगीतकार के लिए इसकी व्याख्या भी अलग अलग होती है। अत: मेरा मानना है कि ये कहना सही नहीं है कि शास्त्रीय संगीत अपना आकर्षण खोता जा रहा है।

(हाल ही में उन्होंने देश के डीएलएफमॉल में एक प्रदर्शनी, 'अर्थ - ट्रिब्यूट टु शेड्स ऑफ इंडिया' के दौरान अपनी प्रस्तुति दी थी)

वरुण धवन-श्रद्धा कपूर की फिल्म का शानदार आगाज, पहले दिन कमा डाले 11 करोड़

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटिड फिल्म स्ट्रीट डांसर 3डी बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है. भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच हुए डांस मुकाबले की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग के साथ शुरुआत की. बॉक्स ऑफिस इंडिया डॉट कॉम वेबसाइट के मुताबिक वरुण धवन और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्ट्रीट डांसर 3डी ने पहले दिन 10 से 11 करोड़ रुपये की कमाई के साथ बंपर ओपनिंग की है.

बता दें, वरुण धवन और श्रद्धा कपूर की स्ट्रीट डांसर 3डी के साथ बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत की फिल्म पंगा भी रिलीज हुई है. यह दोनों ही फिल्में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रही हैं. वहीं स्ट्रीट डांसर 3डी फिल्म की कहानी की बात करें, तो यह फिल्म एनआरआई सहज (वरुण धवन) की कहानी पर आधारित है. सहज इंडिया से काफी सारा पैसा लेकर लंदन लौटता है और डांस प्रैक्टिस के लिए जगह खरीदता है. सहज का बड़ा भाई (पुनीत) डांस बैटल के फाइनल राउंड में चोटिल हो जाता है और कॉम्पटीशन हार जाता है. जिसके बाद सहज का सपना होता है कि उस बैटल को जीते, लेकिन उसकी टीम कमजोर होती है.

सहज की गर्लफ्रेंड मिया (नोरा फतेही) होती है, जो ब्रिटेन डांस टीम द रॉयल्स में रहती है. वहीं इनायत (श्रद्धा कपूर) अपनी डांस टीम के साथ सहज का मजाक उड़ाती रहती है. इनायत का डांस ग्रुप पाकिस्तान से होता है, जबकि सहज का ग्रुप इंडिया से. ऐसे में एक रेस्टोरेंट के ओनर राम प्रसाद (प्रभुदेवा) के यहां दोनों ग्रुप क्रिकेट मैच देख रहे होते है, तभी आपस में दोनों ग्रुप की लड़ाई हो जाती है. फिर शुरू होता है डांस को लेकर बैटल.

टीवी एक्ट्रेस दलजीत कौर का यह नया अवतार

बॉलीवुड हो या टीवी की दुनिया, फिटनेस को लेकर आजकल हर कोई काफी जागरूक है. लेकिन इस सब के बीच आप टेलीविजन एक्ट्रेस दलजीत कौर का मेकओवर किसी भी हालत में मिस नहीं करना चाहेंगे. दलजीत वैसे तो अक्सर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फोटो पोस्ट करती रहती हैं. लेकिन हाल ही में वह अपने घटाये गए वजन के लिए काफी सुर्खियां बटोर रही हैं. हाल ही में मिड डे को दिए अपने एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैं 86 किलो की थी, लेकिन अब मैं 53 किलो की हूं. दलजीत ने यह मेकओवर किसी फिल्म या सीरियल के लिए नहीं बल्कि अपने खुद के लिए किया है. उन्होंने कहा, यह मेकओवर मेरे खुद के लिए है. अगर इससे मेरे काम को भी फायदा होगा तो और भी अच्छा है. मैंने अपने आप को पूरी तरह से मैदा, तले-भुने खाने और जंक फूड से दूरी बना ली है. मैं अपनी चाय में भी चीनी के बजाए गुड का इस्तेमाल करती हूं. हर चीज के लिए विकल्प संभव है. कुछ समय पहले टाईम्स ऑफ इंडिया को दिए अपने इंटरव्यू में दलजीत ने कहा, मैं वजन घटाने के बाद और भी ज्यादा कॉन्फिडेंट महसूस कर रही हूं. पिछले साल ही दलजीत ने यह एलान किया था कि वह वजन घटाने के बारे में सोच रही हैं. उन्होंने कहा था, जब लोग मुझे कोई काम दें तो वह खुशी से न कि किसी दबाव में आकर. दलजीत इन दिनों सीरियल काला टीका में नजर आ रही हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एकता कपूर के सीरियल कुमकुम- एक प्यारा सा बंधन से साल 2005 में की थी और इसी साल वह कैसा ये प्यार है में भी नजर आई थीं. उन्हें अपना पहला लीड रो सीरिलय कुलवधु में मिला. दलजीत ने अपने पति शालीन भनोट से तलाक की अर्जी दायर की है और अपने बेटे के साथ अलग रह रही हैं.

दिल तो हैप्पी है जी एक्ट्रेस सेजल शर्मा ने की खुदकुशी

सीरियल दिल तो हैप्पी है जी की एक्ट्रेस सेजल शर्मा ने शुक्रवार सुबह खुदकुशी कर ली. सेजल को सिम्मी खोसला का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है. सेजल के खुदकुशी करने का कारण अभी तक पता नहीं चला है. हालांकि, माना जा रहा है कि उनकी निजी जिंदगी में परेशानियां चल रही थी, जिसके चलते उन्होंने ऐसा किया है.

सेजल शर्मा उदयपुर की रहने वाली थीं और सीरियल दिल तो हैप्पी है जी उनका पहला टीवी शो था. इससे पहले उन्हें कई विज्ञापनों और एक वेब सीरीज में देखा जा चुका है. उन्होंने आमिर खान के साथ ङ्कद्ब1श फोन के एक विज्ञापन में काम किया था. उनकी वेब सीरीज का नाम आजाद परिंदे था. सेजल के को-एक्टर अरु वी वर्मा ने खबर की पुष्टि करते हुए टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, हां ये सच है. मुझे इस खबर को सुनकर झटका लगा है. ये मेरे लिए मानना बहुत मुश्किल है कि सेजल इस दुनिया में नहीं है क्योंकि मैं उससे 10 दिन पहले ही मिला था और रविवार को मेरी उससे व्हाट्सएप पर बात भी हुई थी. अरु ने आगे बताया, मैं इस खबर को मान ही नहीं पा रहा हूं. मैं उससे 10 दिन पहले मिला था और वो बिल्कुल ठीक थी. हम पिछले 3-4 महीनों से नहीं मिले थे क्योंकि मैं अपने होमटाउन गया हुआ था. इसलिए हम 10 दिन पहले मिले और वो बिल्कुल ठीक दिख रही थी. उनके परिवार को आज सुबह उनकी मौत के बारे में पता चला, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने कल रात खुदकुशी की थी.

कानूनी पचड़े में फंसीं किम कर्दाशियां, लगा फोटो चोरी करने का आरोप

किम कर्दाशियां कभी भी सोशल मीडिया पर अपने पति कान्ये वेस्ट और परिवार संग फोटो पोस्ट करने में कभी पीछे नहीं रहती हैं. लेकिन अब इसी के चलते किम मुश्किल में फंस गई हैं.

खबर है कि एक इंटरनेशनल फोटोग्राफर ने किम कर्दाशियां पर उसकी खींची एक फोटो चुराने के लिए मुकदमा किया है.

रियलिटी टीवी स्टार किम कर्दाशियां पर इंटरनेशनल फोटोग्राफर ने खींची एक फोटो को उसकी इजाजत के बिना चुराने और पोस्ट करने के लिए कानूनी मुकदमा किया है. इस फोटो में किम कर्दाशियां अपने पति कान्ये वेस्ट के साथ हैं.

हॉलीवुड टैब्लॉयड टीएमजेड की खबर के मुताबिक, फोटोग्राफर सईद बोल्डन ने किम के खिलाफ उनकी खींची फोटो चुराने और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने का मुकदमा किया है. किम पर साल 2018 में हुई अमेरिकन रैपर नास की एल्बम रिलीज पार्टी में खिंची एक फोटो को पोस्ट के लिए केस किया गया है. इस फोटो में किम अपने पति कान्ये वेस्ट रंग रोमांटिक होती नजर आ रही हैं.

किम कर्दाशियां की पॉपुलैरिटी सोशल मीडिया पर खूब है. अक्टूबर में पोस्ट की गई इस फोटो को 2.2 मिलियन से ज्यादा लाइक मिले हैं. बोल्डन का कहना है कि किम ने उनकी इजाजत के बिना इस फोटो का इस्तेमाल किया, जो कि गलत है. मुकदमे के बारे में ञ्जरूँ की खबर के मुताबिक, बोल्डन का कहना है कि उन्होंने कभी भी किम कर्दाशियां को अपनी ये फोटो इस्तेमाल करने की पूरी इजाजत नहीं दी थी.

बोल्डन ने ये भी बताया कि इस फोटो के लिए किम ने उन्हें कोई पैसे भी नहीं दिए हैं. सईद बोल्डन ने कितनी रकम का मुकदमा किम पर किया है, इस बात का खुलासा उन्होंने नहीं किया है. हालांकि बोल्डन ने बताया है कि वो किम के शेपवियर ब्रांड स्कीम पर भी इसी फोटो का इस्तेमाल अपने इंस्टाग्राम पर करने के लिए मुकदमा कर रहे हैं. जाहिर है बड़े ब्रांड्स चलाने वाली किम कर्दाशियां को इस मुकदमे से भारी नुकसान होने वाला है.

एक बार फिर नुपुर सेनन के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार, सुपरहिट सॉन्ग फिलहाल का बनेगा सीक्वल

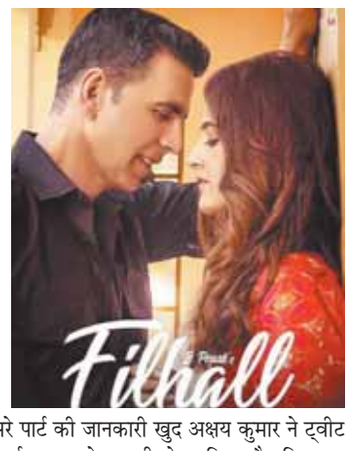

अक्षय कुमार और नुपूर सेनन का सुपरहिट गाने फिलहाल ने धूम मचा दी। ये गाना युवा वर्ग को इतना पसंद आया कि इसने नए रिकॉर्ड तक बना दिए। अक्षय कुमार की पहली म्यूजिक वीडियो ने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया। इस गाने में नुपूर सेनन के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। अब अक्षय कुमार अपने चार्टबस्टर सॉन्ग फिलहाल का अब दूसरा हिस्सा लेकर आने वाले हैं। इस गाने में भी उनके साथ नुपूर सेनन की जोड़ी होगी। फिलहाल के दूसरे पार्ट की जानकारी खुद अक्षय कुमार ने ट्वीट कर दी है। अक्षय ने फिलहाल पार्ट 2 का पोस्टर भी शेयर किया है। जिस पर लिखा है । वहीँ नुपूर सेनन ने भी इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। फिलहाल पार्ट 2 का फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल के पहले पार्ट के गाने के लिरिक्स और कम्पोजर जानी हैं और डायरेक्ट अरविंद खैरा ने किया। सिंगर बी. प्राक ने इस गाने को गाया था। अरविंद खैरा ने भी इसकी जानकारी दी है और लिखा है, हर लव स्टोरी को दूसरे चांस की जरूरत होती है। गौरतलब है कि फिलहाल के पहले पार्ट में दिखाया गया है कि अक्षय और नुपूर प्रेमी-प्रेमिका हैं लेकिन परिवार के दबाव में दोनों को बिछड़ना पड़ता है। दोनों अलग-अलग शादी करते हैं। लेकिन जब हॉस्पिटल के बेड पर एक डॉक्टर के रूप में अक्षय दोबारा नुपूर को देखते हैं तो वह फिर उन्हीं यादों में लौट जाते हैं।

वीकेंड के वार पर होगा डबल इविक्शन, घर से बेघर होंगी शेफाली और माहिरा?

रविवार को होने वाले इविक्शन में घर की बॉडी बिल्डर शेफाली जरीवाला घर से बेघर होंगी। वोटिंग के अनुसार शेफाली जरीवाला को सबसे कम वोट मिले हैं। वहीं आने वाले हफ्ते के मिड में दूसरा इविक्शन होगा जिसमें माहिरा शर्मा घर से बेघर हो जाएंगी।

बिग बॉस 13 के घर में इस हफ्ते काफी ड्रामा हुआ है। सिद्धार्थ शुक्ला और आसिम रियाज की लड़ाई और सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल का ब्रेकअप सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। बिग बॉस के खबरी के अनुसार खबर आयी है कि इस हफ्ते डबल इविक्शन होगा। शनिवार और रविवार को होने वाले इविक्शन में घर की बॉडी बिल्डर शेफाली जरीवाला घर से बेघर होंगी। वोटिंग के अनुसार शेफाली जरीवाला को सबसे कम वोट मिले हैं।

वोटिंग के अनुसार सबसे कम वोट शेफाली जरीवाला को मिले हैं और सबसे ज्यादा वोट आसिम को मिले हैं।

पहले नंबर पर आसिम रियाज
दूसरे नंबर पर रश्मि देसाई
तीसरे नंबर पर पारस छाबड़ा
चौथे नंबर पर विशाल अदित्य सिंह
पांचवे नंबर पर आरती सिंह
छ नंबर पर माहिरा शर्मा

सात नंबर पर शेफाली जरीवाला

इस रेटिंग पर अगर विश्वास किया जाए तो घर से बेघर शेफाली जरीवाला हो रही हैं। वहीं आने वाले हफ्ते के मिड में दूसरा इविक्शन होगा जिसमें माहिरा शर्मा घर से बेघर हो जाएंगी। आपको बता दें कि कलर्स ने सोशल मीडिया पर वीकेंड के वार का जो प्रोमो शेयर किया है उसमें दिखाया गया है कि इस हफ्ते सलमान खान सिद्धार्थ शुक्ला और आसिम रियाज के बीच हुई लड़ाई पर दोनों को घर के बाहर भेजकर हाथापाई कम करने के लिए कह रहे हैं।